डाक पंजीयन सं. जयपुर सिटी/ 110/2024-26
R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

दैनिक

रॉयल पत्रिका

वर्ष :13 | अंक : 204 | पेज: 8 | जयपुर, गुरुवार 03 जुलाई 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का घाना, त्रिनिडाड और टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील तथा नामीबिया की यात्रा पर रवाना

दिल्ली । राष्ट्रपति महामहिम जॉन ड्रामानी महामा के निमंत्रण पर नरेन्द्र मोदी 2-3 जुलाई को घाना की यात्रा पर रहेगें। घाना ग्लोबल साउथ में एक मूल्यवान भागीदार है और घाना की अफ्रीकी संघ तथा पश्चिम अफ्रीकी देशों के आर्थिक समुदाय में एक महत्वपूर्ण भूमिका है। नरेन्द्र मोदी घाना के साथ हमारे ऐतिहासिक संबंधों को और प्रगाढ़ करने तथा निवेश, ऊर्जा, स्वास्थ्य, सुरक्षा, क्षमता निर्माण और विकास साझेदारी के क्षेत्रों सहित सहयोग के नए अवसर खोलने के उद्देश्य से अपने आदान-प्रदान की आशा करता हूं। सहयोगी लोकतांत्रिक देशों के रूप में, घाना की संसद में संबोधन मेरे लिए सम्मान की बात होगी।

नरेन्द्र मोदी 3-4 जुलाई को, त्रिनिडाड और टोबैगो गणराज्य में रहेगें। यह एक ऐसा देश है जिसके साथ हमारा गहरा ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और लोगों से लोगों का जुड़ाव है। नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपति महामहिम श्रीमती क्रिस्टीन कार्ला कंगालू से भेंट करूंगा। श्रीमती क्रिस्टीन कार्ला कंगालू इस वर्ष के प्रवासी भारतीय दिवस में मुख्य अतिथि थीं। नरेन्द्र मोदी प्रधानमंत्री महामहिम श्रीमती कमला प्रसाद-बिसेसर से भी मिलूंगा, जिन्होंने हाल ही में दूसरे कार्यकाल के लिए पदभार ग्रहण किया है। 180 वर्ष पहले भारतीय पहली बार त्रिनिडाड और टोबैगो पहुंचे थे। यह यात्रा हमें वंश और संबंधों के विशेष बंधनों को फिर से जीवंत करने का अवसर प्रदान करेगी जो हमें एकजुट करते हैं।

पोर्ट ऑफ स्पेन से, नरेन्द्र मोदी ब्यूनस आयर्स की यात्रा करेंगे। यह 57 वर्षों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की अर्जेंटीना की पहली द्विपक्षीय यात्रा होगी। अर्जेंटीना लैटिन अमेरिका में एक प्रमुख आर्थिक भागीदार और जी-20 संगठन में एक करीबी सहयोगी है। नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपति महामहिम जेवियर माइली के साथ अपनी चर्चा के लिए उत्सुक हूं, जिनसे मुझे पिछले वर्ष मिलने का सौभाग्य भी मिला था। हम कृषि, महत्वपूर्ण खनिज, ऊर्जा, व्यापार, पर्यटन, प्रौद्योगिकी और निवेश के क्षेत्रों सहित अपने पारस्परिक रूप से लाभदायक सहयोग को आगे बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करेंगे।

नरेन्द्र मोदी 6-7 जुलाई को रियो डी जनेरियो में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भाग लूंगा। एक संस्थापक सदस्य के रूप में, भारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं के बीच सहयोग के लिए एक महत्वपूर्ण मंच के रूप में ब्रिक्स के लिए प्रतिबद्ध है। साथ मिलकर, हम अधिक शांतिपूर्ण, न्यायसंगत, निष्पक्ष, लोकतांत्रिक और संतुलित बहुध्रुवीय विश्व व्यवस्था के लिए प्रयास करते हैं। शिखर सम्मेलन के अवसर पर नरेन्द्र मोदी कई वैश्विक नेताओं से भी भेंट करूंगा। नरेन्द्र मोदी द्विपक्षीय राजकीय यात्रा के लिए ब्रासीलिया की यात्रा करूंगा, जो लगभग छह दशकों में किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली यात्रा होगी। यह यात्रा ब्राज़ील के साथ हमारी घनिष्ठ साझेदारी को मजबूत करने और मेरे मित्र, राष्ट्रपति महामहिम लुइज़ इनासिओ लूला दा सिल्वा के साथ ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं को आगे बढ़ाने पर काम करने का अवसर प्रदान करेगी।

मेरा अंतिम गंतव्य नामीबिया होगा। नामीबिया एक विश्वसनीय भागीदार देश है, जिसके साथ हम उपनिवेशवाद के खिलाफ संघर्ष का एक साझा इतिहास साझा करते हैं। नरेन्द्र मोदी राष्ट्रपति महामहिम डॉ. नेटुम्बो नंदी-नदैतवाह से मिलने के लिए उत्सुक हूं और हमारे लोगों, हमारे क्षेत्रों और व्यापक ग्लोबल साउथ के लाभ के लिए सहयोग के लिए एक नई रूपरेखा तैयार करने का उत्सुक हूं। नामीबियाई संसद के संयुक्त सत्र को भी संबोधित करना मेरे लिए सौभाग्य की बात होगी क्योंकि हम स्वतंत्रता और विकास के लिए अपनी स्थायी एकजुटता और साझा प्रतिबद्धता का उत्सव मना रहे हैं।

मुझे विश्वास है कि पांच देशों की मेरी यात्राएं ग्लोबल साउथ में हमारी मित्रता को मजबूत करेंगी, अटलांटिक के दोनों किनारों पर हमारी साझेदारी को सुदृढ़ करेंगी और ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ़्रीका देशों के संगठन (ब्रिक्स), अफ्रीकी संघ, पश्चिम अफ्रीकी देशों का आर्थिक समुदाय (इकोवास) और कैरेबियाई समुदाय (कैरिकॉम) जैसे बहुपक्षीय मंचों के साथ जुड़ाव को प्रगाढ़ करेंगी।

"गरीबी मुक्त राजस्थान" की दिशा में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की बड़ी पहल

-राज्य सरकार ने शुरू की 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना'

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के गांवों को गरीबी मुक्त बनाने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम उठाया है। प्रदेश के बीपीएल ग्रामीण परिवारों के आर्थिक सशक्तिकरण और उन्हें गरीबी रेखा से ऊपर लाने के लिए शुरू की गई 'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना' के तहत पहले चरण में 5 हजार गांवों का चयन किया गया है। इन गांवों के चयनित बीपीएल परिवारों को आर्थिक संबल प्रदान करने के लिए 300 करोड़ का प्रावधान किया गया है। यह योजना राजस्थान के ग्रामीण क्षेत्रों के सामाजिक और आर्थिक परिदृश्य को नया आयाम देने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगी।

गरीबी रेखा से ऊपर आए परिवारों को मिलेगी 21 की हजार रुपये प्रोत्साहन राशि-

योजना के तहत ऐसे परिवार जो अपने प्रयासों से गरीबी रेखा से ऊपर आ चुके हैं, उन्हें सम्मान स्वरूप 21 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि दी जा रही है। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबल पखवाड़े में ऐसे परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा रहा है। ऐसे 22400 परिवारों के खातों में डीबीटी के माध्यम से प्रोत्साहन राशि हस्तान्तरित की जाएगी। अब तक 17 हजार 891 परिवारों के बैंक खातों का सत्यापन किया जा चुका है। राज्य सरकार द्वारा इन परिवारों को प्रोत्साहन स्वरूप 'आत्मनिर्भर परिवार कार्ड' भी प्रदान किया जाएगा।

योजना के तहत चयनित गांवों में आत्मनिर्भर परिवारों के अतिरिक्त जिन परिवारों को गरीबी से उबरने में सहायता की आवश्यकता है, उन्हें आय सृजन, कौशल विकास, वित्तीय समावेशन के लिए राज्य सरकार की विभिन्न लाभकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए आवेदन प्राप्त किये जा रहे हैं। अब तक 61 हजार 442 परिवारों के आवेदन प्राप्त किये जा चुके हैं।

पहले चरण में 30,631 बीपीएल परिवार चिन्ह्ति-

योजना के पहले चरण में राज्य के 5002 गांवों में कुल 30,631 बीपीएल परिवारों को चिन्ह्ति किया गया है। चिन्ह्ति समस्त परिवारों का भौतिक सर्वे पूर्ण कर लिया गया है तथा इनका बीपीएल जनगणना 2002 के आंकड़ों का मिलान कर वेब पोर्टल पर सर्वे इन्द्राज कर दिया गया है।

सर्वे के आधार पर प्रत्येक गांव के लिए 'गरीबी मुक्त गांव कार्य-योजना' बनाई जा रही है। इस योजना में सरकार की अन्य योजनाओं का भी समन्वय किया जा रहा है ताकि गांवों का समग्र विकास हो सके। इस योजना का मूल उद्देश्य बीपीएल जनगणना 2002 के अनुसार चिन्ह्ति परिवारों के जीवन स्तर में सुधार लाना और उन्हें आत्मनिर्भर बनाना है। यह योजना राज्य के समस्त ग्रामीण क्षेत्रों में लागू की जाएगी।

बीपीएल परिवारों को एक लाख तक सहायता-

योजना के तहत बीपीएल परिवारों को स्वरोजगार और आजीविका से जुड़ी गतिविधियों के लिए अधिकतम 1 लाख रुपए तक की सहायता दी जाएगी। इसी तरह स्वयं सहायता समूहों से जुड़ी महिलाओं को प्रति परिवार 15 हजार रुपये तक की कार्यशील पूंजी दी जाएगी।

उत्कृष्ट जिलों को मिलेगा विशेष पुरस्कार-

इस योजना के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिलों को प्रोत्साहन के रूप में विशेष वित्तीय पुरस्कार भी दिए जाएंगे। त्रैमासिक रैंकिंग के आधार पर प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले जिलों को क्रमशः 50 लाख, 35 लाख और 25 लाख रुपये की राशि दी जाएगी।

दूसरे चरण में अब तक 22,872 परिवारों का सर्वे-

दूसरे चरण में भी 5002 गांवों को चयनित किया गया है, जहां बीपीएल परिवारों का सर्वेक्षण जारी है। इन गांवों में भी योजना के तहत योग्य परिवारों को चिह्नित कर उन्हें सरकारी योजनाओं से जोड़ने की प्रक्रिया चल रही है। अब तक 22 हजार 872 परिवारों का सर्वे किया जा चुका है।

'पण्डित दीनदयाल उपाध्याय गरीबी मुक्त गांव योजना' राज्य सरकार की एक क्रांतिकारी पहल है जिसका लक्ष्य राज्य के ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले गरीब परिवारों को आत्मनिर्भर बनाना और सामाजिक सुरक्षा प्रदान करना है। यह योजना न केवल आर्थिक सशक्तिकरण का माध्यम बनेगी, बल्कि सामाजिक समावेशन की दिशा में भी एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगी।

आईसीएमआर और एम्स के व्यापक अध्ययनों से साबित हुआ कोविड-19 टीकों और अचानक होने वाली मृत्यु के बीच कोई संबंध नहीं

-जीवनशैली और पहले से मौजूद स्थितियों को इन मौतों के पीछे का प्रमुख कारक माना गया

दिल्ली। देश की कई एजेंसियों के माध्यम से अचानक हुई मौतों के मामले की जांच की गई है। इन अध्ययनों से पता चला है कि कोविड-19 टीकाकरण और देश में अचानक हुई मौतों के बीच कोई सीधा संबंध नहीं है।

भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) और राष्ट्रीय रोग नियंत्रण केंद्र (एनसीडीसी) के किए गए अध्ययनों से पुष्टि हुई है कि भारत में कोविड-19 के टीके सुरक्षित और प्रभावी हैं और इनमें गंभीर दुष्प्रभावों के मामले बहुत कम देखने को मिलते हैं। यह निष्कर्ष भी निकला है कि हृदय संबंधी कारणों के चलते अचानक मौत के कई कारण हो सकते हैं, जिनमें आनुवंशिकी, जीवनशैली, पहले से मौजूद बीमारियां और कोविड के बाद की जटिलताएं शामिल हैं।

आईसीएमआर और एनसीडीसी, खासकर 18 से 45 साल के बीच के लोगों में अचानक होने वाली मौतों के पीछे के कारणों को समझने के लिए मिलकर काम कर रहे हैं। इसका पता लगाने के लिए, अलग-अलग शोध दृष्टिकोणों के जरिए दो अध्ययन किए गए हैं- पहला, पिछले डेटा पर आधारित और दूसरा, वर्तमान की जांच पर आधारित। आईसीएमआर के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ एपिडेमियोलॉजी (एनआईई) द्वारा किए गए पहले अध्ययन का शीर्षक था 'भारत में 18-45 वर्ष की आयु के वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों से जुड़े कारक-एक बहुकेंद्रित अध्ययन।' यह अध्ययन मई से अगस्त 2023 तक 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 47 क्षेत्रीय अस्पतालों में किया गया था। इसमें ऐसे व्यक्तियों पर ध्यान केंद्रित किया गया जो स्वस्थ दिख रहे थे लेकिन अक्टूबर 2021 और मार्च 2023 के बीच अचानक उनकी मृत्यु हो गई। निष्कर्षों से साबित हुआ है कि कोविड-19 टीकाकरण से युवा वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों का जोखिम नहीं बढ़ता है।

दूसरा अध्ययन का शीर्षक है 'युवाओं में अचानक होने वाली मौतों के कारणों का पता लगाना'। इसे वर्तमान में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स), नई दिल्ली द्वारा आईसीएमआर के वित्त पोषण व सहयोग से किया जा रहा है। इस अध्ययन का उद्देश्य वयस्कों में अचानक होने वाली मौतों के सामान्य कारणों का पता लगाना है। अध्ययन के आंकड़ों के शुरुआती विश्लेषण से पता चलता है कि दिल का दौरा या मायोकार्डियल इंफार्क्शन (एमआई) इस आयु वर्ग में अचानक मौत का प्रमुख कारण बना हुआ है। महत्वपूर्ण बात यह है कि पिछले वर्षों की तुलना में इन कारणों के पैटर्न में कोई बड़ा बदलाव नहीं देखा गया है। ऐसे अधिकांश अस्पष्टीकृत मौतों के मामलों में, इनके संभावित कारण के रूप में आनुवंशिक उत्परिवर्तन की पहचान की गई है। अध्ययन पूरा होने के बाद अंतिम परिणाम साझा किए जाएंगे।

ये दो अध्ययन भारत में युवा वयस्कों में अचानक होने वाली अस्पष्टीकृत मौतों के बारे में अधिक व्यापक जानकारी प्रदान करते हैं। यह भी पता चला है कि कोविड-19 टीकाकरण से जोखिम नहीं बढ़ता है जबकि अंतर्निहित स्वास्थ्य समस्याओं, आनुवंशिक प्रवृत्ति और जोखिम भरी जीवनशैली अचानक मौतों में भूमिका निभाती है।

वैज्ञानिक विशेषज्ञों ने दोहराया है कि कोविड टीकाकरण को अचानक होने वाली मौतों से जोड़ने वाले बयान झूठे और भ्रामक हैं और वैज्ञानिक आम सहमति से समर्थित नहीं हैं। निर्णायक सबूतों के बिना अटकलें लगाने वाले दावों से उन टीकों में जनता का भरोसा कम होने का जोखिम है, जिसने महामारी के दौरान लाखों लोगों की जान बचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। ऐसी निराधार रिपोर्ट और दावे देश में वैक्सीन को लेकर लोगों में संकोच बढ़ा सकते हैं जिससे सार्वजनिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है।

भारतीय वैज्ञानिकों ने सुपरचार्ज्ड ग्रीन एनर्जी मटेरियल तैयार किया

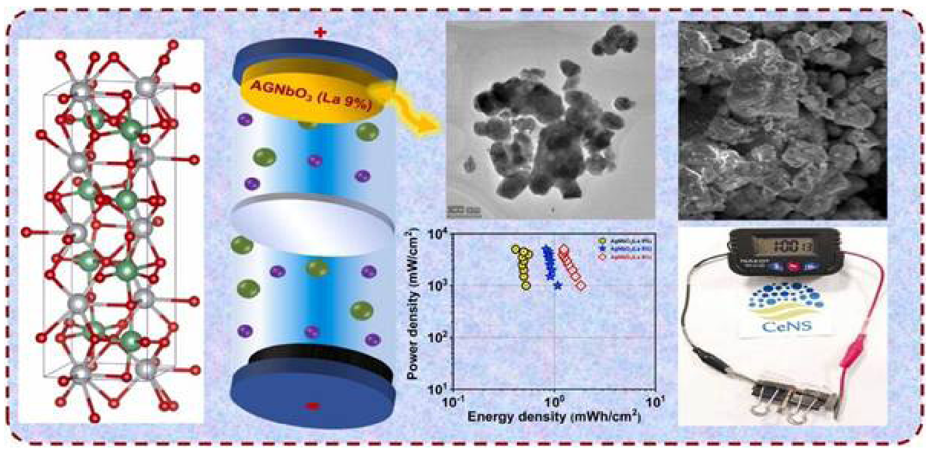

दिल्ली । एक ऐसी सफलता में, जो ऊर्जा के भंडारण और उपयोग के तरीके को पुनर्परिभाषित कर सकती है, बेंगलुरु के वैज्ञानिकों ने अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय के सहयोग से अगली पीढ़ी की ऊर्जा भंडारण सामग्री तैयार की है, जो सुपरकैपेसिटर के प्रदर्शन को नाटकीय रूप से बढ़ा देती है।

आधुनिक ऊर्जा भंडारण के केंद्र में सुपरकैपेसिटर है –

एक ऐसा उपकरण जो बड़ी मात्रा में ऊर्जा को तेज़ी से संग्रहीत और रिलीज़ कर सकता है, जिससे वे मोबाइल डिवाइस और इलेक्ट्रिक वाहनों से लेकर अक्षय ऊर्जा प्रणालियों तक हर चीज़ को चलाने के लिए महत्वपूर्ण बन जाते हैं। बैटरी की तुलना में तेज़ होने के बावजूद, सुपरकैपेसिटर अक्सर इस मामले में पीछे रह जाते हैं कि वे कितनी ऊर्जा रख सकते हैं? वैज्ञानिक ऐसी सामग्रियों की खोज कर रहे हैं जो गति या दीर्घायु का त्याग किए बिना भंडारण को बढ़ा सकें।

भारत सरकार के विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) के तहत एक स्वायत्त संस्थान, नैनो और मृदु पदार्थ विज्ञान केंद्र (सीईएनएस), बेंगलुरु में डॉ. कविता पांडे के नेतृत्व में भारतीय शोधकर्ताओं की एक टीम ने सिल्वर नियोबेट (एजीएनबीओ□) पर ध्यान केंद्रित किया, जो उत्कृष्ट विद्त विशेषताओं वाला एक सीसा रहित और पर्यावरण के अनुकूल पदार्थ है।

उन्होंने लैंथेनम नामक दुर्लभ-पृथ्वी तत्व को सिल्वर नियोबेट नैनोकणों में इंजेक्ट किया, जो अपने लाभकारी इलेक्ट्रॉनिक गुणों के लिए जाना जाता है। इससे सिल्वर नियोबेट नैनोकणों के कण सिकुड़ गए, जिससे ऊर्जा भंडारण के लिए अधिक सतह क्षेत्र उपलब्ध हो गया।

लैंथनम ने सामग्री की बिजली का संचालन करने की क्षमता में सुधार किया, जिससे ऊर्जा चार्ज-डिस्चार्ज चक्रों में तेजी आई। लैंथनम डोपिंग रणनीति के परिणामस्वरूप, ऊर्जा प्रतिधारण में भारी वृद्धि हुई - व्यापक उपयोग के बाद सामग्री ने अपनी प्रारंभिक क्षमता का 118% बरकरार रखा और दक्षता पूर्णता पर पहुंच गई - उपयोग में लगभग कोई ऊर्जा नहीं खोई, जिससे 100% कूलम्बिक दक्षता मिली।

इस सामग्री से निर्मित एक असममित सुपरकैपेसिटर प्रोटोटाइप का सफलतापूर्वक एलसीडी डिस्प्ले को संचालित किया गया, जिससे वास्तविक दुनिया में इसके अनुप्रयोगों का संकेत मिला।

जर्नल ऑफ अलॉयज एंड कंपाउंड्स में प्रकाशित यह शोध, उच्च प्रदर्शन वाले सुपरकैपेसिटर के लिए सिल्वर नियोबेट नैनोकणों के गुणों को अनुकूलित करने की रणनीति के रूप में लैंथेनम डोपिंग की रोमांचक क्षमता पर प्रकाश डालता है। निष्कर्ष इलेक्ट्रोकेमिकल ऊर्जा भंडारण में AgNbO□ नैनोकणों की संभावनाओं को बढ़ाते हैं और सामग्री नवाचार में दुर्लभ-पृथ्वी डोपिंग की महत्वपूर्ण भूमिका को प्रदर्शित करते हैं। स्वच्छ और कुशल ऊर्जा भंडारण समाधानों के लिए वैश्विक प्रयास के कारण, इस तरह की प्रगति महत्वपूर्ण मील के पत्थर हैं।

बिजली उत्पादन और स्थिरता से समझौता किए बिना ऊर्जा घनत्व को बढ़ाकर, ला-डोप्ड सिल्वर नियोबेट पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक्स से लेकर बड़े पैमाने पर अक्षय ऊर्जा प्रणालियों दोनों के लिए उपयुक्त कॉम्पैक्ट, उच्च दक्षता वाले भंडारण उपकरणों के लिए मार्ग प्रशस्त करने में मदद कर सकता है। आगे देखते हुए, भविष्य के शोध अन्य पेरोव्स्काइट्स में डोपिंग रणनीतियों का पता लगाएंगे और वाणिज्यिक व्यवहार्यता सुनिश्चित करने के लिए लैंथेनम-डोप्ड सिल्वर नियोबेट घटकों के उत्पादन को बढ़ाने की दिशा में काम करेंगे।

हिमाचल में कहर बनकर टूटा मानसून,30 जून की रात 16 जगह बादल फटे, पटिकरी पावर प्रोजेक्ट तबाह

हिमाचल। हिमाचल प्रदेश में इस बार मानसून आफत बनकर आया है। 20-21 जून को मानसून की एंट्री के बाद से राज्य में बादल फटने और भारी बारिश की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। अकेले 30 जून की रात को मंडी और किन्नौर जिलों में 16 जगह बादल फटने की घटनाएं हुईं, जिससे लोगों में दहशत का माहौल बन गया।

पटिकरी पावर प्रोजेक्ट तबाह, 12 कर्मचारियों ने जान बचाई

मंडी जिले के सराज क्षेत्र में बादल फटने के बाद भारी बारिश शुरू हुई। इस दौरान पटिकरी पावर प्रोजेक्ट पूरी तरह तबाह हो गया। घटना के वक्त प्रोजेक्ट में 12 कर्मचारी काम कर रहे थे। अचानक पानी और मलबे का सैलाब प्रोजेक्ट में घुस आया। कर्मचारियों ने किसी तरह भागकर अपनी जान बचाई, लेकिन प्रोजेक्ट को भारी नुकसान पहुंचा है। पानी का बहाव इतना तेज था कि मशीनें और जरूरी उपकरण भी बह गए।

51 मौतें, 22 लोग अभी भी लापता

इस मानसून सीजन में हिमाचल में लैंडस्लाइड और बाढ़ से जुड़ी घटनाओं में अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके अलावा 22 से ज्यादा लोग अभी भी लापता हैं, जिनकी तलाश में रेस्क्यू टीमें लगी हुई हैं। जगह-जगह फंसे लोगों को निकालने के लिए एनडीआरएफ और लोकल प्रशासन लगातार काम कर रहा है।

ब्यास नदी उफान पर, आज भी रेड अलर्ट

मंडी जिले से गुजरने वाली ब्यास नदी उफान पर है। इसके किनारे बसे गांवों में पानी घुसने की आशंका से लोग दहशत में हैं। प्रशासन ने निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थानों पर जाने की सलाह दी है।

मौसम विभाग ने हिमाचल प्रदेश में तेज बारिश को लेकर आज रेड अलर्ट जारी किया है। अगले 48 घंटों में राज्य के कई हिस्सों में भारी बारिश और बादल फटने की संभावना जताई गई है।

40 मकान पूरी तरह ढह गए

बारिश और बादल फटने की घटनाओं में 40 के करीब मकान पूरी तरह ढह गए हैं। सड़कों पर मलबा आने से कई मार्ग बंद हैं। मंडी, कुल्लू, किन्नौर और चंबा जिलों में लैंडस्लाइड की घटनाओं के कारण मुख्य सड़कों पर आवाजाही बाधित हो रही है।

रेस्क्यू ऑपरेशन जारी

राज्य सरकार ने प्रभावित इलाकों में रेस्क्यू ऑपरेशन तेज कर दिए हैं। हेलीकॉप्टर और मशीनरी की मदद से मलबा हटाने और फंसे लोगों को निकालने का काम जारी है। मुख्यमंत्री ने आपदा प्रभावित परिवारों को हर संभव मदद देने का आश्वासन दिया है।

पहाड़ों में जाने से बचें

प्रशासन ने पर्यटकों और स्थानीय लोगों से अपील की है कि वे इस समय पहाड़ी इलाकों और नदी किनारे जाने से बचें। बारिश और बादल फटने की घटनाओं से पहाड़ों में लैंडस्लाइड और बाढ़ का खतरा बना हुआ है।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

भारत-अमेरिका संबंधों पर ट्रम्प और बाइडेन की अलग-अलग नीतियां

भारत और अमेरिका के संबंध समय के साथ मजबूत होते गए हैं, लेकिन हर अमेरिकी राष्ट्रपति की अपनी प्राथमिकताएं और दृष्टिकोण होते हैं, जिनसे इन संबंधों की दिशा में फर्क पड़ता है। डोनाल्ड ट्रम्प और जो बाइडेन की नीतियों में भी यह अंतर स्पष्ट दिखाई देता है, और इसी कारण भारत-अमेरिका रिश्तों के कई पहलू बदले हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प का कार्यकाल 'अमेरिका फर्स्ट' नीति के लिए जाना गया। उन्होंने चीन के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया और एशिया में भारत को एक रणनीतिक साझेदार के तौर पर देखा। ट्रम्प के दौर में भारत को अमेरिकी हथियारों और रक्षा तकनीक तक बेहतर पहुंच मिली, क्वाड (Quad) की सक्रियता बढ़ी और व्यापारिक असहमति के बावजूद दोनों देशों के बीच सुरक्षा और रणनीतिक सहयोग मजबूत रहा। ट्रम्प ने पाकिस्तान पर दबाव बनाने की कोशिश की, हालांकि अफगानिस्तान से अमेरिकी वापसी को लेकर भारत की चिंताएं भी बनी रहीं। ट्रम्प प्रशासन ने कश्मीर पर टिप्पणी करने से परहेज किया और भारत के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देने की नीति रखी, जिससे भारत को अपनी नीतियों को लागू करने में सहजता रही। इसके अलावा ट्रम्प ने भारत में निवेश बढ़ाने और व्यापार घाटा कम करने पर जोर दिया, हालांकि उन्होंने भारतीय स्टील और एल्युमिनियम पर टैरिफ लगाए, जिससे व्यापारिक रिश्तों में कुछ तनाव भी आया।

ट्रम्प की विदेश नीति में व्यक्तिगत समीकरण भी अहम भूमिका निभाते थे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ घनिष्ठ संबंध स्थापित किए। 'हाउडी मोदी' और 'नमस्ते ट्रम्प' जैसे कार्यक्रमों में दोनों नेताओं की साझी मंच उपस्थिति ने यह दिखाया कि व्यक्तिगत संबंधों के कारण कुछ कूटनीतिक कठिनाइयों को भी आसानी से पार किया जा सकता है। सुरक्षा और सैन्य सहयोग में ट्रम्प के समय में उल्लेखनीय प्रगति हुई, जैसे यूएस-इंडिया COMCASA और BECA समझौतों पर हस्ताक्षर, जिससे भारत की सैन्य क्षमताओं में इंटेलिजेंस और रियल-टाइम डेटा शेयरिंग बढ़ी।

जो बाइडेन का दृष्टिकोण ट्रम्प से अलग रहा। बाइडेन प्रशासन ने बहुपक्षीयता और लोकतांत्रिक मूल्यों पर जोर दिया। जलवायु परिवर्तन, मानवाधिकार और वैश्विक स्वास्थ्य जैसे विषय उनके एजेंडे में प्रमुख रहे, जिन पर उन्होंने भारत से भी सक्रिय सहयोग की अपेक्षा की। बाइडेन ने कोरोना महामारी के समय भारत को वैक्सीन कच्चे माल और उपकरणों की आपूर्ति कर सहयोग बढ़ाया, वहीं भारत में लोकतांत्रिक और मानवाधिकारों के मुद्दों पर बाइडेन प्रशासन ने सार्वजनिक रूप से टिप्पणी भी की। कश्मीर और नागरिक अधिकारों जैसे मुद्दों पर बाइडेन प्रशासन की पारदर्शिता और मानवाधिकार समूहों की सुनवाई भारत को कई बार असहज भी कर गई।

हालांकि सुरक्षा के क्षेत्र में बाइडेन प्रशासन ने भारत के साथ रिश्तों को और मजबूत किया। चीन के बढ़ते प्रभाव को रोकने के लिए बाइडेन ने क्वाड को और सक्रिय किया, जिसके तहत भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच नियमित बैठकें और समुद्री अभ्यास बढ़े। बाइडेन प्रशासन ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारत को महत्वपूर्ण स्तंभ मानते हुए रणनीतिक सहयोग को प्राथमिकता दी। इसके साथ ही बाइडेन सरकार ने रक्षा उपकरणों और तकनीक के मामले में भारत के साथ निरंतरता बनाए रखी, जिससे ट्रम्प प्रशासन द्वारा स्थापित आधार को और मजबूती मिली।

व्यापारिक मोर्चे पर बाइडेन ने कोई बड़ा नया व्यापार समझौता नहीं किया, लेकिन टेक्नोलॉजी और ग्रीन एनर्जी में भारत के साथ साझेदारी बढ़ाने पर जोर दिया। बाइडेन प्रशासन ने H-1B वीजा में ट्रम्प द्वारा लगाए गए कुछ प्रतिबंधों को हटाया, जिससे भारतीय आईटी पेशेवरों को राहत मिली। इसके अलावा, बाइडेन ने अमेरिकी निवेशकों को भारत में ग्रीन एनर्जी, हेल्थ और टेक सेक्टर में निवेश के लिए प्रोत्साहित किया।

भारत-अमेरिका संबंधों में ट्रम्प और बाइडेन के बीच सबसे बड़ा अंतर यह रहा कि ट्रम्प प्रशासन ने रिश्तों को व्यक्ति-केंद्रित और सौदेबाजी आधारित रखा, जबकि बाइडेन प्रशासन ने संस्थागत और नीति-केंद्रित दृष्टिकोण अपनाया। बाइडेन ने भारत को रणनीतिक साझेदार मानने के साथ ही लोकतांत्रिक मूल्यों को बातचीत का हिस्सा बनाया, जिससे कभी-कभी भारत को घरेलू मामलों पर अमेरिकी टिप्पणियों का सामना करना पड़ा। वहीं ट्रम्प प्रशासन ने भारत की चीन के साथ तनातनी के समय खुलकर भारत का समर्थन किया, जबकि बाइडेन प्रशासन ने सहयोग बढ़ाने के साथ संतुलित भाषा का उपयोग किया।

इस्लाम में पानी पीने की सुन्नत: सेहत का खजाना

इस्लाम ने इन्सान की जिंदगी को हर पहलू से संवारने के लिए रहनुमाई की है। पानी पीने जैसी मामूली लगने वाली बात में भी इस्लाम ने ऐसी सुन्नते सिखाई हैं, जिन पर अमल करके इन्सान न सिर्फ सवाब पाता है, बल्कि अपनी सेहत को भी बेहतर बना सकता है। पानी, अल्लाह की दी हुई सबसे क़ीमती नेमत है, जिसका हक अदा करना हमारी जिम्मेदारी है।

हदीस में आता है कि पैगम्बर मुहम्मद पानी बैठकर, दाहिने हाथ से, बिस्मिल्लाह पढ़कर और तीन सांस में पीते थे। हदीस (सहीह मुस्लिम) में है: "पैगम्बर ने खड़े होकर पानी पीने से मना फरमाया।" इससे हमें यह समझ आता है कि बैठकर पानी पीना पेट और गुर्दों के लिए बेहतर है और शरीर को आराम देता है। तीन सांस में पानी पीने से शरीर पर अचानक प्रेशर नहीं पड़ता और पानी आसानी से हजम होता है।

आज मेडिकल साइंस भी बताती है कि धीरे-धीरे, बैठकर पानी पीना शरीर के लिए फायदेमंद है। खड़े होकर या तेजी से पानी पीने से घुटनों और जोड़ो में दर्द की शिकायत बढ़ सकती है और पेट में गैस की परेशानी हो सकती है। इसी तरह दाहिने हाथ से पीना भी सेहत और तहज़ीब दोनों का हिस्सा है, क्योंकि बाईं हाथ का इस्तेमाल सफाई के लिए किया जाता है।

पानी पीने से पहले "बिस्मिल्लाह" कहना हमें अल्लाह की नेमतों को याद करने और हर काम को इबादत में बदलने की तालीम देता है। पानी पीकर "अल्हम्दुलिल्लाह" कहना, शुकर का इज़हार है। इससे दिल में नेमतों की कद्र पैदा होती है और इंसान में सादगी व कृतज्ञता बढ़ती है।

आज पानी की कमी और बर्बादी एक बड़ा मसला बन चुका है। इस्लाम ने पानी को बर्बाद करने से मना किया है। एक हदीस में आता है कि "पानी को ज़रूरत से ज्यादा इस्तेमाल मत करो, चाहे तुम बहते दरिया पर ही क्यों न हो।" इससे हमें सिखने को मिलता है कि पानी का सही इस्तेमाल और बचत करना भी सुन्नत और जिम्मेदारी है। आज के दौर में जहां लोग सेहतमंद रहने के लिए कई तरीके तलाशते हैं, वहीं इस्लाम की सुन्नत पर अमल करके इंसान सेहत और सवाब, दोनों हासिल कर सकता है। पानी पीने की सुन्नत सिर्फ एक अमल नहीं, बल्कि जिंदगी को तहज़ीब और तंदुरुस्ती देने का तरीका है।

भारत में डिजिटल-क्रांति की शुरुआत: 2015 से 2025 तक का सफर

-डिजिटल क्रांति से ग्रामीण भारत में आए बदलाव, रोजगार, स्टार्टअप और इनोवेशन पर असर

भारत में डिजिटल-क्रांति की असल शुरुआत 2015 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए 'डिजिटल इंडिया अभियान' से मानी जाती है। इसका उद्देश्य था सरकारी सेवाओं को इलेक्ट्रॉनिक रूप में नागरिकों तक पहुंचाना, इंटरनेट कनेक्टिविटी बढ़ाना और डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देना। उस समय देश में इंटरनेट यूजर्स की संख्या लगभग 25 करोड़ थी, जो ज्यादातर शहरी इलाकों में सीमित थी।

सरकार ने जैन-भारत मिशन, स्टार्टअप इंडिया, मेक इन इंडिया, और डिजिटल इंडिया जैसे अभियानों के माध्यम से टेक्नोलॉजी और डिजिटल सेवाओं को आम लोगों तक पहुंचाने के प्रयास शुरू किए। आधार कार्ड की बायोमेट्रिक पहचान प्रणाली, मोबाइल नंबर और बैंक खाते को जोड़कर जैम (JAM) ट्रिनिटी का निर्माण किया गया, जिससे डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (DBT) के जरिए सब्सिडी और सरकारी योजनाओं का पैसा सीधे लाभार्थियों के खाते में जाने लगा।

2016 में नोटबंदी के बाद डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने के लिए भी बड़ा कदम उठाया गया। पेटीएम, भीम ऐप, गूगल पे, फोन पे जैसे डिजिटल पेमेंट प्लेटफॉर्म्स के जरिए गांव-गांव तक डिजिटल लेनदेन की पहुंच बढ़ी। इस बीच रिलायंस जियो की एंट्री ने डेटा क्रांति लाकर इंटरनेट को सस्ता और सुलभ बना दिया। ग्रामीण क्षेत्रों में भी लोग स्मार्टफोन का उपयोग कर ऑनलाइन शिक्षा, बैंकिंग, शॉपिंग और सरकारी सेवाओं का लाभ लेने लगे।

डिजिटल-क्रांति ने ई-गवर्नेंस को भी मजबूती दी। पासपोर्ट, जन्म प्रमाण-पत्र, बिजली बिल, पेंशन, किसान सम्मान निधि जैसी सरकारी सेवाओं को ऑनलाइन कर दिया गया। कोविड-19 के समय डिजिटल इंडिया की उपयोगिता और स्पष्ट दिखाई दी, जब टीकाकरण पंजीकरण, कोरोना सहायता राशि, ऑनलाइन शिक्षा और वर्क फ्रॉम होम जैसे कार्य डिजिटल प्लेटफॉर्म्स पर निर्भर हो गए।

2025 तक आते-आते देश में 85 करोड़ से अधिक इंटरनेट यूजर्स हो गए हैं। गांव-गांव तक 4G और 5G कनेक्टिविटी पहुँच चुकी है। यूपीआई से हर महीने लाखों करोड़ के लेनदेन हो रहे हैं और भारत दुनिया के सबसे बड़े डिजिटल भुगतान नेटवर्क में शामिल हो चुका है।

इस एक दशक में डिजिटल क्रांति ने भारत की अर्थव्यवस्था, शिक्षा, स्वास्थ्य और शासन के तौर-तरीकों में गहरे परिवर्तन ला दिए हैं। हालांकि, डिजिटल-क्रांति के इस सफर में साइबर सुरक्षा, डेटा गोपनीयता और डिजिटल साक्षरता जैसी चुनौतियां भी बनी हुई हैं, जिनका समाधान भविष्य की राह में महत्वपूर्ण रहेगा।

दस साल पहले हमने एक ऐसे क्षेत्र में पूर्ण विश्वास के साथ ऐसी यात्रा शुरू की थी, जहां पहले कोई नहीं गया था। जहां दशकों तक यह संदेह किया गया कि भारतीय तकनीक का उपयोग कर पाएंगे कि नहीं, हमने उस सोच को बदला और भारतीयों की तकनीक का उपयोग करने की क्षमता पर विश्वास किया।

जहां दशकों तक सिर्फ यह सोचा गया कि तकनीक का उपयोग अमीर और गरीब के बीच की खाई को और गहरा करेगा, हमने उस मानसिकता को बदला और तकनीक के माध्यम से उस खाई को खत्म किया। जब नीयत सही होती है, तो नवाचार वंचितों को सशक्त करता है।

जब दृष्टिकोण समावेशी होता है, तो तकनीक हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन में परिवर्तन लाती है। यही विश्वास डिजिटल इंडिया की नींव बना- एक ऐसा मिशन जो सभी के लिए पहुंच को लोकतांत्रिक (आसान) बनाने, समावेशी डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने और अवसरों को उपलब्ध कराने के लिए शुरू हुआ।

2014 में इंटरनेट की पहुंच सीमित थी, डिजिटल साक्षरता कम थी और सरकारी सेवाओं की ऑनलाइन पहुंच बेहद सीमित थी। कई लोगों को संदेह था कि भारत जैसा विशाल और विविध देश वास्तव में डिजिटल बन सकता है या नहीं। आज, इस प्रश्न का उत्तर डेटा और डैशबोर्ड में नहीं, बल्कि 140 करोड़ भारतीयों के जीवन के माध्यम से दिया जा चुका है।

शासन से लेकर शिक्षा, लेन-देन और निर्माण तक, डिजिटल इंडिया हर जगह है। 2014 में भारत में लगभग 25 करोड़ इंटरनेट कनेक्शन थे। आज यह संख्या बढ़कर 97 करोड़ से अधिक हो चुकी है। 42 लाख किलोमीटर से अधिक ऑप्टिकल फाइबर केबल, जो पृथ्वी और चंद्रमा के बीच की दूरी का 11 गुना है, अब दूरस्थ गांवों को भी जोड़ रही है।

भारत का 5जी रोलआउट विश्व में सबसे तेज रोलआउट्स में से एक है और मात्र दो वर्षों में 4.81 लाख बेस स्टेशंस स्थापित किए गए हैं। हाई-स्पीड इंटरनेट अब शहरी केंद्रों से लेकर अग्रिम सैन्य चौकियों जैसे गलवान, सियाचिन और लद्दाख तक पहुंच चुका है।

इंडिया स्टैक- जो हमारा डिजिटल बैकबोन है- ने यूपीआई जैसे प्लेटफॉर्म को सक्षम बनाया है, जो अब सालाना 100 बिलियन से अधिक लेन-देन करता है। विश्व में होने वाले कुल रियल-टाइम डिजिटल ट्रांजैक्शन में से लगभग आधे भारत में होते हैं।

डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर (डीबीटी) के माध्यम से 44 लाख करोड़ रुपए से अधिक की राशि सीधे नागरिकों को हस्तांतरित की गई है, जिससे बिचौलियों की भूमिका समाप्त हुई और 3.48 लाख करोड़ रुपए की लीकेज रोकी गई है। स्वामित्व जैसी योजनाओं ने 2.4 करोड़ से अधिक प्रॉपर्टी कार्ड्स जारी किए हैं और 6.47 लाख गांवों को मैप किया है, जिससे भूमि संबंधी अनिश्चितता का अंत हुआ है।

भारत की डिजिटल अर्थव्यवस्था अब पहले से कहीं अधिक एमएसएमई और छोटे उद्यमियों को सशक्त बना रही है।

ओएनडीसी (ओपन नेटवर्क फॉर डिजिटल कॉमर्स) एक क्रांतिकारी प्लेटफॉर्म है, जो विक्रेताओं और खरीदारों के विशाल बाजार से सीधा संपर्क स्थापित कर नए अवसरों की खिड़की खोलता है।

जीईएम (गवर्नमेंट ई-मार्केटप्लेस) आमजन को सरकार के सभी विभागों को सामान और सेवाएं बेचने की सुविधा देता है। इससे न केवल आम नागरिक को एक विशाल बाजार मिलता है बल्कि सरकार की बचत भी होती है।

कल्पना कीजिए, आप मुद्रा लोन के लिए ऑनलाइन आवेदन करते हैं। आपकी क्रेडिट योग्यता को अकाउंट एग्रीगेटर फ्रेमवर्क के माध्यम से आंका जाता है।

आपको लोन मिलता है, आप अपना व्यवसाय शुरू करते हैं। आप जीईएम पर पंजीकृत होते हैं, स्कूलों और अस्पतालों को सप्लाई करते हैं और फिर ओएनडीसी के माध्यम से इसे और बड़ा बनाते हैं। ओएनडीसी ने हाल ही में 20 करोड़ लेन-देन का आंकड़ा पार किया है- जिसमें पिछले 10 करोड़ सिर्फ 6 महीनों में हुए हैं।

बनारसी बुनकरों से लेकर नगालैंड के बांस शिल्पियों तक, अब विक्रेता बिना बिचौलियों के पूरे देश में ग्राहक तक पहुंच रहे हैं। जीईएम ने 50 दिनों में एक लाख करोड़ रुपए का जीएमवी पार किया है, जिसमें 22 लाख विक्रेता शामिल हैं। इनमें 1.8 लाख से अधिक महिला संचालित एमएसएमई हैं, जिन्होंने 46,000 करोड़ रुपए की आपूर्ति की है।

भारत का डिजिटल पब्लिक इन्फ्रास्ट्रक्चर (डीपीआई)- जैसे आधार, कोविन, डिजिलॉकर, फास्टैग, पीएम-डब्ल्यूएएनआई और वन नेशन वन सब्स्क्रिप्शन को अब वैश्विक स्तर पर पढ़ा और अपनाया जा रहा है। कोविन ने दुनिया के सबसे बड़े टीकाकरण अभियान को सक्षम किया, जिससे 220 करोड़ क्यूआर-सत्यापित सर्टिफिकेट जारी हुए।

डिजिलॉकर- जिसके 54 करोड़ उपयोगकर्ता हैं- 775 करोड़ से अधिक दस्तावेजों को सुरक्षित और निर्बाध तरीके से होस्ट कर रहा है। भारत ने अपनी जी20 अध्यक्षता के दौरान ग्लोबल डीपीआई रिपॉजिटरी और 25 मिलियन डॉलर का सोशल इम्पैक्ट फंड लॉन्च किया, जिससे अफ्रीका और दक्षिण एशिया के देश समावेशी डिजिटल इकोसिस्टम अपना सकें।

भारत अब विश्व के शीर्ष 3 स्टार्टअप इकोसिस्टम में शामिल है, जिसमें 1.8 लाख से अधिक स्टार्टअप हैं। लेकिन यह सिर्फ एक स्टार्टअप आंदोलन नहीं है, यह एक टेक्नोलॉजी पुनर्जागरण है। भारत में युवाओं के बीच एआई स्किल्स और टैलेंट के मामले में बड़ी प्रगति हो रही है।

1.2 बिलियन डॉलर इंडिया एआई मिशन के तहत भारत ने 34,000 जीपीयू की पहुंच ऐसे मूल्य पर सुनिश्चित की है, जो वैश्विक स्तर पर सबसे कम है- 1 डॉलर से भी कम प्रति जीपीयू ऑवर। इससे भारत न केवल सबसे सस्ती इंटरनेट इकोनॉमी, बल्कि सबसे किफायती कंप्यूटिंग हब बन गया है। अगला दशक और अधिक परिवर्तनकारी होगा।

हम डिजिटल गवर्नेंस से आगे बढ़कर वैश्विक डिजिटल नेतृत्व की ओर बढ़ रहे हैं- इंडिया फर्स्ट से इंडिया फॉर द वर्ल्ड तक।

दुनिया डिजिटल क्रांति के लिए हमारी ओर देख रही है... डिजिटल इंडिया अब केवल एक सरकारी कार्यक्रम नहीं रहा, यह जनांदोलन बन चुका है। यह आत्मनिर्भर भारत के निर्माण का केंद्र है। और भारत को दुनिया का नवाचार साझेदार बना रहा है। दुनिया अगली डिजिटल क्रांति के लिए भारत की ओर देख रही है।

ई-वोटिंग: चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम

ई-वोटिंग अपनाने से बढ़ेगा चुनावों में मतदान प्रतिशत डिजिटल इंडिया में ई-वोटिंग: लोकतंत्र को नई मजबूती

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहां हर पांच साल में करोड़ों लोग अपने मताधिकार का प्रयोग कर नई सरकार का चयन करते हैं। मगर इसके बावजूद हमारे देश में मतदान प्रतिशत अभी भी अपेक्षित स्तर तक नहीं पहुंच पाया है। कई बार लोकसभा और विधानसभा चुनावों में 60-70 प्रतिशत के बीच मतदान दर्ज होता है, जबकि यह प्रतिशत और बढ़ सकता है। ग्रामीण इलाकों में मतदान की जागरूकता और पहुंच बेहतर हुई है, लेकिन शहरी क्षेत्रों में मतदान दिवस पर भीड़भाड़ और लंबी कतारों से बचने की प्रवृत्ति के कारण मतदान प्रतिशत में कमी देखी जाती है। ऐसे में ई-वोटिंग यानी इलेक्ट्रॉनिक माध्यम से घर बैठे या निकटतम डिजिटल केंद्र से मतदान करने की सुविधा को अपनाना, चुनावों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने की दिशा में एक कारगर कदम साबित हो सकता है।

डिजिटल इंडिया में ई-वोटिंग: लोकतंत्र को नई मजबूती

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, लेकिन इसके बावजूद मतदान प्रतिशत 60-70 प्रतिशत के बीच ही रह जाता है। खासकर शहरी क्षेत्रों में कम मतदान प्रतिशत लोकतंत्र की मजबूती में बाधा बनता है। डिजिटल इंडिया की ओर बढ़ते हमारे देश में अब समय आ गया है कि हम ई-वोटिंग को अपनाकर लोकतंत्र को नई मजबूती दें।

ई-वोटिंग का अर्थ है मतदाता घर बैठे या नजदीकी डिजिटल केंद्र पर मोबाइल, लैपटॉप या अन्य डिजिटल माध्यम से अपने मत का प्रयोग कर सके। जब बैंकिंग, शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाएं डिजिटल हो चुकी हैं, तब लोकतंत्र की सबसे महत्वपूर्ण प्रक्रिया मतदान को डिजिटल करना वक्त की जरूरत है। इससे वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग मतदाता और युवा वर्ग भी आसानी से मतदान कर सकेंगे।

प्रवासी भारतीय, जो रोजगार या पढ़ाई के कारण अपने गृह राज्य से दूर रहते हैं, वे भी मतदान में भाग ले पाएंगे।

ई-वोटिंग से मतदान प्रक्रिया में पारदर्शिता और सुविधा आएगी। बायोमेट्रिक सत्यापन, ओटीपी और एन्क्रिप्शन तकनीक का उपयोग कर इसे सुरक्षित बनाया जा सकता है। जैसे बैंकिंग में ऑनलाइन लेनदेन सुरक्षित तरीके से किए जा रहे हैं, उसी तरह मतदान को भी सुरक्षित और पारदर्शी बनाया जा सकता है। इससे मतदाता का लोकतंत्र में विश्वास भी बढ़ेगा।

ई-वोटिंग से समय और संसाधनों की भी बचत होगी। मतदान केंद्रों पर भीड़ कम होगी, कर्मचारियों और सुरक्षा बलों पर दबाव घटेगा, और चुनाव आयोग का खर्च भी कम होगा। इससे पर्यावरण की दृष्टि से भी फायदा होगा क्योंकि कागज और अन्य संसाधनों का उपयोग घटेगा।

हालांकि ई-वोटिंग को लागू करने में साइबर सुरक्षा, इंटरनेट कनेक्टिविटी और डिजिटल साक्षरता जैसी चुनौतियां हैं। लेकिन चरणबद्ध तरीके से इसे लागू कर इन चुनौतियों का समाधान किया जा सकता है। पहले शहरी क्षेत्रों में पायलट प्रोजेक्ट के रूप में ई-वोटिंग शुरू कर, फिर धीरे-धीरे ग्रामीण इलाकों में इसे बढ़ाया जा सकता है।

डिजिटल इंडिया के इस दौर में ई-वोटिंग भारत के लोकतंत्र को मजबूती देने वाला कदम साबित हो सकता है। इससे मतदान प्रतिशत बढ़ेगा, लोकतंत्र में जनभागीदारी मजबूत होगी और लोग अपने मताधिकार का प्रयोग आसानी से कर सकेंगे। अब समय आ गया है कि हम तकनीक को अपनाकर अपने लोकतंत्र को और सशक्त बनाएं और "डिजिटल इंडिया" को "डिजिटल लोकतंत्र" की दिशा में ले जाएं।

बदलते समय की मांग

तकनीकी प्रगति के इस दौर में जब बैंकिंग, शिक्षा, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजमर्रा के कामकाज डिजिटल हो चुके हैं, तब लोकतंत्र की सबसे बड़ी प्रक्रिया यानी मतदान को भी तकनीक से जोड़ना वक्त की मांग है। ई-वोटिंग से मतदाता को मतदान केंद्र जाने, लंबी कतार में खड़े रहने, भीड़ और गर्मी में समय गंवाने की आवश्यकता नहीं रहेगी। इसके स्थान पर वह घर बैठे मोबाइल, लैपटॉप या नजदीकी ई-वोटिंग बूथ पर सुरक्षित रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेगा। इससे खासकर युवा वर्ग, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग मतदाता और प्रवासी भारतीयों के बीच मतदान की भागीदारी बढ़ सकती है।

प्रवासी और शहरी मतदाताओं के लिए लाभकारी

भारत में करोड़ों लोग रोजगार, पढ़ाई या अन्य कारणों से अपने गृह राज्य से दूर रहते हैं। वर्तमान व्यवस्था में यदि कोई मतदाता दूसरे राज्य में है, तो उसके लिए मतदान करने अपने गृह नगर जाना संभव नहीं हो पाता, और इस कारण हर चुनाव में लाखों-करोड़ों मतदाता अपने मताधिकार से वंचित रह जाते हैं। ई-वोटिंग को लागू करने से ये प्रवासी मतदाता भी आसानी से मतदान कर पाएंगे। शहरी इलाकों में भी कई लोग छुट्टी नहीं मिलने, यात्रा में समय लगने या अन्य कारणों से मतदान केंद्र नहीं जा पाते। यदि ई-वोटिंग की सुविधा मिले, तो मोबाइल या लैपटॉप पर कुछ ही मिनटों में मतदान कर सकते हैं। यह सुविधा शहरी क्षेत्रों में मतदान प्रतिशत बढ़ाने में अहम भूमिका निभा सकती है।

पारदर्शिता और सुरक्षा

ई-वोटिंग पर सबसे बड़ा सवाल सुरक्षा और पारदर्शिता का उठता है। लोगों को डर होता है कि उनके वोट की गोपनीयता बनी रहेगी या नहीं, या कहीं हैकिंग और धोखाधड़ी तो नहीं होगी। मगर आज की आधुनिक तकनीक, एन्क्रिप्शन, बायोमेट्रिक सत्यापन और ओटीपी जैसे उपायों के साथ यदि ई-वोटिंग को लागू किया जाए, तो इसकी सुरक्षा को सुनिश्चित किया जा सकता है। जिस प्रकार बैंकिंग ट्रांजैक्शन, आधार प्रमाणीकरण और डिजिटल भुगतान प्रणाली सुरक्षित मानी जाती है, उसी तरह ई-वोटिंग भी सुरक्षित बनाई जा सकती है। इसके लिए एक मजबूत और पारदर्शी सिस्टम तैयार करना चुनाव आयोग और तकनीकी विशेषज्ञों की जिम्मेदारी होगी, ताकि मतदाता के मन में विश्वास कायम हो सके।

समय और संसाधनों की बचत

मतदान के दौरान चुनाव आयोग को हजारों कर्मचारियों की नियुक्ति करनी पड़ती है, मतदान केंद्रों पर व्यवस्था करनी पड़ती है, मशीनें लगानी पड़ती हैं, और सुरक्षा व्यवस्था पर भी भारी खर्च करना पड़ता है। ई-वोटिंग के लागू होने से इन संसाधनों की बचत होगी। खासकर उन क्षेत्रों में जहां अधिक मतदान केंद्र बनाने पड़ते हैं, वहां भीड़ का दबाव कम होगा, और सुरक्षा बलों पर भी कम बोझ पड़ेगा। यह संसाधनों के बेहतर उपयोग और पर्यावरण संरक्षण के लिहाज से भी लाभकारी साबित होगा।

विकसित देशों का अनुभव

स्विट्जरलैंड, फ्रांस, एस्टोनिया, कनाडा और अमेरिका के कुछ राज्यों में ई-वोटिंग का प्रयोग सफलता से हो चुका है। एस्टोनिया में तो वर्ष 2005 से ई-वोटिंग को अपनाया गया है और वहां के नागरिक घर बैठे सुरक्षित तरीके से मतदान करते हैं। इससे वहां का मतदान प्रतिशत भी बढ़ा है और चुनाव प्रक्रिया पारदर्शी बनी है। भारत जैसे बड़े और विविधता भरे देश में शुरुआत में इसे चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा सकता है। पहले शहरी क्षेत्रों में, फिर ग्रामीण इलाकों में और अंत में पूरे देश में इसे लागू किया जा सकता है। प्रवासी भारतीयों के लिए भी ई-वोटिंग की सुविधा देने से उनकी भागीदारी बढ़ाई जा सकती है।

चुनौतियां भी कम नहीं

ई-वोटिंग को लागू करने में कई चुनौतियां भी हैं। सबसे पहले डिजिटल साक्षरता की कमी, साइबर सुरक्षा, इंटरनेट कनेक्टिविटी, सिस्टम हैकिंग का खतरा, और ग्रामीण इलाकों में तकनीकी पहुंच सीमित होने जैसे मुद्दों का समाधान करना होगा। इसके लिए देश में डिजिटल साक्षरता बढ़ाने के कार्यक्रम, ग्रामीण इलाकों में इंटरनेट की बेहतर सुविधा, और एक मजबूत साइबर सिक्योरिटी इंफ्रास्ट्रक्चर खड़ा करना आवश्यक होगा। इसके अलावा लोगों में इसके प्रति भरोसा बनाने के लिए व्यापक जनजागरूकता अभियान चलाने होंगे ताकि लोग ई-वोटिंग को सहजता से अपना सकें।

भारत में ई-वोटिंग की दिशा में प्रयास

भारत में अभी तक ईवीएम और वीवीपैट मशीनों के जरिए मतदान की प्रक्रिया डिजिटल तरीके से संचालित हो रही है, जो पारदर्शिता की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम रही है। इसके बाद अब भारत में ई-वोटिंग की दिशा में भी प्रयास शुरू हो चुके हैं। तेलंगाना में नगर निकाय चुनावों में पायलट प्रोजेक्ट के तौर पर ई-वोटिंग की शुरुआत हुई, जिसमें बायोमेट्रिक और ओटीपी आधारित सत्यापन से मतदाताओं ने मतदान किया। हालांकि बड़े स्तर पर इसे लागू करने से पहले कई कानूनी और तकनीकी मसलों का समाधान आवश्यक है।

भविष्य की जरूरत

ई-वोटिंग केवल तकनीकी बदलाव नहीं, बल्कि यह लोकतंत्र को मजबूती देने का एक सशक्त माध्यम बन सकता है। जब लोग आसानी से अपने मताधिकार का प्रयोग कर पाएंगे, तो चुनावों में जनभागीदारी बढ़ेगी, लोकतांत्रिक प्रक्रिया और अधिक मजबूत होगी और लोगों का भरोसा लोकतंत्र में बना रहेगा। युवा मतदाता, जो तकनीक का सबसे अधिक प्रयोग करते हैं, उनके लिए भी ई-वोटिंग मतदान को आकर्षक और सुविधाजनक बना सकती है।

आने वाले समय में यदि भारत को अपने लोकतंत्र को और अधिक सशक्त बनाना है, तो ई-वोटिंग की ओर बढ़ना ही होगा। इसके लिए सभी राजनीतिक दलों, चुनाव आयोग, तकनीकी विशेषज्ञों और नागरिक समाज को मिलकर काम करना होगा, ताकि एक सुरक्षित, पारदर्शी और सरल ई-वोटिंग प्रणाली विकसित हो सके।

इस प्रकार, ई-वोटिंग का प्रयोग भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने, लोकतंत्र को सशक्त बनाने और मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित करने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। यदि इसे सुरक्षित और पारदर्शी ढंग से लागू किया जाए, तो वह दिन दूर नहीं जब भारत में 80-90 प्रतिशत तक मतदान प्रतिशत देखने को मिलेगा और यह दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र के लिए एक नई मिसाल बन जाएगा।

चिकित्सा मंत्री ने की समीक्षा, मौसमी बीमारियों से बचाव के लिए पुख्ता प्रबंधन करने के दिए निर्देश

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर ने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश में मानसून का दौर प्रारंभ हो चुका है। इसे देखते हुए सभी जिलों में मौसमी बीमारियों पर रोकथाम, जांच एवं उपचार के लिए पुख्ता व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। जिन जिलों में बारिश अधिक हो रही है, वहां विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि मौसमी बीमारियों के केस नियंत्रण में रहें।

चिकित्सा मंत्री बुधवार को स्वास्थ्य भवन में वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से आयोजित उच्च स्तरीय बैठक में मौसमी बीमारियों से बचाव की तैयारियों सहित अन्य विषयों पर समीक्षा कर रहे थे। उन्होंने संभाग एवं जिला स्तरीय अधिकारियों से चर्चा कर मौसमी बीमारियों की स्थिति की जानकारी ली और आवश्यक दिशा—निर्देश दिए।

खींवसर ने कहा कि विगत वर्ष मौसमी बीमारियों पर प्रभावी रोकथाम की गई थी, जिसके चलते केसों की संख्या कम रही और मौतें भी नगण्य रहीं। इस वर्ष भी माकूल प्रबंधन करते हुए मौसमी बीमारियों के प्रसार पर नियंत्रण किया जाए।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जहां भी मानव संसाधन की और आवश्यकता है, तत्काल अवगत कराएं। अस्पतालों में दवाओं की समुचित उपलब्धता और जांच उपकरणों की क्रियाशीलता सुनिश्चित की जाए। उन्होंने मौसमी बीमारियों के बारे में नियमित रूप से रिपोर्ट भिजवाने के निर्देश दिए। साथ ही, राज्य एवं जिला स्तर पर प्रभावी मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए।

नए चिकित्सा संस्थानों के लिए जमीन आवंटन की कार्यवाही को प्राथमिकता दें

खींवसर ने कहा कि प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के तहत प्रदेशभर में स्वीकृत नए चिकित्सा संस्थानों के लिए भूमि आवंटन की कार्यवाही को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाए। उन्होंने कहा कि मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी संबंधित जिला कलक्टर के माध्यम से जमीन आवंटन की कार्यवाही को पूरा कराने में गंभीरता बरतें, ताकि नए संस्थानों के भवनों का जल्द निर्माण हो और प्रदेश में स्वास्थ्य का आधारभूत ढांचा मजबूत हो।

ज्यादा से ज्यादा ग्राम पंचायतों को कराएं टीबी मुक्त

चिकित्सा मंत्री ने टीबी मुक्त ग्राम पंचायत अभियान की समीक्षा करते हुए प्रदेश की अधिकाधिक ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त घोषित करवाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में टीबी रोगियों की स्क्रीनिंग, जांच एवं उपचार गतिविधियां व्यापक स्तर पर संचालित हो। आमजन को जागरूक कर प्रदेश को टीबी मुक्त बनाएं।

अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहें, स्वास्थ्य कार्यक्रमों का हो प्रभावी क्रियान्वयन

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने कहा कि सभी अधिकारी फील्ड में एक्टिव रहकर स्वास्थ्य कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करें। सीएमएचओ यह ध्यान रखें कि चिकित्सा संस्थानों में जांच एवं उपचार की व्यवस्थाओं में किसी तरह की कमी नहीं रहे। दवाओं की पर्याप्त उपलब्धता हो और स्टाफ अनुपस्थित नहीं रहे।

आरजीएचएस में गड़बड़ी पर होगी सख्त कार्रवाई

श्रीमती राठौड़ ने कहा कि अब आरजीएचएस योजना का संचालन चिकित्सा विभाग के माध्यम से किया जा रहा है। सभी चिकित्सक रोगियों के उपचार में नियमों का पालन करें और दवाएं एवं जांचें लिखने में पूरी पारदर्शिता बरतें। किसी भी स्तर पर गड़बड़ी पाई गई तो सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि योजना की राज्य स्तर से गहन मॉनिटरिंग की जा रही है। किसी भी तरह की अनियमितता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जांच सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर बल

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. अमित यादव ने जिला अस्पताल, उप जिला अस्पताल, ट्रोमा सेंटर एवं एमसीएच सेंटर के नए भवनों के निर्माण के लिए भूमि आवंटन कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि भूमि आवंटन का कार्य टाइम बाउंड अवधि में पूर्ण कर लिया जाए। जिन चिकित्सा संस्थानो के भवनों का निर्माण कार्य 70 प्रतिशत से अधिक हो चुका है, वहां चिकित्सा उपकरणों, फर्नीचर सहित विभिन्न आवश्यकताओं का गैप असेसमेंट कर अनुमानित बजट के लिए मांग समय पर निदेशालय भिजवाएं। उन्होंने आईपीएचएल लैब, एसडीएच व मॉडल सीएचसी एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर जांच सेवाओं के सुदृढ़ीकरण पर बल दिया।

अधिकारी फिल्ड में रहे, बारिश से सड़क खराब हो तो तत्काल सही करवाये- दिया कुमारी

जयपुर, (रॉयल पत्रिका) । उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने निर्देश दिये है बरसात के मौसम में सड़के ख़राब होती है तो उन्हें तत्काल ठीक करवाया जाये ताकि आमजन को परेशानी नहीं हो। उन्होंने कहा है कि अधिकारी यह सुनिश्चित करे की बारिश की वजह से रोड ख़राब होने से यातायात बाधित न हो ,अधिकारी फ़िल्ड में रहकर इसकी मॉनिटरिंग करें। उप मुख्यमंत्री बुधवार को शासन सचिवालय में जोधपुर जोन प्रथम एवं बांसवाड़ा जोन की सड़क एवं अन्य परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा के लिये आयोजित बैठक को संबोधित कर रही थी। गौरतलब है कि उपमुख्यमंत्री के निर्देशों की पालना में पीडब्ल्यूडी के कार्यो की प्रगति के लिये हर सप्ताह जोनवार समीक्षा बैठक आयोजित जा रही है।

उपमुख्यमंत्री ने जोधपुर, पाली, सिरोही, फलोदी, जालौर, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों की सड़क परियोजनाओं की प्रगति की माइक्रो लेवल पर समीक्षा की।

अटल पथ के साथ नाली निर्माण करे-

उप मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए हैं कि प्रदेश में ग्रामीण क्षेत्रों में राह सुगम करने हेतु बनाये जा रहें अटल पथो के साथ नाली जरूर बनाई जाये। उन्होंने बरसाती मौसम को ध्यान रखते हुए सड़को की रिपेयर और सड़क किनारे जंगल सफाई के निर्देश दिए।

उप मुख्यमंत्री ने बजट घोषणा 2024-25 के कामों को शीघ्र पूरा करवाने एवं बजट घोषणा 2025-26 के घोषित कामों की निविदा प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण कर काम शुरू करवाने के निर्देश दिए।

उन्होंने वन, भूमि विवाद या अन्य कारणों से लंबित परियोजनाओं की बिन्दवार समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि विभाग के अधिकारी संबंधित विभागों से समन्वय स्थापित कर इन लंबित कामों को शीघ्र पूरा करवाये।

पांच सप्ताह में प्रगति रिपोर्ट देनी होगी-

उपमुख्यमंत्री ने निर्देश दिये है कि अधिकारी आगामी बैठक में यह बतायेगे कि इस अवधि में उन्होंने कितनी फील्ड विजिट की और निरीक्षण के दौरान जो खामियां मिली उनमें कितना सुधार करवाया। उन्होंने आगामी पांच सप्ताह बाद उक्त जोन की आयोजित होने वाली बैठक तक वे सभी काम पूरे करवाने के निर्देश दिये है, जिनके संबंध में निर्देश जारी किये गये है।

इस दौरान उपमुख्यंमत्री ने जोधपुर जोन प्रथम एवं बांसवाड़ा में चल रही एनएचएआई, एनएच, आरएसआरडीसी, राजस्थान स्टेट हाईवे आथोरिटी, पेचेबल व नॉन पेचेबल तथा मिसिंगलिंक सहित विभिन्न श्रेणी की सड़कों की समीक्षा की।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव पीडब्ल्यूडी प्रवीण गुप्ता, मुख्य अभियंता टी.सी गुप्ता सहित मुख्यालय एवं संबंधित जिलों के अधिकारी वीसी के माध्यम से उपस्थित रहे।

जेडीसी ने निकाली तीन आवासीय योजनाओं की लॉटरी

-आमजन को मिला अपनें सपनों का भूखण्ड

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान सरकार द्वारा आमजन को सशक्त आवासीय अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से जयपुर विकास प्राधिकरण की तीन प्रमुख आवासीय योजना - गंगा विहार, यमुना विहार एवं सरस्वती विहार आवासीय योजनाओं की लॉटरी बुधवार को जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी द्वारा निकाली गई।

जेडीसी ने कहा माननीय मंत्री महोदय ने विधानसभा में आश्वासन दिया था कि जेडीए इसी वर्ष में 7 आवासीय योजनाएं विकसित करेगा और लॉटरी से आवंटन करेगा। बुधवार को निकाली गई तीन आवासीय योजनाओं एंव पूर्व की तीन आवासीय योजनाओं सहित कुल 6 योजनाऐं लांच की जा चुकी है और शेष एक योजना भी शीघ्र लांच की जायेगी। जेडीए रीजन का विस्तार होना है, जिसके पश्चात् माननीय मुख्यमंत्री महोदय एवं माननीय नगरीय विकास मंत्री महोदय की अनुमति से नई योजनाएं विस्तार किये गये रीजन में लाई जायेंगी।

जेडीए का प्रयास रहा है कि काफी वर्षो बाद पुनः योजनाएं लांच कर लॉटरी से भूखण्डों का आवंटन किया जा रहा है। राजस्थान सरकार की मंशा है कि उचित दरों पर आमजन को अपना आशियाना बनाने हेतु भूखण्ड मिल सके। इस मंशा को पूरा करने हेतु जेडीए लगातार प्रयासरत है।

जयपुर विकास आयुक्त आनंदी ने बताया कि जेडीए द्वारा कुल 765 भूखण्डों के आनलाईन आवेदन 16 जून, 2025 तक आमंत्रित किए गये थे। तीन आवासीय योजनाओं - गंगा विहार, यमुना विहार एवं सरस्वती विहार में पृथक-पृथक श्रेणियों के 765 भूखण्डों का आवंटन लॉटरी के माध्यम से किया गया है। यह योजनाएं गरीब एवं मध्यम वर्ग के आवास का सपना साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं। उन्होंने बताया कि माननीय नगरीय विकास, स्वायत्त शासन एवं आवासन मंत्री झाबर सिंह खर्रा द्वारा 12 मई, 2025 को जेडीए परिसर में शुभारम्भ किया गया था। जयपुर विकास आयुक्त आनन्दी ने बताया कि माननीय मुख्यमंत्री महोदय के कुशल नेतृत्व में गरीब एवं मध्यम वर्ग के आवास का सपना साकार करने के लिए जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा जयपुर में प्रमुख लोकेषनों पर तीन आवासीय योजनाओं - गंगा विहार, यमुना विहार एवं सरस्वती विहार सृजित की गई थी। जेडीसी ने बताया कि सफल आवंटियो द्वारा प्रस्तुत दस्तावेजो की जांच जोन स्तर पर करवाई जाकर नागरिक सेवा केन्द्र में सरस्वती विहार योजना (जोन-12) का कैम्प दिनांक 15 व 16 जुलाई, 2025, गंगा विहार योजना (जोन-13) का कैम्प दिनांक 17 व 18 जुलाई, 2025 एवं यमुना विहार योजना (जोन-14) का कैम्प दिनांक 21 व 22 जुलाई, 2025 को आयोजित कर आवंटन सह मांग पत्र जारी किये जायेंगे। गंगा विहार आवासीय योजना जोन-13 के ग्राम बस्सी के खसरा नं. 1629, 1930 व 1931 पर जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग से 2.50 किलोमीटर की दूरी पर कृषि अनाज मण्डी बस्सी के पीछे, बस्सी रेलवे स्टेशन के समीपस्थ स्थित है एवं योजना में 30.00 मीटर चौडी सडक से पहुँच मार्ग उपलब्ध होता है। योजना में कुल 233 भूखण्ड है। उक्त योजना में 45 वर्गमीटर से 120 वर्गमीटर तक के भूखण्ड उपलब्ध है। 45 व.मी. तक के भूखण्डों की संख्या 131, 45 व.मी. से अधिक 75 व.मी. तक के भूखण्डों की संख्या 36 एवं 75 व.मी. से अधिक 120 वर्ग मीटर तक के भूखण्डो की संख्या 66 है। योजना की आरक्षित दर रुपये 14,000/- प्रति व.मी. है। योजना में 24 हजार आवेदन प्राप्त हुए। इस अवसर पर जयपुर विकास प्राधिकरण के वरिष्ठ अधिकारीगण, जनप्रतिनिधिगण, भारी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के जन्मदिवस पर किए सामाजिक सरोकार के कार्य

-भाजपा मीडिया विभाग ने पौधारोपण, फल वितरण कर प्रदेश कार्यालय में 51 किलो का लड्डू किया वितरित

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। भाजपा प्रदेश मीडिया विभाग की ओर से प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ के जन्मदिवस के अवसर पर सामाजिक सरोकार से जुड़े अनेक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने बताया कि कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 8 बजे मानसरोवर शिप्रा पथ स्थित पारसश्रेश्वर महादेव मंदिर में जलाभिषेक से किया गया। इसके बाद रुद्राभिषेक कर मदन राठौड़ के उत्तम स्वास्थ्य की कामना की गई। पूजा अर्चना के बाद भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, प्रदेश मीडिया पदाधिकारी आकाश शर्मा, कपिल गुरदासवानी, शिव चौधरी, प्रीत मिश्रा, आदित्य शर्मा सहित मानसरोवर के मंडल अध्यक्ष और पार्षदगण के साथ वरिष्ठ कार्यकर्ताओं ने पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के लिए मंदिर परिसर व आसपास के क्षेत्र में सघन पौधारोपण किया।

भाजपा प्रदेश मीडिया संयोजक प्रमोद वशिष्ठ ने बताया कि जनसेवा की भावना के तहत मानसरोवर क्षेत्र की कच्ची बस्तियों तथा जयपुरिया अस्पताल में लोगों को फल वितरित किए गए। वहीं भाजपा प्रदेश कार्यालय में 51 किलो का लड् का भोग भगवान को अर्पित कर प्रसाद वितरित किया गया। वशिष्ठ ने बताया कि मदन राठौड़ का जन्मदिन संगठन के लिए प्रेरणा का अवसर होता है। इस दिन को सेवा और सामाजिक उत्तरदायित्व के रूप में मनाना भाजपा की विचारधारा को दर्शाता है। सभी कार्यक्रमों का उद्देश्य समाज में सकारात्मक संदेश फैलाना और कार्यकर्ताओं को जनसेवा के प्रति प्रेरित करना है। भाजपा कार्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश मंत्री पिंकेश पोरवाल, अजीत माँडन, मिथिलेश गौतम, स्टेफी चौहान, प्रदेश कार्यालय प्रभारी मुकेश पारीक, सहित पार्टी पदाधिकारीगण व कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भारी बारिश से हुए हादसे में मृतक के परिजनों व घायलों को राज्य सरकार दे मुआवजा

-पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने घटना स्थल का किया दौरा और अस्पताल में मिले पीड़ित घायल से

अजमेर, (रॉयल पत्रिका)। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने जिला कलेक्टर कार्यालय के पास एसबीआई बैंक की मुख्य ब्रांच की दीवार गिरने के हुए हादसे पर गहरा दुख प्रकट किया और बारिश से पूर्व जिला प्रशासन और नगर निगम की तैयारियों पर नाराजगी जाहिर कर सवाल उठाए। अजमेर प्रवास पर आए पूर्व पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ को एसबीआई बैंक की दीवार गिरने के हादसे की जैसे ही जानकारी मिली। वें तुरंत मौके पर पहुंचे और घटना स्थल का दौरा किया। इसके बाद राठौड़ जेएलएन अस्पताल पहुंचे और दीवार गिरने से अस्पताल में भर्ती मरीज से मिले और डॉक्टर्स से बातचीत कर घायल का बेहतर इलाज किए जाने की बात कही। इस दौरान मीडिया से बातचीत के दौरान पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने कहा कि पहली बारिश में अजमेर में इतना बड़ा हादसा हो गया और हादसे में एक जने की मौत हो गई। इससे साफ जाहिर है कि जिला प्रशासन ने भारी बारिश की चेतावनी के बावजूद कोई तैयारियां नहीं की, वरना ऐसा बड़ा हादसा घटित नहीं होता। राठौड़ ने जिला प्रशासन और राज्य सरकार से आग्रह किया कि हादसे में मृतक और गंभीर घायल को उचित मुआवजा दिया जाए, ताकि पीड़ितों को राहत मिल सके। इस दौरान पार्षद नोरत गुर्जर, पार्षद हमीद चीता, ब्लॉक अध्यक्ष शैलेन्द्र अग्रवाल, वाहिद मोहम्मद, पूर्व पार्षद सर्वेश पारीक, हेमंत जोधा, मंडल अध्यक्ष भंवर सिंह राठौड़, आरिफ खान, यूनुस शेख, अशरफ अली आदि मौजूद रहे।

पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष राठौड़ के दौरे से अस्पताल की अव्यवस्था की खुली पोल-

जब पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ जेएलएन अस्पताल पहुंचे तो अस्पताल परिसर में जगह जगह बारिश का पानी भरा मिला और उनको बारिश के पानी में से होकर गुजरना पड़ा। राठौड़ बारिश के भरे पानी में गुजरकर मरीज तक पहुंचे। अस्पताल में बिजली भी गुल हो गई। इससे अस्पताल में बारिश का पानी भरने और मरीजों की परेशानी की पोल खुल गई। पूर्व आरटीडीसी अध्यक्ष धर्मेंद्र राठौड़ ने बताया कि सरकार और अस्पताल प्रशासन को अस्पताल में बारिश का पानी भरने की समस्या का स्थाई समाधान करना चाहिए। ताकी मरीजों को कोई परेशानी न हो।

ऊर्जा मंत्री ने किया पौधारोपण

-'एक पेड़ मां के नाम अभियान' में ऊर्जा विभाग के कार्मिक भी देंगे योगदान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। 'एक पेड़ मां के नाम-हरयालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान ' में ऊर्जा विभाग भी अपनी महत्वपूर्ण सहभागिता निभाएगा। मानसून के दौरान प्रदेशभर में विभाग की ओर से थर्मल इकाइयों, ग्रिड सब स्टेशनों, कार्यालय परिसरों आदि में वृहद् स्तर पर पौधारोपण किया जाएगा। ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने बुधवार को सेन्ट्रल पार्क में पौधारोपण के बाद यह बात कही। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के माध्यम से देशवासियों को प्रकृति से जोड़ने का महत्ती संकल्प लिया है। इसी कड़ी में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने 'एक पेड़ मां के नाम-हरियालो राजस्थान वृक्षारोपण महाभियान' के माध्यम से प्रदेश को हरा-भरा बनाने में जन-जन से भागीदारी का आह्वान किया है। नागर ने कहा कि ऊर्जा विभाग के कार्मिक अधिक से अधिक पौधे लगाकर शून्य कार्बन उत्सर्जन के लक्ष्य की प्राप्ति में अपना योगदान देंगे। ऊर्जा मंत्री के साथ ही विभाग के कार्मिकों ने भी इस दौरान गुलमोहर, आम आदि के पौधे लगाए।

खोरालाडखानी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर लगा

-पात्र ग्रामीणों को आवासीय पट्टों का वितरण किया

मनोहरपूर, (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत खोरालाडखानी में पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय शिविर के तहत पात्र ग्रामीणों को आवासीय पट्टों का वितरण किया गया। इस अवसर पर राकेश कुमार वर्मा विकास अधिकारी पंचायत समिति शाहपुरा,श्रीमती पिस्ता देवी प्रधान पंचायत समिति शाहपुरा, मुकेश कुमार शर्मा अतिरिक्त विकास अधिकारी, दीपक वर्मा, सरपंच ईश्वर सिंह ग्राम पंचायत खोरालाड खानी आदि अधिकारियों की गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस शिविर के माध्यम से ग्रामीणों को उनके भूमि अधिकार प्राप्त हुए, जिससे उन्हें स्थायी निवास की सुविधा मिलेगी। यह प्रयास ग्रामीण विकास और जनकल्याण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

मिला पट्टा तो छीतर मल को मिला समाज मे सम्मान

जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबंल पखवाडा के अनतर्गत बुधवार को ग्राम पंचायत मूण्डवाडा में आयोजित कैम्प में शिविर प्रभारी के समक्ष छीतर मल वर्मा पुत्र जोरा राम वर्मा ने अपने मकान के पट्टे के लिए आवेदन किया। छीतर मल वर्मा ने बताया कि वह पिछले 25 वर्षो से जिस मकान में निवासरत था उसका उसके पास पट्टा नहीं था। वह पिछले 10 सालों से अलग-अलग सरपंचो के कार्यकाल में पट्टे के लिए आवेदन कर चुका था। परन्तु पट्टा न मिलने के कारण वह प्रधानमंत्री आवास योजना जैसी कई सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित था तथा उसे पट्टा न होने के कारण बैंक से हॉम लोन भी नहीं मिल पा रहा था। आर्थिक समस्याओं से परेशान छीतर मल के पास जमीन संबंधी कोई भी वैद्य दस्तावेज नहीं होने के कारण उसका समाज में भी सम्मान नहीं था। जब उसे पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबंल पखवाडा के बारे में जानकारी मिली तो उसने ग्राम पंचायत मूण्डवाडा के सरपंच व ग्राम विकास अधिकारी से उसके पूर्व में पट्टे के संबंध में किये गये आवेदन के बारे में सम्पर्क किया। जिस पर उन्होने पट्टा जारी करने का आश्वासन दिया तथा बुधवार को ग्राम पंचायत मूण्डवाडा में पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबंल पखवाडा शिविर में उपस्थित जिला स्तर से शिविर प्रभारी कृष्णा शर्मा तहसीलदार सांभरलेक, शिविर सहप्रभारी महावीर सिंह अतिरिक्त विकास अधिकारी सांभरलेक, श्रीमती ग्यारसी देवी सरपंच ग्राम पंचायत मूण्डवाडा के द्वारा पट्टा दिया गया। 25 वर्षो से जिस पट्टे के लिए वह तरस रहा था वह पट्टा उसी दिन मिलने पर उसके हर्ष का कोई ठिकाना नहीं रहा था। छीतर मल ने पट्टा मिलने पर प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का पण्डित दीनदयाल उपाध्याय अन्त्योदय संबंल पखवाडा शिविर आयोजित करने पर बहुत-बहुत धन्यवाद दिया हैं।

राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन संपन्न

झोटवाड़ा/जयपुर, (रॉयल पत्रिका)। कवि, शायर एवं प्रबुद्ध जन मंच द्वारा दरबार पब्लिक सीनियर सेकेंडरी स्कूल में राष्ट्रीय एकता कवि सम्मेलन संपन्न हुआ जिसमें मुजफ्फर नगर यूपी से आए कवि आचार्य होतीलाल शर्मा का संस्था अध्यक्ष छोटू खान द्वारा शॉल साफा, पुष्प हारों से सम्मान कर शील्ड व मेडल भेंट किए गए। इस अवसर पर कविवर होतीलाल शर्मा, शायर तबस्सुम रहमानी, कवि केसर लाल व राष्ट्रीय कवि अब्दुल अय्यूब गौरी द्वारा काव्य पाठ कर वातावरण को देश भक्ति से सराबोर कर दिया। अध्यक्ष छोटू खान द्वारा स्टाफ एवं अतिथियों का आभार व्यक्त किया गया।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

डॉ.साहिब सिंह वर्मा की पूण्यतिथि पर 328 रक्तदाताओं ने किया रक्तदान

डॉ.साहिब सिंह वर्मा मजदूर एवं गरीब किसानों के मसीहा थे

चौमूं,(रॉयल पत्रिका)। गरीबों एवं किसानों के मसीहा दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री स्व.डॉ.साहिब सिंह जी वर्मा की 18वीं पूण्यतिथि पर स्वाभिमान ग्रामीण विकास संस्था के अध्यक्ष डॉ.श्रवण बराला के नेतृत्व में 13वें रक्तदान शिविर का आयोजन राधास्वामी बाग स्थित बराला हॉस्पिटल एण्ड रिसर्च सेंटर में हुआ,रक्तदान शिविर का शुभारम्भ प्रेरणास्रोत स्व.डॉ.साहिब सिंह जी वर्मा के छायाचित्र के समक्ष पुष्प अर्पित कर नमन करते हुए किया गया। स्वैच्छिक रक्तदान शिविर में रक्तदान के लिए युवाओं व महिलाओं की खासी भीड़ रही। शिविर में बराला ब्लड सेंटर की टीम ने 328 रक्त यूनिट का संग्रहण किया। स्वाभिमान ग्रामीण विकास संस्था के अध्यक्ष डॉ श्रवण बराला ने स्व.डॉ.साहिब सिंह जी वर्मा के को स्मरण करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला व् बताया की साहिब सिंह जी मजदूर व् गरीब किसान के आर्थिक सामजिक जीवन में बराबरी पर लाना व जरूरतमंद की हरसंभव मदद करना साहिब सिंह जी का लक्ष्य था। डॉ. हनुमान बराला ने रक्तदान शिविर के सफल आयोजन के लिए तहेदिल से आभार जताया और कहा कि रक्तदान मानव जीवन को बचाने के लिए जरुरी है वहीं रक्तदाताओं के लिए भी फायदेमंद है कई बिमारियों से बचा जा सकता है,इसलिए सभी को ऐसे कार्यक्रमों बढ़ चढ़कर हिस्सा लेना चाहिए।

शिविर में डॉ.साहिब सिंह जी वर्मा के दोहिते डॉ.रिषित चौधरी ,चौमूं आमेर जाट समाज अध्यक्ष भगवान सहाय भदाला,एडवोकेट कैलाश पटवारी, एडवोकेट चरण सिंह ,सुमन चौधरी (प्राचार्य विनायक एजुकेशन),गोपाल गुलिया,गोगराज जी,पंचायत समिति सदस्य,पवन चौपड़ा,महेंद्र चौधरी, हरिनारायण गठाला,नेकीराम कामरेड,डॉ. बी.सी.जाट,ओमप्रकाश चोटाला,कजोड़ गौरा,प्रो.सुरेश चन्द जाट, भगवान सहाय यादव वरिष्ठ पत्रकार ,डॉ.जे.पी. सैनी,पार्षद उत्तम गोठवाल,सुरेश गोदारा,एडवोकेटराजकुमार गौरा,कानदुण,रामलाल झाझडिया,गुलाबचन्द लाम्बा,राकेश, सैनी, डॉ.सी.एम. सैनी, ,सुरेश निठारवाल,हुक्माराम ओला,सूरज निठारवाल,कैलाश घोसल्या,लालचन्द झाझडा,बनवारी देवंदा,मदनचारह,मोठू रामसिंघाडिया,ओमप्रकाश शर्मा,कालूराम झाझंडिया,हरी सिंह बराला,सुरेश गरेड,राजू लील,सुरेन्द्र बराला सरदार नासना मौजूद रहे। बराला हॉस्पिटल से डॉ.जुवेंद्र लहेरी,डॉ.सृष्टि बराला,डॉ.अभिषेक बराला,डॉ. दीपिका बराला,मंजू चौधरी,डॉ. जयदीप भट्,भावना बराला,दीपक कुमार,शंकर यादव,अर्जुन यादव,जितेन्द्र,राजेश चौधरी,विजय सिंह,करतार सिंह,हेमाराम चौधरी,सीताराम,झाबर सिंह,कृष्णा चौधरी, राजपाल जाट,अजय घोसल्या,कैलाश गौरा,मदन,मनीष बीदावत,कालूरामसेठी,सुरेश कुमावत मौजूद रहे। अतिथियों ने शिरकत करते हुए रक्तदाताओं की हौसला अफजाई की। इस दौरान रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं को प्रशस्ति पत्र से सम्मानित किया। कार्यक्रम में डॉक्टर्स,शिक्षक,जनसेवा में जुड़े लोगों ने रक्तदान शिविर स्थल पर पहुंच कर रक्तदाताओं का हौसला बढाया।

रोटरी क्लब ने रक्तदान शिविर लगाकर मनाया डॉक्टर्स डे व सी.ए. डे

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। रोटरी क्लब ने अपने नये कार्यकाल की शुरूआत सेवा और सम्मान के साथ की। 2025-26 के नवनियुक्त अध्यक्ष सूर्यप्रकाश विजय व सचिव महेश तिवारी ने अपने कार्यकाल का शुभारम्भ रक्तदान शिविर लगाकर किया साथ ही डॉक्टर्स डे और सी.ए. डे के उपलक्ष में डॉक्टर्स एवं चार्टर्ड अकाउंटेंट्स का भी सम्मान समारोह कर एक सराहनीय पहल की। कार्यक्रम जीवन धारा ब्लड सेन्टर पर आयोजित हुआ एवं कार्यक्रम का संचालन धीरज तिवारी द्वारा किया गया, एवं क्लब अध्यक्ष द्वारा सभी का शब्द चंदन से स्वागत किया गया तथा मुख्य अतिथि के रूप में क्लब ट्रेनर जिला प्रमुख उर्मिला भाया उपस्थित रही। क्लब ट्रेनर उर्मिला भाया ने अपने उद्बोधन में कहा कि मैं स्वयं आज तक लगभग 27 से 28 बार रक्तदान कर चुकी है तथा सभी महिलाओं से मेरा निवेदन है कि हमें ज्यादा से ज्यादा रक्तदान करना चाहिए ताकि किसी के सुहाग, किसी के बच्चे, किसी की पत्नी, किसी के माता-पिता की जान बचाई जा सके। रक्तदान एक महादान है, इससे हमारे शरीर पर किसी प्रकार का कोई प्रभाव नही पडता, बल्कि रक्तदान करने से मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। ब्लड बैंक प्रभारी डॉ. राजमल

चित्तौड़ा ने रक्तदान की जानकारी देते हुए बताया कि रक्तदान करने से शरीर में किसी भी पर की कोई कमजोरी नही आती तथा 18 से 65 वर्ष की उम्र का हर वो व्यक्ति रक्तदान कर सकता है जिसका वजन 45 किलो से अधिक है। एक यूनिट रक्तदान करके हम लोगों की जिन्दगी बचाई जा सकती है। डॉ. त्रिवेश बरदानिया कहा कि रक्तदान जीवन रक्षक है इसलिए रक्तदान को महादान कहा गया है। एक यूनिट रक्तदान करके कई लोगों की जान बचाई जा सकती है, खासकर उन लोगों कि जो कैंसर व थेलेसिमिया जैसी गंभीर बीमारियों से ग्रसित है। बरदानिया ने कहा कि नियमित रूप से रक्तदान करने से निरन्तर नई कोशिकाओं का निर्माण होता है जिससे मेटाबॉलिज्म बेहतर होता है। रक्त वीर यौद्धाओं को सर्टिफिकेट देकर सम्मानित किया गया इस शिविर में 31 यूनिट ब्लड संग्रहित हुआ। चार्टर अध्यक्ष डी.सी. जैन का आकस्मिक निधन हो जाने पर 2 मिनीट का मौन रखा गया। इस मौके पर डॉ. सत्येन्द्र गोयल, डॉ. सतिश अग्रवाल, डॉ. सुमित परूथी, डॉ. त्रिवेश बरदानिया, डॉ. हरिशंकर मीणा, सी.ए. गोविन्द गर्ग, सी.ए. विकास जैन, सी.ए. दीपक गुप्ता आदि को सम्मानित किया गया। इस दौरान सुनीता बाली प्रिंसिपल मॉर्डन स्कूल, रोटेरियन आदित्य जैन, संतोष विजय, ऐन्स कल्पना, त्रिशला आदि उपस्थित रही। अन्त में सेकट्री ने सभी को धन्यवाद दिया।

चौमूं रेलवे स्टेशन रोड के पास निर्माणाधीन लाइब्रेरी भवन तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर ने कई वर्षों से गंदगी का लगा ढेर की करवाया सफाई

चौमूं, (रॉयल पत्रिका)।भगवान सहाय यादव - चौमूं तहसील यादव समाज के द्वारा पिछले कई सालोसे रेलवे स्टेशन रोड के पास यादव समाज के द्वारा निर्माणाधीन भवन बना हुआ था। लेकिन इस भवन की कोई देखरेख नहीं होने से इस भवन में गेट खुला रहने से ए सामाजिक तत्वों का प्रवेश आना-जाना रहता था। खुला गेट होने से भवन में कचरा गंदगी पड़े रहने से आवारा पशु आकर बैठ जाते थे। खुले गेट के लोहे का चैनल गेट लगाया पिछले दिनों में इसके बाद आज बुधवार को गंदगी के लग रहे ढेरों को यादव समाज की तहसील अध्यक्ष सुभाष डागर मौके पर जाकर देखा तो जाते ही उसे भवन के आसपास चारों तरफ अंदर की तरफ गंदगी के लगे ढेरों हटाने के लिए बाहर से मजदूर बुलाकर उनसे साफ सफाई अपनी टीम को लेकर जूटे साफ सफाई करने के बाद लगा चैनल गेट को बंद करके देखने के लिए आसपास के लोगों को बोल दिया जिससे अब कचरा कंगन की का ढेर आसपास नहीं डालेंगे दूसरी जगह पर जाकर कचरे को डालने का निर्देश दिया । तहसील अध्यक्ष यादव ने बताया जल्दी ही बच्चों के लिए लाइब्रेरी नवनिर्मित भवन में बैठने की तैयारी करेंगे

आवश्यक सेवाओं, विभागीय कार्यो एवं अंत्योदय संबल पखवाड़ा की प्रगति समीक्षा

कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहे

शब्बीर हुसैन

बारां,(रॉयल पत्रिका)। जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर की अध्यक्षता में मिनी सचिवालय सभागार में माह के प्रथम मंगलवार को विभागीय समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में विभिन्न विभागों की योजनाओं एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा के साथ-साथ संपर्क पोर्टल, सीएमओ व वीवीआईपी स्तर से प्राप्त प्रकरणों, दीनदयाल उपाध्याय शिविरों एवं समन्वय संगम पोर्टल पर दर्ज मामलों की स्थिति की गहन समीक्षा की गई। जिला कलक्टर ने 24 जून से जिलेभर में आयोजित किए जा रहे 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा' के तहत लगाए जा रहे शिविरों की अब तक की प्रगति पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। जिला कलक्टर ने कहा कि राज्य सरकार की मंशा के अनुसार यह पखवाड़ा जिले के नागरिकों को सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने के उद्देश्य से चलाया जा रहा है, यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई भी पात्र व्यक्ति किसी भी योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने शिविरों की समीक्षा के दौरान पाया कि कुछ ब्लॉकों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो रही है। इस पर नाराजगी जाहिर करते हुए कलक्टर ने कहा कि जिन ब्लॉकों

में कार्यप्रणाली असंतोषजनक पाई गई है, उनके संबंधित अधिकारियों पर कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने शिविरों की गुणवत्ता, प्रचार-प्रसार और लाभार्थियों की संतुष्टि को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

मौसमी बीमारियों और सर्पदंश को लेकर सतर्कता

बैठक में बरसात के मौसम को ध्यान में रखते हुए मौसमी बीमारियों विशेषकर सर्पदंश की घटनाओं को लेकर भी चर्चा हुई। जिला कलक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि प्राथमिक उपचार की व्यवस्था सुदृढ़ की जाए और सभी अस्पतालों में आवश्यक दवाइयां, एंटी-स्नेक वेनम तथा जागरूकता सामग्री उपलब्ध हो। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य टीमें सक्रिय रहकर लोगों को सतर्क रहने की सलाह दें।

विभागीय कार्यों की समीक्षा

जिला कलक्टर ने बिजली-पानी जैसी बुनियादी आवश्यकताओं की आपूर्ति, संपर्क पोर्टल व अन्य योजनाओं से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण की स्थिति की भी समीक्षा कर निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी विभाग समयबद्ध तरीके से कार्य करें और जनहित से जुड़ी समस्याओं को प्राथमिकता से हल करें। बैठक में एडीएम दिवांशु शर्मा, सीईओ जिला परिषद राजवीर सिंह चौधरी, विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं अन्य उपस्थित रहे।

पार्वती नदी में मॉक रेस्क्यू ऑपरेशन सफल, जिला प्रशासन की तत्परता से सुरक्षित निकाले गए 10 नागरिक

शब्बीर हुसैन

बारां, (रॉयल पत्रिका)। जिले में लगातार हो रही भारी बारिश के चलते नदियों में जलस्तर तेजी से बढ़ रहा है। इसी परिप्रेक्ष्य में बुधवार को संबलपुर ग्राम के पास पार्वती नदी में बने टापू पर फंसे 10 से अधिक नागरिकों को लेकर बुधवार को एक मॉक रेस्क्यू ऑपरेशन आयोजित किया गया। जानकारी के अनुसार, जिला प्रशासन को सूचना मिली कि पार्वती नदी के बीच बने टापू पर पशुओं को चराते लोग पानी के तेज बहाव के कारण फंस गए हैं और जल स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। इस सूचना पर जिला कलक्टर रोहिताश्व सिंह तोमर एवं पुलिस अधीक्षक राजकुमार चौधरी ने तुरंत एक्शन लेते हुए रेस्क्यू दल को रवाना किया और स्वयं भी मौके पर पहुंचे। तेज बारिश के बावजूद जिला परिषद सीईओ राजवीर सिंह चौधरी, एएसपी राजेश चौधरी, डीएसओ अनील

चौधरी, एसडीआरएफ, सिविल डिफेन्स, गृह रक्षा दल, पुलिस, मेडिकल टीम तथा आर्मी के जवानों ने घटनास्थल पर पहुंचकर तत्परता से कार्य किया। टापू में फंसे सभी नागरिकों को सुरक्षित बाहर निकाला गया और उन्हें मौके पर ही प्राथमिक उपचार प्रदान किया गया। यह मॉक ड्रिल जिला प्रशासन की आपातकालीन परिस्थितियों से निपटने की तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा थी, जिसका उद्देश्य आपदा प्रबंधन क्षमता का परीक्षण करना था। जिला कलक्टर ने इस सफल रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए सभी टीमों की सराहना की और कहा कि "प्रशिक्षण एवं तत्परता ही किसी भी आपदा से निपटने का आधार है।" प्रशासन की सक्रियता, समन्वय और त्वरित कार्रवाई के कारण यह मॉक ड्रिल एक सफल उदाहरण बना।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष राठौड़ एवं जिलाध्यक्ष मानसिंह का भाजपाइयों ने सेवा कार्य कर मनाया जन्मदिन

सवाई माधोपुर, (रॉयल पत्रिका)। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ एवं जिलाध्यक्ष मानसिंह गुर्जर का जन्मदिन गंगापुर सिटी में कार्यकर्ताओं ने सेवा कार्य कर मनाया | जिला मीडिया प्रभारी सुरेन्द्र शर्मा ने बताया कि प्रदेश अध्यक्ष एवं जिलाध्यक्ष के जन्मदिन पर वजीरपुर मंडल के कार्यकर्ताओं ने राधामदन गोशाला में गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाया, कस्बे के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में मरीजों को फल वितरित किए | इसी क्रम

में गंगापुर सिटी शहर मंडल के पदाधिकारियों ने भी गायों को हरा चारा और गुड़ खिलाकर उनके दीर्घायु जीवन की कामना की, इस दौरान नगर सभापति शिवरतन अग्रवाल, मंडल अध्यक्ष मिथलेश व्यास सहित कई भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे |

चौमूं के निकटवर्ती हीरा वाली तपीलया से राजकीय आयुर्वेद चिकित्सालय पद से सेवा से सेवानिवृत्त हुए

चौमूं,(रॉयल पत्रिका)। हीरावाली, तपीलया के स्थित के स्थित बाजियां कृषि फार्म के निवास आई डॉक्टर गणेशाराम बाजियां ने ग्राम तपीलपया में 25 वर्ष अपनी सेवा दी। आज किस गांव से बड़ी धूमधाम के साथ से भव्य स्वागत पुष्पा वर्षा कर के स्वागत ग्रामीणों एंवम रिश्तेदारों द्वारा जोर-शोर से स्वागत अभिनंदन समारोह आयोजित हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि में कालाडेरा थाना अधिकारी बाबूलाल मीणा उपस्थिति में संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानआयुर्वेद डॉक्टर डॉक्टर गणेशराम बाजियां में एक ही गांव में 25 वर्ष अपनी सेवा दी क्योंकि आजकल कर्मचारी अच्छी सेवा देता है तो ग्रामीण लोग ऐसे ईमानदार आदमी को गांव से दूर नहीं जाने देते हैं। मीणा ने बताया कि ताकत एवं मजबूती,ईमानदारी, कर्तव्य निष्ठाता पर रहकर देश की सेवा करने पर काम किया ऐसे महान

वेद जी हर कदम पर अपनी जैसे शिष्यों की फौजी बनने रहेंगे और उन्हें मार्गदर्शन करने का काम करेंगे। इस कार्यक्रम मेंजाट समाज के वरिष्ठ नेता पूरणमल खर्रा , भगवान सहाय यादव वरिष्ठ पत्रकार , विनोद कुमार खातोदिया ,गोविंदगढ़ से गौरीशंकर कुमावत, ताराचंद खर्रा डॉ जगदीश प्रसाद देवंदा , इस कार्यक्रम के आयोजन गुलाब देवी, राजेंद्र प्रसाद हेड कांस्टेबल, सीताराम मुकेश कुमार बाजियां सहित सैकड़ो महिलाएं ग्रामीण उपस्थित होकर इस कार्यक्रम में पहुंचकर आशीर्वाद प्रदान किया।

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के 71वां जन्मदिन मनाने के लिए उमड़े कार्यकर्ता

पाली,(रॉयल पत्रिका)। पाली शहर के सर्किट हाउस के पास भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के निवास स्थान पर उनका जन्मदिन मनाने के लिए बड़ी संख्या में सुबह से कार्यकर्ताओं आना जारी रहा बरसात के बावजूद बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी व कार्यकर्ता उन्हें जन्मदिन की बधाई देने पहुंचे। लोगों ने उन्हें फूल-मालाओं ओर साफा पहनाकर जन्मदिन की शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष सुनील भण्डारी, पूर्व यू आई टी चैयरमैन संजय ओझा, मारवाड़ जंक्शन विधायक केसाराम चौधरी,सोजत विधायक शोभा चौहान, पूर्व सांसद पुष्प जैन, पूर्व सभापति महेन्द्र बोहरा, पूर्व सभापति रेखा राकेश भाटी सहित भाजपा के कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अंत्योदय पखवाड़े की समीक्षा बैठक,लक्ष्य स्पष्ट हों, प्रयास समन्वित हों और लाभ सुनिश्चित हो

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय अंत्योदय संबल पखवाड़ा के तहत जिले में आयोजित शिविरों की समीक्षा बैठक जिला कलक्टर पीयूष समारिया की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में शिविरों की प्रगति, विभागवार प्रदर्शन, और जनसेवाओं की पहुंच को लेकर विस्तृत मंथन हुआ। समारिया ने स्पष्ट किया कि अंत्योदय पखवाड़ा केवल योजनाओं की खानापूर्ति नहीं बल्कि हर पात्र व्यक्ति तक लाभ पहुंचाने का प्रभावी माध्यम होना चाहिए।

रिहाना पठान को सम्मानित किया भारत की पावरफुल नारी फाउंडेशन द्वारा

राजस्थान की राजधानी जयपुर में आयोजित हुआ समारोह

मोहम्मद अली पठान

चूरू,(रॉयल पत्रिका)। हमारी ख्वाहिश राजगढ़ की अध्यक्षा एव सामाजिक कार्यकर्ता रिहाना पठान को उनके सेवाकार्यों के लिए जयपुर में सम्मानित किया गया। रिहाना पठान, ने एनजीओ के माध्यम से बालिका शिक्षा, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण सहित विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय कार्य किया है। के. सेवन एंटरटेनमेंट की ओर से होटल रीगल, रिदम होटल्स, निर्माण नगर जयपुर में आयोजित समारोह में समाजसेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय कार्य करने वाली महिलाओं को सम्मानित किया गया आयोजित कार्यक्रम भारत की पावर फुल नारी फाउंडेशन द्वारा आपको समाज में उत्कृष्ट उच्च स्तरकार्य व समाज सेवा श्रेष्ठ भूमिका अदा करने पर आपको ससम्मान समानित कीया जिससे राजगढ़ क्षेत्र की महिलाओं में नारी शक्ति को लेकर उत्साह व खुशी की लहर है राजगढ़ पहुंचने पर क्षेत्र की महिलाओं ने आपका फूलमालाओं से अभिनंदन किया एवं शुभकामनाएं दी और उज्वल भविष्य की कामना की।

बारिश और बढ़ते जलस्तर को देखते हुए कलक्टर का बैराज निरीक्षण, दिए सतर्कता और समन्वय के निर्देश

कोटा बैराज में जल प्रबंधन, सुरक्षा और समन्वय सर्वोच्च प्राथमिकता हो– कलक्टर पीयूष समारिया

शब्बीर हुसैन

कोटा,(रॉयल पत्रिका)।शहर एवं आसपास क्षेत्रों में हो रही लगातार बारिश और संभावित जलस्तर वृद्धि की स्थिति को दृष्टिगत रखते हुए बुधवार को जिला कलक्टर पीयूष समारिया ने कोटा बैराज का निरीक्षण एवं अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने बैराज में वर्तमान जलभराव की स्थिति, जल आगमन की दर और जल निकासी की प्रणाली की विस्तार से जानकारी ली तथा अधिकारियों को समय रहते समन्वय और सतर्कता बनाए रखने के निर्देश दिए।

सेंसेक्स 288 अंक टूटकर 83,410 पर बंद: बाजार में बिकवाली, निफ्टी भी 88 अंक गिरा

-L&T और बजाज फाइनेंस में भारी दबाव

हफ्ते के तीसरे कारोबारी दिन (बुधवार, 2 जुलाई) सेंसेक्स 288 अंक गिरकर 83,410 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 88 अंक की गिरावट रही, ये 25,453 पर बंद हुआ। सेंसेक्स दिन के ऊपरी स्तर से सेंसेक्स में करीब 700 अंक और निफ्टी में करीब 200 अंक की गिरावट रही। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 14 में तेजी और 16 में गिरावट रही। टाटा स्टील, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट 3.60% तक चढ़े। बजाज फिनसर्व, L&T और बजाज फाइनेंस 2% तक गिरे। NSE का रियल्टी इंडेक्स 1.44%, बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेज भी 1% तक गिरे। IT, मेटल, फार्मा और ऑटो शेयरों में तेजी रही।

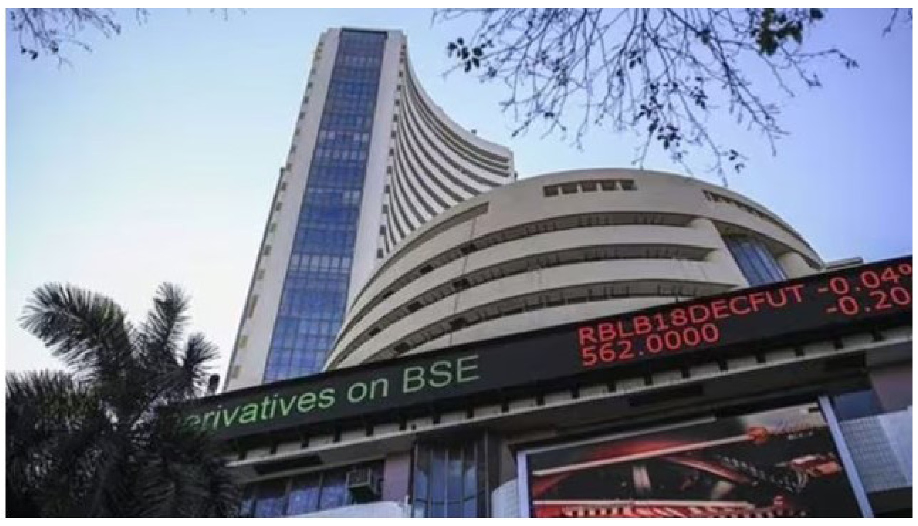

एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार

एशियाई बाजारों में जापान का निक्केई 0.56% गिरकर 39,762 के स्तर पर और कोरिया का कोस्पी 0.47% नीचे 3,075 पर बंद हुआ। हॉन्गकॉन्ग का हैंगसेंग इंडेक्स 0.62% चढ़कर 24,221 पर और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.085% गिरकर 3,455 पर बंद हुआ। 1 जुलाई को अमेरिका का डाउ जोन्स 0.91% चढ़कर 44,495 पर बंद हुआ। वहीं, नैस्डेक कंपोजिट 0.82% नीचे 20,203 पर और S&P 500 0.11% नीचे 6,198 पर बंद हुए।

1 जुलाई को घरेलू निवेशकों ने ₹771 करोड़ के शेयर खरीदे

1 जुलाई को विदेशी निवेशकों (FIIs) ने कैश सेगमेंट में 1,970.14 करोड़ रुपए के शेयर्स बेचे। वहीं, घरेलू निवेशकों (DIIs) ने 771.08 करोड़ रुपए की खरीदारी की। जून महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 7,488.98 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में ₹72,673.91 करोड़ की नेट खरीदारी की थी। मई महीने में विदेशी निवेशकों की नेट खरीदारी 11,773.25 करोड़ रुपए रही। वहीं, घरेलू निवेशकों ने भी महीनेभर में ₹67,642.34 करोड़ की नेट खरीदारी की थी।

कल बाजार में रही थी मामूली तेजी

हफ्ते को दूसरे कारोबारी दिन आज (मंगलवार, 1 जुलाई) सेंसेक्स 91 अंक चढ़कर 83,697 के स्तर पर बंद हुआ। निफ्टी में भी 25 अंक की तेजी रही, ये 25,542 पर बंद हुआ। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 12 में तेजी और 18 में गिरावट रही। BEL, रिलायंस, एशियन पेंट्स और अल्ट्राटेक सीमेंट 2.60% चढ़े। एक्सिस बैंक, ट्रेंट, इटरनल और टेक महिंद्रा 2% तक गिरे। निफ्टी के 50 शेयरों में से 26 शेयरों में गिरावट रही। NSE का मीडिया इंडेक्स 1.31% गिरा। IT, रियल्टी और ऑटो शेयरों में भी गिरावट रही। मेटल, फार्मा और सरकारी बैंकों के शेयरों में खरीदारी रही।

क्यों गिरे बाजार?

विशेषज्ञों के अनुसार, अमेरिकी बाजारों में कमजोरी, ग्लोबल मार्केट में कच्चे तेल की कीमतों में तेजी और घरेलू स्तर पर जुलाई की शुरुआत में निवेशकों द्वारा मुनाफा वसूली से बाजार में गिरावट आई। इसके अलावा, रुपये में कमजोरी और अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दरों पर टिप्पणी ने भी निवेशकों की धारणा को कमजोर किया।

सेक्टोरियल परफॉर्मेंस

रियल्टी सेक्टर: इस सेक्टर में 2% तक की गिरावट देखने को मिली। गोदरेज प्रॉपर्टीज, डीएलएफ और ओबेरॉय रियल्टी में बिकवाली देखी गई। बैंकिंग सेक्टर: बैंक निफ्टी में भी कमजोरी रही। एचडीएफसी बैंक, कोटक बैंक और आईसीआईसीआई बैंक में प्रेशर दिखा।

फाइनेंशियल सेक्टर: बजाज फाइनेंस और बजाज फिनसर्व में 3% तक की गिरावट रही, जिससे बाजार पर दबाव बना रहा। मेटल और एफएमसीजी शेयरों में कुछ हद तक मजबूती देखने को मिली, जिसने गिरावट को थोड़ा थामने की कोशिश की।

अब ओला-उबर राइड पर दोगुना किराया लगेगा

-केंद्र सरकार ने पीक ऑवर्स में किराया बढ़ाने की दी मंजूरी

देश में ओला, उबर और अन्य कैब एग्रीगेटर्स से यात्रा करना अब पहले जितना सस्ता नहीं रहेगा। केंद्र सरकार ने नई गाइडलाइंस जारी कर दी हैं, जिसके तहत इन कंपनियों को 'पीक ऑवर्स' यानी अधिक मांग के समय किराया दोगुना तक बढ़ाने की अनुमति दे दी गई है। इस फैसले से जहां कंपनियों को राहत मिलेगी, वहीं यात्रियों की जेब पर सीधा असर पड़ेगा।

क्या हैं नई गाइडलाइंस?

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने एग्रीगेटर गाइडलाइंस में बदलाव करते हुए कंपनियों को अधिकतम बेस फेयर से 2 गुना तक किराया वसूलने की मंजूरी दी है। उदाहरण के लिए, अगर किसी शहर में बेस फेयर 100 रुपये है, तो पीक ऑवर्स में अब कंपनियां उसी रूट पर 200 रुपये तक किराया ले सकेंगी। इन गाइडलाइंस में राज्यों को अधिकार दिया गया है कि वे अपने क्षेत्र में किराया सीमा तय कर सकें। साथ ही, कंपनियों को ट्रांसपेरेंसी बनाए रखने और किराए में बढ़ोतरी की वजह एप में स्पष्ट दिखाने की शर्त भी रखी गई है।

क्यों बढ़ाया गया किराया?

सरकार का कहना है कि मांग और आपूर्ति में संतुलन बनाए रखने के लिए यह कदम जरूरी था। अक्सर पीक ऑवर्स में ड्राइवर कमी की समस्या आती थी, जिसके कारण यात्रियों को राइड मिलने में कठिनाई होती थी। नए नियमों से ड्राइवर को ज्यादा कमाई का अवसर मिलेगा और यात्रियों को राइड आसानी से मिल सकेगी।

ड्राइवरों को कैसे होगा फायदा?

ड्राइवर लंबे समय से किराया बढ़ाने की मांग कर रहे थे। उनका कहना था कि डीजल-पेट्रोल, मेंटेनेंस और अन्य खर्चे लगातार बढ़ रहे हैं, जबकि किराया वही का वही बना हुआ है। नए नियम लागू होने के बाद ड्राइवरों को पीक टाइम में अधिक किराया मिलेगा, जिससे उनकी आय में सुधार हो सकेगा।

यात्रियों पर असर कैसा पड़ेगा?

इस फैसले का सीधा असर यात्रियों की जेब पर पड़ेगा। खासकर ऑफिस टाइम, छुट्टी का समय, त्योहारों और बारिश के दौरान कैब बुक करना महंगा हो जाएगा। पहले भी ओला-उबर पर 'सर्ज प्राइसिंग' लागू होती थी, परंतु अब यह आधिकारिक रूप से दोगुने तक जा सकेगी। इससे मिडिल क्लास और रेगुलर ऑफिस जाने वालों पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है।

राज्यों की भूमिका क्या होगी?

नई गाइडलाइंस में राज्यों को फेयर स्ट्रक्चर तय करने की स्वतंत्रता दी गई है। इसका मतलब यह है कि कोई राज्य अगर चाहे तो किराया बढ़ोतरी की सीमा 1.5 गुना या 1.8 गुना तक सीमित कर सकता है।

हालांकि, राज्यों को यह फैसला कंपनियों और ड्राइवर संगठनों से बातचीत कर लेना होगा।

राइड शेयरिंग में भी असर पड़ेगा

ओला और उबर की शेयर राइड सर्विस भी इससे प्रभावित होगी। अब अगर कोई यात्री शेयर कैब बुक करता है, तो भी पीक ऑवर्स में उसका किराया बढ़ जाएगा। हालांकि, कंपनियों को शेयर राइड में किराया निर्धारण में अलग प्राइसिंग पॉलिसी बनानी होगी ताकि किराया बढ़ोतरी का बोझ यात्रियों पर ज्यादा न पड़े।

ड्राइवर और कंपनियों की प्रतिक्रिया

ड्राइवर संगठनों ने सरकार के फैसले का स्वागत किया है। उनका कहना है कि इससे ड्राइवर को मेहनत का उचित भुगतान मिलेगा। वहीं, कंपनियों का कहना है कि इस कदम से उन्हें पीक डिमांड में ड्राइवर उपलब्ध कराने में आसानी होगी।

यात्रियों ने जताई नाराजगी

कई यात्रियों ने सोशल मीडिया पर इस फैसले पर नाराजगी जताई है। उनका कहना है कि पहले से ही सर्ज प्राइसिंग के कारण राइड महंगी हो जाती थी, अब इसे कानूनी रूप से दोगुना कर देना आम आदमी पर बोझ बढ़ाने जैसा होगा।

कब से लागू होगा नया नियम?

सरकारी गाइडलाइंस जारी हो गई हैं, और राज्यों को 3 महीने के भीतर इसे लागू करने के निर्देश दिए गए हैं। अनुमान है कि अगस्त 2025 तक देश के अधिकतर शहरों में यह व्यवस्था लागू कर दी जाएगी।

क्या विकल्प हो सकते हैं?

कैब महंगी होने के बाद मेट्रो, बस और ऑटो जैसी परिवहन सेवाओं का इस्तेमाल बढ़ सकता है। कई लोग कारपूलिंग की ओर भी रुख कर सकते हैं। इसके अलावा, कुछ लोग पीक ऑवर्स के बजाय ऑफ-पीक टाइम में ट्रैवल करने की योजना बना सकते हैं ताकि अतिरिक्त किराए से बचा जा सके।

भारत-अमेरिका ट्रेड डील में रुकावट ,डेयरी सेक्टर पर रियायत देने से भारत का इनकार

-कहा, छोटे किसानों की आय का मुख्य स्रोत है

भारत और अमेरिका के बीच 9 जुलाई से पहले ट्रेड डील होने की उम्मीद है। हालांकि, दोनों देशों के बीच अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट पर सहमति से पहले मंगलवार (1 जुलाई) को डील कमजोर पड़ गई है। इसकी वजह यह है कि डेयरी जैसे प्रमुख एग्रीकल्चर मुद्दों पर दोनों देशों के बीच विरोध की स्थिति बनी हुई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, भारत ने डेयरी सेक्टर में कोई भी रियायत देने से साफ इनकार कर दिया है, जो देश के 8 करोड़ से ज्यादा छोटे किसानों के लिए इनकम का मेन सोर्स है।

डेयरी पर कोई समझौता नहीं होगा, यह हमारी रेड लाइन

एक वरिष्ठ सरकारी सूत्र ने कहा, 'डेयरी पर कोई समझौता नहीं होगा। यह हमारी रेड लाइन है।' इस बीच व्हाइट हाउस ने भारत को इंडो-पैसिफिक सेक्टर में एक महत्वपूर्ण स्ट्रैटेजिक पार्टनर बताते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच ट्रेड डील अब घोषणा के बेहद करीब है। भारत और अमेरिका के बीच वॉशिंगटन में चल रही ट्रेड वार्ता को मंगलवार को छह दिन हो गए हैं। इंडियन डेलिगेशन को लीड कर रहे मिनिस्ट्री ऑफ कॉमर्स के स्पेशल सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने दोनों देशों के बीच डील में रुकावट को खत्म करने के लिए अपनी यात्रा को एक दिन और बढ़ा दिया है।

बुधवार को ट्रेड डील को लेकर बातचीत जारी रहने की उम्मीद

बुधवार को दोनों देशों के बीच ट्रेड डील को लेकर बातचीत जारी रहने की उम्मीद है। इस दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर भी एक डिप्लोमेटिक मीटिंग के दौरान अपने अमेरिकी समकक्ष मार्को रुबियो से मुलाकात करेंगे।

भारत इन सेक्टर्स में अमेरिका से रियायत की मांग कर रहा

भारत कई लेबर इंटेंसिव सेक्टर यानी श्रम-प्रधान क्षेत्रों जैसे- फैब्रिक, अपेरल, जेम्स एंड ज्वेलरी, लेदर, प्लास्टिक, केमिकल्स, झींगा, तिलहन, अंगूर और केले पर अमेरिका से शुल्क रियायत की मांग कर रहा है।

समझौता ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचा सकता

सूत्रों का कहना है कि इन रियायतों से अमेरिका के घरेलू हितों को कोई नुकसान नहीं होगा और इनका विरोध होने की संभावना कम है। हालांकि भारत ने कृषि, विशेष रूप से डेयरी क्षेत्र में किसी भी रियायत से इनकार किया है। भारत का कहना है कि यह समझौता उसकी ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नुकसान नहीं पहुंचा सकता।

अमेरिका को भारत से कृषि-डेयरी सेक्टर में रियायत की उम्मीद

दूसरी ओर अमेरिका भारत से कृषि और डेयरी क्षेत्रों में शुल्क रियायत की उम्मीद कर रहा है। अमेरिका इंडस्ट्रियल प्रोडक्ट्स, इलेक्ट्रिक वाहनों, वाइन, पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स, डेयरी, सेब, मेवे और जेनेटिकली मोडिफाइड क्रॉप्स जैसे एग्रीकल्चर प्रोडक्ट्स पर

शुल्क में कमी चाहता है। लेकिन भारत के लिए यह अमेरिका की यह डिमांड मानना मुश्किल है।

अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारत पर 26% का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था

अमेरिका ने 2 अप्रैल को भारतीय इंपोर्ट पर 26% तक का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया था, जिसे 90 दिनों के लिए सस्पेंड किया गया था। हालांकि, 10% का बेस टैरिफ अभी भी लागू है। भारत एडिशनल 26% टैरिफ से छूट चाहता है। अगर यह ट्रेड डील फेल रही, तो 9 जुलाई के बाद ये टैरिफ फिर से लागू हो जाएंगे।

दोनों देशों का टारगेट 2030 तक ट्रेड को 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाना

भारत और अमेरिका का टारगेट इस अंतरिम ट्रेड एग्रीमेंट को एक बाइलेटरल ट्रेड एग्रीमेंट (BTA) की दिशा में पहला कदम बनाना है। दोनों देश 2030 तक बाइलेटरल ट्रेड को दोगुना कर 500 बिलियन डॉलर तक पहुंचाने का टारगेट रखते हैं। वर्तमान में दोनों देशों के बीच ट्रेड 191 बिलियन डॉलर का है।

आगे क्या होगा?

भारत ने अमेरिका को साफ संकेत दे दिया है कि डेयरी सेक्टर पर किसी प्रकार की रियायत देने का कोई इरादा नहीं है। दोनों देशों के बीच अन्य सेक्टर्स में सहयोग की संभावनाएं बनी रहेंगी, लेकिन डेयरी सेक्टर के मुद्दे पर समझौता नहीं होने तक इस फ्री ट्रेड डील को अंतिम रूप देना कठिन होगा। अमेरिका को यदि डील को आगे बढ़ाना है, तो उसे डेयरी सेक्टर की मांग पर पुनर्विचार करना होगा। इस प्रकार, भारत ने छोटे किसानों और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की रक्षा के लिए अमेरिका के सामने कड़ा रुख अपनाया है, जिससे दिखता है कि देश की नीतियां गरीब और ग्रामीण हितों की सुरक्षा को प्राथमिकता देती हैं। अब देखना होगा कि अमेरिका इस स्थिति में किस तरह का समाधान निकालकर इस ट्रेड डील को आगे बढ़ाता है।

नई टाटा नैनो: छोटे परिवारों के लिए प्रीमियम फीचर्स

-5-स्टार सुरक्षा के साथ परफेक्ट बजट कार

भारतीय बाजार में जब भी सस्ती और भरोसेमंद कार की बात होती है, टाटा नैनो का नाम सबसे पहले लिया जाता है। एक समय था जब नैनो को भारत की सबसे सस्ती कार कहकर प्रचारित किया गया था, लेकिन अब नई टाटा नैनो **प्रीमियम फीचर्स और 5-स्टार** सुरक्षा रेटिंग के साथ बाजार में लौट रही है, जिससे यह छोटे परिवारों के लिए एक आदर्श कार बन चुकी है।

प्रीमियम फीचर्स का नया अहसास

नई टाटा नैनो में पहले के मुकाबले कई बेहतर फीचर्स जोड़े गए हैं। कार में अब टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम, एंड्रॉयड ऑटो और एप्पल कारप्ले सपोर्ट, डिजिटल इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर और ऑटोमैटिक क्लाइमेट कंट्रोल जैसे फीचर्स उपलब्ध हैं। इससे ड्राइविंग का अनुभव आधुनिक कारों की तरह आरामदायक और स्मार्ट हो गया है। साथ ही, इसमें पुश बटन स्टार्ट, रिमोट कीलेस एंट्री, पावर विंडो और इलेक्ट्रिक ओआरवीएम (साइड मिरर) जैसे सुविधाएं दी गई हैं, जो पहले सिर्फ महंगी कारों

में मिलती थीं। इंटीरियर में ड्यूल-टोन कलर थीम, कंफर्टेबल सीट्स और बेहतर लेगरूम दिया गया है, ताकि लंबी दूरी की यात्रा में भी परिवार को आराम मिल सके।

5-स्टार सुरक्षा रेटिंग: सुरक्षा में कोई समझौता नहीं

नई नैनो को ग्लोबल NCAP से 5-स्टार सुरक्षा रेटिंग मिलने से इसकी विश्वसनीयता और बढ़ गई है। इसमें ड्यूल एयरबैग्स, एबीएस (एंटी लॉक ब्रेकिंग सिस्टम), ईबीडी (इलेक्ट्रॉनिक ब्रेकफोर्स डिस्ट्रीब्यूशन), रिवर्स पार्किंग कैमरा और सेंसर्स जैसे फीचर्स दिए गए हैं, जो इसे सुरक्षा के लिहाज से मजबूत बनाते हैं। बॉडी स्ट्रक्चर में हाई स्ट्रेंथ स्टील का इस्तेमाल किया गया है, जिससे दुर्घटना के समय यात्री सुरक्षित रह सकें। वहीं, चाइल्ड सेफ्टी लॉक और ISOFIX चाइल्ड सीट माउंट्स भी दिए गए हैं, जिससे बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

माइलेज और परफॉर्मेंस में किफायती

टाटा नैनो अपने माइलेज के लिए पहले भी जानी जाती थी और नई नैनो में इसे और बेहतर किया गया है। इसमें 650cc से 800cc के बीच का BS-6 इंजन दिया गया है, जो 25-27 किमी प्रति लीटर तक माइलेज देने में सक्षम है। शहर में रोजाना आने-जाने वाले छोटे परिवारों के लिए यह बेहद फायदेमंद है।

इंजन स्मूद और लो मेंटेनेंस है, जिससे इसकी सर्विसिंग पर भी ज्यादा खर्च नहीं आता। नई नैनो पेट्रोल और CNG दोनों वेरिएंट में उपलब्ध होगी, जिससे ग्राहक अपनी जरूरत के हिसाब से विकल्प चुन सकें।

बजट में फिट बैठने वाली कार

नई टाटा नैनो की कीमत ₹3 लाख से ₹4.50 लाख (एक्स-शोरूम) के बीच रखी गई है, जिससे यह मिडिल क्लास और वर्किंग क्लास परिवारों के लिए आसानी से खरीदने योग्य बन जाती है। आज के समय में जहां महंगाई और पेट्रोल के बढ़ते दाम लोगों की जेब पर बोझ डाल रहे हैं, वहां नई नैनो एक ऐसी कार है जो बजट में फिट होते हुए सभी जरूरी सुविधाएं और सुरक्षा दे रही है।

ट्रेन में सफर करना हुआ महंगा, सोने ने बनाया नया रिकॉर्ड

-जुलाई में 13 दिन बंद रहेंगे बैंक

देश में महंगाई की मार अब ट्रेन में सफर करने वालों पर भी पड़ने लगी है। रेलवे ने एक बार फिर किराया बढ़ाने की तैयारी कर ली है, जिससे लंबी दूरी की यात्रा करने वालों की जेब पर असर पड़ना तय है। दूसरी ओर, सोने की कीमत में ₹1,544 की बड़ी बढ़त दर्ज की गई है और अब यह ₹97,430 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है। इसके साथ ही जुलाई में 13 दिन बैंक बंद रहेंगे, जिससे बैंकिंग से जुड़े काम करने वालों को परेशानी हो सकती है। आइए इन तीनों खबरों को विस्तार से समझते हैं:

ट्रेन में सफर करना हुआ महंगा

भारतीय रेलवे ने प्लेटफॉर्म टिकट और तत्काल टिकट की दरों में वृद्धि के साथ-साथ लंबी दूरी की मेल और एक्सप्रेस ट्रेनों के किराये में भी आंशिक बढ़ोतरी की है। इस बढ़ोतरी का मकसद रेलवे की आय

में सुधार करना और ऑपरेशन लागत को संतुलित करना बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक:

प्लेटफॉर्म टिकट ₹10 से बढ़ाकर ₹20 कर दिया गया है।

सामान्य टिकट में 2% से 4% तक वृद्धि की गई है।

लंबी दूरी की यात्रा करने वाले यात्रियों को टिकट पर अब ₹15 से ₹50 तक अधिक देने होंगे।

तत्काल टिकट बुकिंग चार्ज में ₹20 से ₹40 तक बढ़ोतरी की गई है।

इस बढ़ोतरी का असर खासकर त्योहारी सीजन और छुट्टियों में यात्रा करने वालों पर ज्यादा पड़ेगा। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि डीजल और बिजली की बढ़ती कीमतों तथा मेंटेनेंस लागत बढ़ने के कारण यह कदम जरूरी हो गया था। हालांकि, सामान्य यात्रियों के लिए यह बढ़ोतरी परेशानी का कारण बन सकती है।

सोने की कीमत ₹1,544 बढ़कर ₹97,430 पर पहुंची

सोने में निवेश करने वालों के लिए यह हफ्ता अच्छा साबित हुआ है। सोना ₹1,544 की तेजी के साथ ₹97,430 प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया है, जो इस साल की अब तक की सबसे ऊंची कीमत मानी जा रही है। कीमतों में यह बढ़ोतरी वैश्विक बाजार में सोने की बढ़ती मांग और डॉलर के कमजोर होने की वजह से देखी गई है।

कारण:

वैश्विक बाजार में सोने की मांग में बढ़ोतरी।

डॉलर इंडेक्स में गिरावट आने से निवेशकों का ध्यान सोने पर केंद्रित।

अमेरिका और चीन के बीच बढ़ते तनाव ने भी निवेशकों को सुरक्षित निवेश की ओर आकर्षित किया।

घरेलू बाजार में रुपये में कमजोरी और शादी-ब्याह के सीजन में डिमांड बढ़ने से दाम चढ़े।

विशेषज्ञों का कहना है कि अगर डॉलर में गिरावट और क्रूड की कीमतें बढ़ती रहीं तो सोना ₹98,000 के स्तर को भी छू सकता है। ऐसे में निवेशकों को सावधानीपूर्वक निवेश योजना बनानी चाहिए।

दमदार इंजन और 36 KMPL माइलेज के साथ मार्केट में एंट्री

-बजाज की नई 373cc बाइक ने मचाया धमाल

भारतीय बाजार में बजाज की बाइक्स का हमेशा से ही एक अलग क्रेज रहा है। स्पोर्ट्स बाइक से लेकर कम्यूटर सेगमेंट में बजाज ने अपनी दमदार पकड़ बनाई है। इसी कड़ी में अब बजाज ने अपनी अपडेटेड वर्जन 373cc इंजन वाली नई बाइक लॉन्च कर दी है, जिसने लॉन्च होते ही बाजार में तहलका मचा दिया है। इस बाइक की खास बात यह है कि इसमें दमदार 373cc का पावरफुल इंजन मिलेगा और इसके साथ ही कंपनी ने दावा किया है कि यह बाइक 36 किलोमीटर प्रति लीटर की शानदार माइलेज भी देगी।

पावरफुल 373cc इंजन की ताकत

बजाज की इस नई अपडेटेड बाइक में 373cc का लिक्विड कूल्ड, सिंगल सिलेंडर इंजन दिया गया है, जो 40 PS तक की पावर और लगभग 35 Nm का टॉर्क जनरेट करता है। इस इंजन में 6-स्पीड गियरबॉक्स मिलेगा, जिसके साथ स्लिपर क्लच और असिस्ट क्लच जैसी फीचर्स भी मिलेंगी। यह बाइक हाईवे पर राइडिंग के लिए एक परफेक्ट विकल्प बनेगी, वहीं शहर में भी स्मूद गियर शिफ्टिंग और बेहतर कंट्रोल के साथ आरामदायक

राइडिंग देगी।

स्पोर्टी और अग्रेसिव डिजाइन

बजाज की इस नई 373cc बाइक में अग्रेसिव और स्पोर्टी डिजाइन दिया गया है। इसमें शार्प हेडलाइट्स, मस्कुलर फ्यूल टैंक, स्प्लिट सीट्स और अलॉय व्हील्स के साथ ट्यूबलेस टायर्स दिए गए हैं। इसका डिजिटल इंस्ट्रूमेंट कंसोल राइडिंग में आवश्यक सभी जानकारियां जैसे स्पीड, गियर पोजिशन, फ्यूल गेज, ट्रिप मीटर और टैकोमीटर जैसी जानकारी दिखाता है।

सेफ्टी फीचर्स भी दमदार

बजाज ने अपनी इस बाइक में सेफ्टी का भी पूरा ख्याल रखा है। इसमें डुअल चैनल ABS दिया गया है जो ब्रेकिंग परफॉर्मेंस को और बेहतर बनाता है। इसके फ्रंट में 320 mm की डिस्क ब्रेक और रियर में 230 mm की डिस्क ब्रेक मिलती है। इसके अलावा इसमें ट्रैक्शन कंट्रोल और स्लिपर क्लच जैसी सेफ्टी फीचर्स भी दिए गए हैं, जिससे राइडर को हाई स्पीड में भी बेहतर कंट्रोल मिलेगा।

कीमत और उपलब्धता

बजाज की इस नई 373cc बाइक की कीमत लगभग 2.30 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) के आसपास रखी गई है, जो इसके फीचर्स और पावर के हिसाब से काफी प्रतिस्पर्धी है। कंपनी ने इसे भारतीय बाजार में जल्द ही डीलरशिप्स पर उपलब्ध कराने की योजना बनाई है।

क्यों खास है बजाज की नई 373cc बाइक?

दमदार 373cc इंजन के साथ 40 PS की पावर

36 kmpl तक की बेहतरीन माइलेज

स्पोर्टी और अग्रेसिव लुक

डुअल चैनल ABS और स्लिपर क्लच

कम मेंटेनेंस और बजट फ्रेंडली सर्विस

लॉन्ग राइडिंग के लिए आरामदायक सीट और सस्पेंशन सेटअप

रामायण की पहली झलक कर देगी आपको अचंभित, जानिए कैसा है रामायण का टीजर

रणबीर कपूर और सई पल्लवी की फिल्म रामायण का फैंस को बड़ी बेसब्री से इंतजार है। फिल्म की रिलीज में अभी काफी वक्त है, लेकिन मेकर्स अब धीरे-धीरे इससे जुड़े अपडेट जारी करना शुरू करेंगे।

नितेश तिवारी की महान कृति रामायण के लिए उत्साह चरम पर है , जो अपने सभी स्टार कलाकारों, रिकॉर्ड तोड़ बजट और वैश्विक महत्वाकांक्षाओं के साथ भारतीय सिनेमा के लिए एक नया मानक स्थापित करने का वादा करती है। कल के बड़े टीज़र लॉन्च से पहले आपको जो कुछ भी जानना चाहिए, उसका पूरा विवरण यहां दिया गया है।

स्टार-स्टडेड कास्ट ने दमदार प्रदर्शन किया

रणबीर कपूर भगवान राम की भूमिका में मुख्य भूमिका में हैं, कथित तौर पर उन्होंने एक गहन और बहुस्तरीय अभिनय किया है। साई पल्लवी ने नाजुक लेकिन उग्र आभा के साथ सीता का किरदार निभाया है। यश ने खूंखार रावण की भूमिका निभाई है, जो स्क्रीन पर एक शक्तिशाली टकराव का वादा करता है।

सनी देओल भगवान हनुमान की भूमिका में नज़र आएंगे और अपनी खास स्क्रीन उपस्थिति के साथ नज़र आएंगे। कलाकारों में कैकेयी के रूप में लारा दत्ता, शूर्पणखा के रूप में रकुल प्रीत सिंह और बॉबी देओल भी शामिल हैं, जिनके बारे में अटकलें लगाई जा रही हैं कि वे एक महत्वपूर्ण भूमिका में नज़र आएंगे। साथ में, वे हाल ही में भारतीय सिनेमा में देखी गई सबसे प्रभावशाली लाइन-अप में से एक हैं।

₹835 करोड़ के बजट के साथ यह भारत की सबसे महंगी फिल्म बन गई

कथित तौर पर प्रोडक्शन बजट बढ़कर ₹835 करोड़ हो गया है, जो पिछली भारतीय बड़ी बजट वाली फिल्मों से आगे निकल गया है और आधिकारिक तौर पर रामायण को देश में बनी अब तक की सबसे महंगी फिल्म के रूप में स्थापित कर दिया है। भारी भरकम लागत न केवल विस्तृत सेट और स्टार सैलरी को दर्शाती है, बल्कि विश्व स्तरीय वीएफएक्स और सावधानीपूर्वक डिटेलिंग को भी दर्शाती है। टीम ने अंतरराष्ट्रीय वीएफएक्स दिग्गजों को शामिल किया है जिन्होंने अवतार और द लॉर्ड ऑफ द रिंग्स पर काम किया है ।

भाग 1 की शूटिंग पूरी, भाग 2 अगस्त से शुरू होगा

भाग 1 की शूटिंग पूरी हो चुकी है, जो प्रोडक्शन के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। इस बीच, भाग 2 की शूटिंग अगस्त 2025 में शुरू होने वाली है, जिससे त्रयी की भव्य कथा का निर्बाध सिलसिला जारी रहेगा।

तीन-भाग महाकाव्य: भाग 1 और 2 के लिए रिलीज की तारीखें तय

रामायण को एक त्रयी के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जिसमें प्रत्येक फ़िल्म महाकाव्य के विभिन्न चरणों से निपटती है। भाग 1 को दिवाली 2025 के दौरान रिलीज़ किया जाना है, जो त्यौहार के मूड को दर्शाता है और अधिकतम बॉक्स ऑफ़िस क्षमता की गारंटी देता है। भाग 2 को क्रिसमस 2027 के लिए योजनाबद्ध किया गया है, जो वर्षों तक उत्साह को बनाए रखता है और एक लंबे समय तक चलने वाली सिनेमाई गाथा स्थापित करता है।

सावधानीपूर्वक किए गए शोध से प्राचीन भारत जीवंत हो उठा

निर्देशक नितेश तिवारी ने प्रामाणिकता सुनिश्चित करने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। भारतीय पौराणिक कथाओं के विशेषज्ञ विद्वानों से वेशभूषा, सेट और संवादों को बेहतर बनाने के लिए सलाह ली गई, जबकि प्रोडक्शन डिजाइनर सबु सिरिल ने अयोध्या, पंचवटी और लंका को फिर से बनाते हुए विशाल सेट बनाए, जिसमें दृश्य भव्यता के साथ यथार्थवाद का मिश्रण किया गया।

कल आएगा तीन मिनट का विशाल टीज़र

पहली झलक का इंतज़ार आखिरकार कल खत्म हो गया है, निर्माता तीन मिनट का टीज़र जारी करेंगे, जिसमें दर्शकों को फ़िल्म के पैमाने, प्रदर्शन और वीएफ़एक्स पर एक रोमांचक नज़र मिलेगी। इस विस्तारित टीज़र में राम और सीता के वनवास, लंका की नाटकीय झलकियाँ और तीव्र टकराव जैसे प्रतिष्ठित क्षण दिखाए जाने की उम्मीद है, जो प्रशंसकों के बीच उत्साह को बढ़ाएँगे।

पहली झलक 9 शहरों में एक साथ लॉन्च की जाएगी

टीज़र रिलीज़ को भारत के नौ प्रमुख शहरों में एक भव्य कार्यक्रम के रूप में डिज़ाइन किया गया है, जो रामायण की अखिल भारतीय अपील में निर्माताओं के विश्वास को दर्शाता है। इस मल्टी-सिटी लॉन्च रणनीति का उद्देश्य देश भर में चर्चा पैदा करना है, जिससे टीज़र ड्रॉप एक सच्चे सिनेमाई उत्सव में बदल जाए।

7-मिनट विज़न शोरील दिवाली 2026 के करीब रिलीज़ होगी

टीज़र के अलावा, 7 मिनट का विज़न शोरील तैयार किया गया है, जिसमें रामायण की योजना, पैमाने और निष्पादन में पर्दे के पीछे की अंतर्दृष्टि दिखाई गई है । हालाँकि, इस विशेष वीडियो यूनिट का अनावरण केवल फिल्म की नाटकीय रिलीज़ के करीब किया जाएगा, जिसे दीवाली 2026 के लिए योजनाबद्ध किया गया है, ताकि प्रत्याशा का निर्माण किया जा सके और रचनात्मक यात्रा पर गहराई से नज़र डाली जा सके।

ए.आर. रहमान संगीत देंगे

ऑस्कर विजेता संगीतकार ए.आर. रहमान फिल्म का संगीत तैयार करने के लिए बातचीत कर रहे हैं, तथा रिपोर्ट्स के अनुसार वह सीता स्वयंवर और राम के राज्याभिषेक जैसे महत्वपूर्ण क्षणों के लिए थीम पर पहले से ही काम कर रहे हैं।

अखिल भारतीय और वैश्विक रिलीज की योजना

रामायण को हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मलयालम सहित कई भारतीय भाषाओं में रिलीज़ किया जाएगा, साथ ही इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी प्रसारित किया जाएगा। टीम का लक्ष्य इस कालजयी भारतीय महाकाव्य को वैश्विक स्तर पर ले जाना है, ताकि इसे हॉलीवुड की पौराणिक फ्रेंचाइज़ के लिए भारत का जवाब माना जा सके।

'सरदारजी 3' ने दुनियाभर में की रिकार्डतोड़ कमाई, सक्सेस के बाद दिलजीत दोसांझ ट्रोल्स को दिखाया ठेंगा

सरदारजी 3 की सक्सेस के बाद दिलजीत दोसांझ ने मूंछों पर ताव देते हुए कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह लोगों को अकड़ दिखाते नजर आ रहे हैं

पंजाबी सिंगर और एक्टर दिलजीता दोसांझ इन दिनों अपनी फिल्म 'सरदारजी 3' को लेकर काफी विवादों में हैं. दरअसल पाकिस्तानी कलाकारों पर बैन के बावजूद ना सिर्फ 'सरदारजी 3' में पाक एक्ट्रेस हानिया आमिर को कास्ट किया गया बल्कि पहलगाम में हुए आतंकी हमले और 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद बाद भी 'सरदारजी 3' के ट्रेलर के रिलीज किया गय, जिसमें हानिया आमिर भी मौजूद थी. इसके अलावा भारत में बैन के बावजूद इस फिल्म को दुनियाभर में रिलीज किया गया. दिलजीत दोसांझ और मेकर्स की इस हरकत के बाद भारतीय लोग खाफी नाराज हैं. इसी बीच अब दिलजीत ने लोगों को चिढ़ाते हुए कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह अपनी मूछों पर ताव देते दिख रहे हैं.

भारतीयों को चिढ़ाते दिखे दिलजीत दोसांझ

दिलजीत दोसांझ ने अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जिनमें वह एयरोप्लेन में बैठकर पोज देते दिख रहे हैं. इस तस्वीर में दिलजीत दोसांझ प्लेन से उतरते दिख रहे हैं. फोटो में देखा जा सकता है कि जिस प्लेन से दिलजीत उतर रहे हैं, उस पर भारत का झंडा बना हुआ है.

मूंछों पर ताव देकर ट्रोल्स को दिखाया ठेंगा

इस तस्वीर में दिलजीत दोसांझ मूंछों पर ताव देकर अपनी अकड़ दिखाते नजर आ रहे हैं. फोटो में वह व्हाइट कलर का कुर्ता पजामा पहनें दिख रहे हैं. इन तस्वीरों को पोस्ट करते हुए सिंगर दिलजीत दोसांझ ने कैप्शन में लिखा, 'सरदारजी 3, दुनियाभर में रिकॉर्डतोड़ कमाई कर रही है.' दिलजीत की इन तस्वीरों पर लोग खूब रिएक्ट कर रहे हैं और अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं.

'सरदारजी 3' ने अब तक की इतनी कमाई

बता दें कि दिलजीत दोसांझ की फिल्म 'सरदारजी 3' अब तक 18.1 करोड़ रुपये की धांसू कमाई कर चुकी है. ओपनिंग डे पर जहां फिल्म ने 4.32 करोड़ रुपये कमाए थे तो वहीं दूसरे दिन मूवी ने 6.71 करोड़ रुपये की कमाई की, वहीं तीसरे दिन फिल्म ने 7.07 करोड़ रुपये की कमाई कर डाली है.

हंसते-खिलखिलाते नजर आए दिलजीत दोसांझ वायरल हो रही इस तस्वीर में दिलजीत दोसांझ एयरोप्लेन के बाहर खड़े होकर हंसते-खिलखिलाते मूछों पर ताव देकर स्टाइल मार रहे हैं. दिलजीत की यह तस्वीरें आते ही इंटरनेट पर छा गई हैं.

भारत ने पाकिस्तानी एक्ट्रेस पर लगा बैन लिया वापस? इस बड़ी वजह से उठा सवाल

पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तानी स्टार्स को भारत में बैन कर दिया गया था, लेकिन क्या इस बैन को अब हटा दिया गया है। आइये जानते हैं आखिर ऐसे सवाल क्यों सामने आ रहे हैं। भारत और पाकिस्तान में पिछले कुछ समय से तनाव बना हुआ है। अप्रैल में हुए पहलगाम हमले के बाद देश में आक्रोश इतना बढ़ गया था कि सभी पाकिस्तानी सितारों को भी इंडिया में बैन कर दिया गया था। पाकिस्तान के सभी कलाकारों के इंडिया में काम करने पर सरकार ने रोक लगा दी थी। यहां तक की सभी पाक सितारों के सोशल मीडिया अकाउंट को भी भारत में बंद कर दिया गया था लेकिन अब कुछ ऐसा हुआ है जिसके बाद खबर आ रही हैं कि शायद पाकिस्तानी स्टार्स से बैन हटा दिया गया है।

पाकिस्तानी स्टार्स के बैन अकाउंट हुए एक्टिव

मई में यानी पिछले महीने ही AICWA (अखिल भारतीय सिने वर्कर्स एसोसिएशन) द्वारा अनाउंस किया गया था कि पाकिस्तानी एक्टर्स भारत में पूरी तरह बैन हैं, उन्हें सभी फिल्मों में से यहां तक कि फिल्मों के पोस्टर में से भी रिमूव कर दिया गया था। इसके बाद अब कुछ पाकिस्तानी एक्टर्स के सोशल मीडिया अकाउंट भारत में शो होने लगे हैं, जिसे देख भारत की जनता को बड़ा झटका लगा है। हर कोई इससे हैरान हो रहा है। भारतीय यूजर्स गुस्सा भी जाहिर कर रहें हैं। जी हां! सभी पाकिस्तानी एक्टर्स के तो नहीं, लेकिन कुछ एक्टर्स के भारत में अब जुलाई आते-आते इंस्टाग्राम अकाउंट शो हो रहें हैं।

बैन अकाउंट भारत में होने लगे हैं शो

भारत में जिन पाकिस्तानी एक्ट्रेस के अकाउंट शो रहे हैं उसमें मावरा हुसैन का अकाउंट भी हैं। मावरा हुसैन जो कि बॉलीवुड फिल्म सनम तेरी कसम फिल्म में नजर आईं थीं,

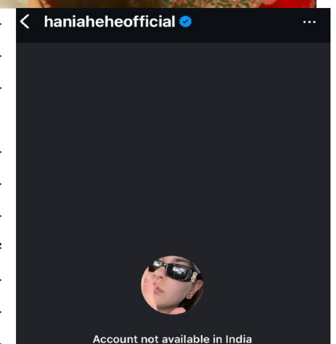

उन्होंने भारत पाकिस्तान वॉर के दौरान भारत को काफी खरी-खोटी सुनाई थी, उनका अकाउंट भी बैन हुआ था, लेकिन अब फिर से भारत में शो होने लगा है। मावरा हुसैन के साथ ही अभिनेता दानिश तैमूर, युमना जैदी और अहद रजा मीर के अकाउंट भी शो हो रहें हैं।

हानिया आमिर और माहिरा खान के अकाउंट है अब भी बैन

वहीं, हानिया आमिर और माहिरा खान समेत अन्य कुछ एक्टर्स के अकाउंट अभी भी बैन ही हैं। यह देख सोशल मीडिया यूजर्स अपना गुस्सा जाहिर कर रहें हैं। कोई पाक सितारों पर तो कई अपनी सरकार पर ही बयान दे रहा है। यूजर्स का कहना है कि गवर्नमेंट का ड्रामा खत्म हो गया क्या? वहीं किसी ने लिखा हमें इनकी जरूरत नहीं है, बैन ही रहने दो।

दिलजीत दोसांझ की फिल्म में है हानिया आमिर

बता दें, भारत सरकार ने जो पाक सितारों को बैन का फैसला लिया था उसी की वजह से सिंगर दिलजीत दोसांझ की फिल्म सरदार जी 3 विवादों में घिरी हुई है। इस फिल्म में दिलजीत के साथ एक्ट्रेस हानिया आमिर नजर आ रही है और यही वजह है कि बैन के बावजूद फिल्म में पाक एक्टर्स को लिया गया है। खैर ये फिल्म भारत को छोड़कर विदेशों में और पाकिस्तान में रिलीज हो चुकी है और लोग इसे खूब पसंद भी कर रहे हैं।

राजकुमार राव ने लूटी महफिल, 'मालिक' के ट्रेलर में ताबड़तोड़ गोलियां चलते दिखे एक्टर

राजकुमार राव स्टारर 'मालिक' का धमाकेदार ट्रेलर मेकर्स ने रिलीज कर दिया है। फिल्म की कहानी उत्तर प्रदेश के प्रयागराज की पृष्ठभूमि पर आधारित है।राजकुमार राव की अपकमिंग एक्शन फिल्म 'मालिक' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। इस फिल्म में वह पहली बार गैंगस्टर का रोल निभा रहे हैं। ट्रेलर में राजकुमार राव को गोलियां चलाते और धाकड़ डायलॉग बोलते हुए देखा जा सकता है। ट्रेलर की लंबाई करीब 2 मिनट 45 सेकंड है, जिसमें वह फायर मोड में नजर आ रहे हैं।

फिल्म की कहानी प्रयागराज (उत्तर प्रदेश) की पृष्ठभूमि पर बनी है और इसमें साल 1988 का समय दिखाया गया है। ट्रेलर से साफ है कि फिल्म में एक्शन और इमोशन दोनों का अच्छा मेल होगा।

ट्रेलर की शुरुआत में पुलिस की भारी फोर्स दिखती है और बैकग्राउंड से वॉयस-ओवर सुनाई देता है, "एक मजबूर बाप की औलाद हो तुम, जो नहीं हो वो बनने का ट्राई न करो।"

बंदूक से गोलियों की बौछार

इसके बाद स्क्रीन पर राजकुमार राव नजर आते हैं। वह कंधे पर बंदूक लेकर ताव में चलते हुए दिखते हैं। ट्रेलर में राजकुमार राव खूनखराबा करते हुए दिख रहे हैं। इसमें दिखाया गया है कि कैसे एक आम आदमी गैंगस्टर बनता है और फिर राजनीति में उतरकर विधायक का पद भी हासिल कर लेता है। फिल्म में देखना यह होगा कि वह अपने 'मालिक' के सफर को कैसे आगे लेकर जाता है।

ट्रेलर में मानुषी छिल्लर भी नजर आई हैं, जो राजकुमार राव की पत्नी का किरदार निभा रही हैं। इसके अलावा स्वानंद किरकिरे, सौरभ शुक्ला और अंशुमान पुश्कर भी अहम रोल में हैं।

फिल्म की रिलीज डेट जानें

ट्रेलर में हुमा कुरैशी के गाने 'दिल थाम के' की भी झलक देखने को मिली है। 'मालिक' के निर्देशक पुलकित हैं। फिल्म 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

इस फिल्म के लिए राजकुमार राव ने काफी मेहनत की है। उन्होंने अपने खूंखार गैंगस्टर के किरदार को दमदार बनाने के लिए एके-47 चलाने की ट्रेनिंग ली थी।

प्रोड्यूसर जय शेवक्रमणी ने बताया था कि ट्रेनिंग के दौरान कई बार ऐसा होता था कि गन चलाते वक्त राजकुमार के कंधों पर जोरदार झटका लगता था, बावजूद इसके उन्होंने हार नहीं मानी और तब तक मेहनत करते रहे, जब तक सीन पूरा नहीं हो गया।

बिग बॉस OTT 3 फेम अदनान शेख बने पिता, पत्नी आयशा ने बेटे को दिया जन्म, Video शेयर कर दी गुड न्यूज

जाने-माने इंफ्लुएंसर और 'बिग बॉस OTT 3' के कंटेस्टेंट अदनान शेख अब पिता बन गए हैं. यह जानकारी खुद उन्होंने सोशल मीडिया पर दी है. अदनान ने अपने पहले बच्चे का स्वागत किया है. सोशल मीडिया इंफ्लुएंसर और बिग बॉस OTT 3 फेम अदनान शेख के घर खुशियों की लहर दौड़ उठी हैं. हाल ही में उनके पहले बच्चे का जन्म हुआ है. पत्नी आयशा ने बेटे को जन्म दिया है, जिसे लेकर अदनान काफी नजर आ रहे हैं. सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर कर उन्होंने फैंस को ये गुड न्यूज दी है. पति-पत्नी, दोनों ने सोशल मीडिया पर इसकी जानकारी दी है, हालांकि किसी भी पोस्ट में उन्होंने अपने बेटे का नाम या चेहरा नहीं दिखाया.

वीडियो शेयर कर दी जानकारी

अपने सोशल मीडिया हैंडल पर अदनान शेख ने एक वीडियो शेयर करते हुए ये बताया कि उनके घर एक बेटे ने जन्म लिया है. उन्होंने इस वीडियो के साथ लिखा है, 'अल्लाह ने हमें एक प्यारे से बेटे से नवाजा है. अपनी फीलिंग्स और इमोशंस को शब्दों में बयां नहीं कर सकता. दिल से शुक्रगुजार हूं. प्लीज हमारे बेटे के लिए दुआ कीजिए.' इसके बाद से ही अदनान का ये पोस्ट तेजी वायरल हो गया. उनके फैंस उन्हें ढेर सारी शुभकामानाएं देते दिख रहे हैं.

पति, पत्नी और वो 2: आयुष्मान खुराना, वामीका गब्बी और सारा अली खान की नई तिकड़ी करेगी धमाल

आयुष्मान खुराना को पति पत्नी और वो 2 के लिए अपनी नायिका मिल गई है । जबकि सारा अली खान की पुष्टि हो गई है, PeepingMoon.com ने बताया है कि वामीका गब्बी को दूसरी महिला लीड के रूप में फाइनल किया गया है।

जुबली और बेबी जॉन में अपने बेहतरीन अभिनय के लिए जानी जाने वाली वामिका इस विचित्र कॉमिक कैपर में "पत्नी" का किरदार निभाएंगी, जबकि उनकी प्रेमिका सारा का किरदार निभाएंगी, जिसे शीर्षक में "वो" कहा गया है। आयुष्मान कार्तिक आर्यन की जगह एक मध्यमवर्गीय व्यक्ति की भूमिका निभा रहे हैं, जो वैवाहिक अपेक्षाओं और विवाहेतर संबंधों के प्रलोभन को संतुलित करने की कोशिश में अराजकता में बदल जाता है।

सूत्रों के अनुसार, निर्माता फ्रेंचाइज़ी में नई ऊर्जा डालने के लिए "सिद्ध कॉमिक टाइमिंग के साथ ताज़ा रोमांटिक जोड़ी" की तलाश कर रहे थे और आयुष्मान-वामिका-सारा की त्रिकोणीय जोड़ी उन्हें एकदम सही लगी। वे 2019 की हिट फ़िल्म में क्रमशः कार्तिक, भूमि पेडनेकर और अनन्या पांडे द्वारा निभाई गई भूमिकाएँ निभाते हैं।

मुदस्सर अज़ीज़ सीक्वल का निर्देशन करने के लिए वापस लौटे हैं, लेकिन इस बार, उन्होंने एक नया साहसिक रास्ता चुना है, जो अपने पिछले संस्करण से काफी अलग है - खास तौर पर इसलिए क्योंकि मूल कलाकार वापस नहीं आ रहे हैं। जबकि 'पति, पत्नी और वो' 1978 में इसी नाम की फिल्म की रीमेक थी, सीक्वल एक मूल कहानी पेश करेगा, जिसे मुख्य रूप से महिलाओं के दृष्टिकोण से बताया जाएगा।

यह पहले भाग की एक सामान्य, फार्मूलाबद्ध निरंतरता नहीं होगी, बल्कि मूल के सार को बनाए रखते हुए एक नई कथा की खोज करेगी। भूषण कुमार की टी-सीरीज़ और जूनो चोपड़ा के बीआर स्टूडियो द्वारा निर्मित, यह परियोजना अगस्त में फ्लोर पर जाने वाली है, जिसे दो महीने के स्टार्ट-टू-फ़िनिश शेड्यूल में पूरा करने की योजना है।

आयुष्मान इसके बाद अपना ध्यान दिवाली पर रिलीज़ होने वाली अपनी फिल्म ' थामा' के प्रमोशन पर लगाएंगे, जो दिनेश विजान की हॉरर-कॉमेडी यूनिवर्स की नई फिल्म है। इसके बाद, वह सूरज बड़जात्या की रोमांटिक फैमिली ड्रामा में शर्वरी के साथ काम करने वाले हैं।

इस बीच, वामिका ने एक प्रभावशाली पोर्टफोलियो बनाना जारी रखा है। उनकी आने वाली परियोजनाओं में अक्षय कुमार के साथ भूत बंगला , सिद्धांत चतुर्वेदी के साथ दिल का दरवाज़ा खोल ना डार्लिंग और अदिवी शेष के साथ गुडाचारी 2 शामिल हैं। वह राज और डीके की नेटफ्लिक्स सीरीज़ रक्त ब्रह्मांड भी कर रही हैं , हालाँकि उस शो का निर्माण अनिश्चित काल के लिए टाल दिया गया है।

दूसरी ओर, सारा इस महीने अनुराग बसु की मेट्रो...इन डिनो की रिलीज़ के लिए तैयार हैं । वह धर्मा प्रोडक्शन की जासूसी कॉमेडी में आयुष्मान के साथ फिर से काम कर रही हैं, जिसकी शूटिंग पहले ही पूरी हो चुकी है और उम्मीद है कि यह साल के अंत तक या अगले साल की शुरुआत में सिनेमाघरों में आएगी।

वीर पहाड़िया को डेट कर रही हैं तारा सुतारिया?:एक साथ इटली में मना रहे हैं वेकेशन

तारा सुतारिया और वीर पहाड़िया इन दिनों अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। खबरें हैं कि दोनों एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं। हाल ही में दोनों स्टार्स की लेटेस्ट सोशल मीडिया पोस्ट्स के बाद डेटिंग की खबरें और भी तेज हो गई हैं। हालांकि, इस मामले में तारा और वीर की तरफ से अब तक कोई रिएक्शन सामने नहीं आया है।

वीर पहाड़िया ने मंगलवार को अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर की, जिसमें वह इटली के एक यॉट पर पोज देते हुए नजर आ रहे थे। उनके पीछे एक बड़ा सा पहाड़ दिखाई दे रहा था।

इसके कुछ ही देर बाद तारा सुतारिया ने भी अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक तस्वीर शेयर की, जिसमें पहाड़ और समुद्र का खूबसूरत नज़ारा दिखाई दे रहा था। इन दोनों पोस्ट्स के सामने आने के बाद फैंस कयास लगाने लगे कि तारा और वीर साथ में वेकेशन पर गए हैं।

दोनों रैंप वॉक पर साथ आए थे नजर बता दें, इससे पहले वीर पहाड़िया और तारा सुतारिया ने लैक्मे फैशन वीक के दौरान एक साथ रैंप वॉक किया था। इसके बाद दोनों को एक पॉश रेस्टोरेंट में डिनर करते हुए स्पॉट किया गय। यहीं से दोनों के डेटिंग रूमर्स की शुरुआत हो गई।

बादशाह के साथ भी जुड़ चुका है तारा का नाम

बता दें, रियलिटी शो 'इंडियन आइडल 15' के सेट से बादशाह और तारा सुतारिया के बीच डेटिंग की खबरें शुरू हुईं। जब शिल्पा शेट्टी ने मजाकिया अंदाज में तारा सुतारिया का नाम लेकर बादशाह को चिढ़ाया था। इस पर रैपर शर्मा गए, जिसके बाद से सोशल मीडिया पर कयास लगाए जाने लगे कि तारा और बादशाह एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं।

2023 में हुआ था तारा और अदार का ब्रेकअप

बता दें, तारा सुतारिया ने पहले एक्टर आदर जैन को डेट किया था। दोनों चार साल तक रिलेशनशिप में रहे थे। हालांकि, साल 2023 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इसके बाद आदार ने अलेखा आडवाणी के साथ शादी कर ली थी, जो पहले तारा की बेस्ट फ्रेंड थीं।

सारा अली खान को भी डेट कर चुके हैं वीर

महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री सुशील कुमार शिंदे के नाती वीर पहरिया सारा अली खान को डेट कर चुके हैं। 2018 में एक मैगजीन को दिए इंटरव्यू में सारा अली खान ने इस रिश्ते को लेकर खुलकर बात की। सारा ने इंटरव्यू में कहा था, वह (वीर) इकलौता लड़का है, जिसे मैंने डेट किया है। उनके अलावा मेरी जिंदगी में कोई ब्वॉयफ्रेंड नहीं रहा।

शुभमन बोले बुमराह फिट, लेकिन खेलने का फैसला जल्द, स्टोक्स बोले

-पंत खतरनाक प्लेयर मुझे उनकी बैटिंग पसंद

टीम इंडिया इस समय इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली आगामी टेस्ट सीरीज की तैयारियों में जुटी हुई है। सीरीज से पहले भारत के युवा बल्लेबाज शुभमन गिल ने बड़ा अपडेट देते हुए बताया कि तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह पूरी तरह फिट हैं, लेकिन उन्हें अंतिम प्लेइंग इलेवन में खेलने का फैसला मेडिकल टीम और टीम मैनेजमेंट की चर्चा के बाद लिया जाएगा। वहीं, इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने ऋषभ पंत की तारीफ करते हुए कहा है कि वह बेहद खतरनाक खिलाड़ी हैं और उन्हें पंत की बल्लेबाजी देखना बहुत पसंद है।टीम इंडिया के टेस्ट कप्तान शुभमन गिल ने कहा कि जसप्रीत बुमराह दूसरा मुकाबला खेलने के लिए अवेलेबल और फिट हैं, लेकिन वर्कलोड मैनेजमेंट देखते हुए ही फैसला लेंगे कि वे प्लेइंग-11 का हिस्सा बनेंगे या नहीं। वहीं इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने कहा, ऋषभ पंत खतरनाक प्लेयर हैं, लेकिन उनकी बैटिंग देखना पसंद है। गिल ने मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, हमें बस 20 विकेट लेने वाले सही बॉलिंग कॉम्बिनेशन की तलाश है। साथ ही हमें थोड़े रन भी बनाने होंगे। मैच से पहले पिच देखने के बाद ही फैसला लेंगे कि प्लेइंग-11 क्या होगी।

बुमराह के बिना बेस्ट कॉम्बिनेशन पर फोकस

शुभमन ने आगे कहा, 'बुमराह अगर नहीं खेल सकें तो टीम को उनकी कमी खलेगी। हालांकि, हमें सीरीज से पहले ही पता था कि वे 3 ही मुकाबले खेल सकेंगे। इसलिए मैनेजमेंट ने मिलकर पहले ही डिसाइड कर लिया है कि अगर बुमराह नहीं खेलें तो उनकी जगह कौन लेगा। हमारा फोकस उनके बिना बेस्ट बॉलिंग कॉम्बिनेशन तलाशने पर है।'

बॉलिंग और बैटिंग दोनों में गहराई चाहते हैं

गिल बोले, 'टीम फिलहाल बैटिंग और बॉलिंग दोनों में गहराई तलाशना चाह रही है। ताकि बैटिंग में नंबर-8 से नीचे भी कुछ रन बन सके। साथ ही बॉलिंग में 4 तेज गेंदबाजों के साथ 2 पार्ट टाइम बॉलर्स भी अवेलेबल हों। अगर हम सीरीज के दौरान यह कॉम्बिनेशन हासिल कर पाएं तो बहुत बेहतर होगा।'

स्टोक्स बोले- पंत खतरनाक बैटर, लेकिन उनकी बैटिंग देखना पसंद

इंग्लैंड के कप्तान बेन स्टोक्स ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, 'पंत भले ही दूसरी टीम में हैं, लेकिन मुझे उनकी बैटिंग पसंद है। जब आप पंत जैसे टैलेंटेड प्लेयर को छूट देते हैं तो उनका बेस्ट प्रदर्शन सामने आता है। वे बहुत खतरनाक प्लेयर हैं, मुझे उनकी बैटिंग देखना पसंद है।' स्टोक्स ने आगे कहा, 'मोईन अली टीम के साथ जुड़कर युवा स्पिनर्स की मदद कर रहे हैं। मुझे लगता है कि मोईन जैसे जितने ज्यादा अनुभवी प्लेयर्स टीम का मार्गदर्शन करेंगे, युवा प्लेयर्स उतना ही बेहतर परफॉर्म करेंगे। उन्होंने शोएब बशीर के साथ बहुत देर बातचीत की और बॉलिंग स्ट्रैटजी में उनकी मदद की।'

दूसरा टेस्ट बर्मिंघम में खेला जाएगा

भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरा टेस्ट 2 जुलाई से बर्मिंघम के एजबेस्टन स्टेडियम में खेला जाएगा। इंग्लैंड ने लीड्स में पहला टेस्ट जीतकर 5 मैच की सीरीज में 1-0 की बढ़त बना ली है। टीम इंडिया दूसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 में 2 या 3 बदलाव कर सकती है।

इंग्लैंड ने प्लेइंग-11 में बदलाव नहीं किया

इंग्लैंड ने मुकाबले से पहले ही दूसरे टेस्ट की प्लेइंग-11 रिलीज कर दी। टीम में कोई बदलाव नहीं हुआ। इंग्लिश टीम क्रिस वोक्स, ब्रायडन कार्स, जोश टंग और शोएब बशीर के बॉलिंग कॉम्बिनेशन के साथ ही उतरेगी। ऑलराउंडर के रूप में स्टोक्स भी बॉलिंग करते हैं।

इंग्लैंड की प्लेइंग-11:

बेन स्टोक्स (कप्तान), जैक क्रॉली, बेन डकेट, ओली पोप, जो रूट, हैरी ब्रूक, जैमी स्मिथ (विकेटकीपर), ब्रायडन कार्स, जोश टंग, क्रिस वोक्स और शोएब बशीर।

भारत की पॉसिबल प्लेइंग-11:

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, साई सुदर्शन, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), करुण नायर/ध्रुव जुरेल, नीतीश रेड्डी, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज और प्रसिद्ध कृष्णा।

बुमराह को लेकर शुभमन का बयान

शुभमन गिल ने प्रैक्टिस सेशन के बाद मीडिया से बातचीत में कहा,"जसप्रीत भाई नेट्स में गेंदबाजी कर रहे हैं, उनकी फिटनेस पहले से काफी बेहतर है। वे गेंदबाजी में लय पकड़ रहे हैं, लेकिन अभी खेलने का फैसला नहीं हुआ है। टीम मैनेजमेंट और फिजियो उनकी स्थिति को लगातार मॉनिटर कर रहे हैं। अगर उन्हें खेलाने का फैसला होता है तो टीम को इसका बड़ा फायदा मिलेगा।" गौरतलब है कि जसप्रीत बुमराह लंबे समय से पीठ की चोट के चलते टीम से बाहर थे। वह पिछले कुछ समय से एनसीए में रिहैब कर रहे थे और अब पूरी तरह फिट होकर टीम के साथ प्रैक्टिस कर रहे हैं। बुमराह की वापसी से भारतीय गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी, जो इंग्लैंड जैसी मजबूत बल्लेबाजी लाइन-अप के खिलाफ अहम साबित हो सकती है।

भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज शुरू होने में कुछ ही दिन बाकी हैं। भारतीय टीम ने बेंगलुरु और फिर मोहाली में प्रैक्टिस सेशन कर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप दिया। खिलाड़ियों ने नेट्स में लंबी बल्लेबाजी की और तेज गेंदबाजों ने अपनी लय को दुरुस्त करने पर फोकस रखा। कोच गौतम गंभीर ने खिलाड़ियों को अलग-अलग परिस्थितियों में खेलने की रणनीतियों पर भी चर्चा की।

पिच और मौसम का हाल

पहले टेस्ट मैच के लिए मोहाली की पिच बल्लेबाजों और स्पिन गेंदबाजों के लिए मददगार मानी जा रही है। यहां सुबह के सत्र में तेज गेंदबाजों को हल्की स्विंग और बाउंस मिल सकता है, लेकिन जैसे-जैसे दिन बढ़ेगा, पिच धीमी होगी और स्पिनर्स का रोल बढ़ जाएगा। मौसम पूरी तरह साफ रहने की संभावना है, जिससे मैच के सभी दिन खेल होने की उम्मीद है।

स्मृति मंधाना टी-20 रैंकिंग में तीसरे नंबर पर पहुंचीं, इंग्लैंड के खिलाफ शतक का फायदा

-वनडे में नंबर-1 पर कायम

भारतीय महिला क्रिकेट टीम की स्टार ओपनर स्मृति मंधाना ने अपने शानदार प्रदर्शन से एक बार फिर देश का नाम रोशन किया है। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज में उनके बेहतरीन शतक ने उन्हें ICC महिला टी-20 बैटर्स रैंकिंग में तीसरे स्थान पर पहुंचा दिया है। वहीं वनडे रैंकिंग में वह अब भी नंबर-1 पर कायम हैं। यह भारतीय महिला क्रिकेट के लिए गर्व का क्षण है और स्मृति की मेहनत, निरंतरता और उनके आत्मविश्वास का नतीजा है। इंडिया विमेंस क्रिकेट टीम की उप कप्तान स्मृति मंधाना को ICC टी-20 बैटर्स रैंकिंग में फायदा पहुंचा है। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 में सेंचुरी लगाने के बाद वे तीसरे नंबर पर पहुंच गईं। 112 रन की पारी खेलने के चलते मंधाना ने करियर बेस्ट 771 रेटिंग पॉइंट्स हासिल कर लिए। स्मृति वनडे रैंकिंग में नंबर-1 पर कायम हैं।

टी-20 करियर की पहली सेंचुरी लगाई थी

इंग्लैंड के खिलाफ शतक मंधाना का टी-20 इंटरनेशनल करियर में पहला ही शतक था। इसी के साथ वे तीनों फॉर्मेट में शतक लगाने वाली भारत की पहली महिला क्रिकेटर बनीं। मंधाना मंगलवार रात 11 बजे से इंग्लैंड के खिलाफ अपना 150वां टी-20 भी खेलेंगी। भारत ने सीरीज में 1-0 की बढ़त बनाए रखी है।

ताहलिया मैक्ग्रा को चौथे पर धकेला

मंधाना ने करियर बेस्ट इनिंग खेलकर बैटर्स रैंकिंग में ऑस्ट्रेलिया की ताहलिया मैक्ग्रा को चौथे नंबर पर धकेल दिया। ऑस्ट्रेलिया की बेथ मूनी पहले और वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज दूसरे नंबर पर बरकरार हैं। भारतीय प्लेयर्स में शेफाली वर्मा भी 1 नंबर की छलांग लगाकर 13वें स्थान पर पहुंच गईं। हरमनप्रीत कौर 12वें नंबर पर हैं। जेमिमा रोड्रिग्ज को 1 स्थान का नुकसान हुआ, वे 15वें नंबर पर पहुंच गईं। इंग्लैंड के खिलाफ पहले टी-20 में 23 गेंद पर 43 रन बनाने वालीं हरलीन देओल की बैटर्स रैंकिंग में वापसी हुईं। वे 86वें नंबर पर पहुंच गईं।

दीप्ति और रेणुका को 1-1 स्थान का नुकसान

टी-20 बॉलर्स रैंकिंग में भारत की ऑफ स्पिनर दीप्ति शर्मा और रेणुका सिंह को 1-1 स्थान का नुकसान हुआ। दीप्ति तीसरे और रेणुका छठे स्थान पर खिसक गईं। पाकिस्तान की सादिया इकबाल टॉप पर कायम हैं। ऑस्ट्रेलिया की एनाबेल सदरलैंड दूसरे नंबर पर पहुंच गईं। वहीं इंग्लैंड की लौरेन बेल ने चौथा स्थान हासिल कर लिया।

ऑलराउंडर्स रैंकिंग में दीप्ति तीसरे नंबर पर

सबसे छोटे फॉर्मेट की टॉप-10 ऑलराउंडर्स रैंकिंग में 1 ही बदलाव हुआ। इंग्लैंड की सोफी एक्लेस्टन एक स्थान के नुकसान के बाद 11वें नंबर पर पहुंच गईं। उनकी जगह पाकिस्तान की फातिमा सना 10वें नंबर पर पहुंचीं। भारत की दीप्ति शर्मा तीसरे नंबर पर कायम हैं। वेस्टइंडीज की हेली मैथ्यूज पहले और न्यूजीलैंड की अमीलिया केर दूसरे नंबर पर हैं।

टी-20 रैंकिंग में टॉप-5

बेथ मूनी (ऑस्ट्रेलिया) – 764 पॉइंट्स

सोफी डिवाइन (न्यूजीलैंड) – 738 पॉइंट्स

स्मृति मंधाना (भारत) – 732 पॉइंट्स

सुजी बेट्स (न्यूजीलैंड) – 719 पॉइंट्स

शेफाली वर्मा (भारत) – 710 पॉइंट्स

इस लिस्ट में स्मृति ने तीसरा स्थान हासिल कर लिया है और आगे आने वाले मैचों में उनके पास **नंबर-2 या नंबर-1 पर पहुंचने का भी सुनहरा मौका है।**

वनडे में अब भी नंबर-1 पर कायम

स्मृति मंधाना वनडे में भी दुनिया की नंबर-1 महिला बैटर बनी हुई हैं। उन्होंने पिछले वर्ष से अपनी फॉर्म को बरकरार रखा है और लगातार शतक और अर्धशतक बनाकर टीम को मजबूत शुरुआत दी है। वनडे में उनके नाम अभी तक 24 अर्धशतक और 6 शतक दर्ज हैं। हाल ही में इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज में भी उन्होंने 84 और 67 रनों की अहम पारियां खेली, जिससे उनका रैंकिंग में दबदबा बना हुआ है। ICC वनडे बैटर्स रैंकिंग में उनके 789 पॉइंट्स हैं और दूसरे नंबर पर मौजूद एलिसा हीली (ऑस्ट्रेलिया) उनसे 45 पॉइंट्स पीछे हैं।

स्मृति मंधाना का अब तक का करियर

टी-20 इंटरनेशनल: 137 मैच, 3067 रन, औसत 29.45, स्ट्राइक रेट 123.45, शतक – 3, अर्धशतक – 23

वनडे इंटरनेशनल: 88 मैच, 3215 रन, औसत 42.30, स्ट्राइक रेट 86.10, शतक – 6, अर्धशतक – 24

स्मृति ने 2013 में भारत के लिए डेब्यू किया था और तभी से उन्होंने खुद को एक भरोसेमंद ओपनर के तौर पर स्थापित किया। उनकी बल्लेबाजी में लेफ्ट हैंडर का नैचुरल फ्लो, टाइमिंग और ग्राउंड शॉट्स में विविधता देखने को मिलती है। वह दबाव में भी शांत रहकर टीम को मजबूत शुरुआत देने में सफल रही हैं।

टीम के लिए अहम भूमिका

स्मृति मंधाना सिर्फ रन बनाने वाली खिलाड़ी नहीं बल्कि वह टीम के लिए मैच जिताने वाली खिलाड़ी हैं। उनकी शुरुआती तेज पारी भारत को बड़े स्कोर तक पहुंचाने में मदद करती है। इंग्लैंड, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड जैसी मजबूत टीमों के खिलाफ भी वह बड़े मैचों में शानदार प्रदर्शन कर चुकी हैं। उनके प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट टीम का आत्मविश्वास बढ़ा है और युवा खिलाड़ी उनसे प्रेरणा ले रहे हैं। स्मृति, शेफाली वर्मा और हरमनप्रीत कौर जैसी खिलाड़ी भारतीय टीम की बैटिंग लाइन अप को मजबूती प्रदान कर रही हैं।

भारत-बांग्लादेश सीरीज पर सस्पेंस बरकरार,BCB बोला BCCI सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा

-अगस्त में नहीं तो बाद में होगी सीरीज

ढाका/नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश के बीच प्रस्तावित क्रिकेट सीरीज पर अब भी सस्पेंस बरकरार है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के अध्यक्ष नजमुल हसन पापॉन ने कहा है कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) अभी भारतीय सरकार की मंजूरी का इंतजार कर रहा है। अगर यह सीरीज अगस्त में नहीं हो पाती है तो बाद में इसे आयोजित करने पर विचार किया जाएगा। BCB अध्यक्ष के मुताबिक, भारतीय टीम को अगस्त में बांग्लादेश का दौरा करना था, लेकिन अभी तक BCCI ने स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। दरअसल, भारत में अगस्त-सितंबर में घरेलू व्यस्त कार्यक्रम और राजनीतिक हालात के कारण कुछ समय के लिए दौरे पर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (BCB) के अध्यक्ष अमीनुल इस्लाम ने कहा है कि भारत के खिलाफ होने वाली वनडे और टी-20 सीरीज को लेकर स्थिति अभी साफ नहीं है। उन्होंने बताया कि भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (BCCI) को अपनी सरकार की मंजूरी का इंतजार है। भारत को 17 अगस्त से बांग्लादेश का दौरा करना है, जहां 3 वनडे और 3 टी20 मैच खेले जाने थे। लेकिन मौजूदा राजनीतिक हालात के चलते यह सीरीज तय समय पर होनी मुश्किल लग रही है। अमीनुल ने बताया कि अगर यह सीरीज अगस्त में नहीं हो पाती, तो हम भविष्य में किसी और समय पर आयोजन करने की कोशिश करेंगे।

विकल्पों पर चर्चा जारी- अमीनुल

शेर-ए-बांग्ला नेशनल स्टेडियम में सोमवार (30 जून) को हुई बोर्ड मीटिंग के बाद मीडिया से बात करते हुए अमीनुल इस्लाम ने कहा, हमारी BCCI से पॉजिटिव बातचीत चल रही है। यह जरूरी नहीं कि सीरीज अगस्त या सितंबर में ही हो, हम इसे आगे किसी और समय पर कराने की योजना बना रहे हैं। BCCI को अपनी सरकार से मंजूरी का इंतजार है।

सिलेक्शन कमेटी में बदलाव की तैयारी

अमीनुल ने बताया कि विमेंस टीम के लिए जल्द ही महिला चयनकर्ता को शामिल किया जाएगा। अभी केवल सज्जाद अहमद ही महिला टीम के चयनकर्ता हैं। उन्होंने कहा कि महिला क्रिकेट को लेकर गंभीरता बढ़ाई जा रही है। मेंस टीम की चयन समिति में भी बदलाव किया जा रहा। फिलहाल गाजी अशरफ और अब्दुर रज्जाक दो सदस्य हैं, लेकिन अब एक और चयनकर्ता को जोड़ा जाएगा, ताकि चयन प्रक्रिया और अच्छे से हो सके। अमीनुल ने कहा, 2 लोगों के लिए सब कुछ कवर करना मुश्किल हो रहा है, इसलिए विस्तार जरूरी है।

बांग्लादेश में अंपायरिंग सुधार की जिम्मेदारी साइमन टॉफेल को

पूर्व इंटरनेशनल एलीट अंपायर साइमन टॉफेल अब बांग्लादेश में अंपायरों को ट्रेनिंग देंगे। उन्हें 3 साल का कॉन्ट्रैक्ट मिला है। अमीनुल ने कहा, साइमन टॉफेल और उनकी टीम बांग्लादेश के अंपायरों को ट्रेन करने के लिए हमारे साथ काम करेगी।

दिसंबर-जनवरी में BPL कराने की तैयारी

BCB ने यह भी फैसला लिया कि अगला बांग्लादेश प्रीमियर लीग (BPL) दिसंबर-जनवरी में आयोजित किया जाएगा। इस बार आयोजन की जिम्मेदारी एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी को दी जाएगी, जिससे लीग को और अच्छे से चलाया जा सके।

सीरीज में तीन टी-20 और तीन वनडे संभावित

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस सीरीज में तीन टी-20 और तीन वनडे मैच खेले जाने की संभावना है। बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड चाहता है कि यह सीरीज अगस्त में ही हो जाए ताकि वर्ल्ड कप 2025 की तैयारियों में मदद मिले। BCB अध्यक्ष ने कहा कि भारतीय टीम के दौरे से बांग्लादेशी खिलाड़ियों को अच्छा अभ्यास मिलेगा, साथ ही घरेलू दर्शकों को भी एक बड़ी सीरीज देखने को मिलेगी। उन्होंने कहा, "हम भारतीय बोर्ड के लगातार संपर्क में हैं। उन्होंने हमें जानकारी दी है कि भारतीय सरकार की तरफ से मंजूरी का इंतजार है। अगर अगस्त में यह सीरीज नहीं हो पाती है तो बाद में किसी और विंडो में इसे कराने की कोशिश करेंगे।"

भारतीय टीम का व्यस्त कार्यक्रम भी वजह

भारत की बात करें तो अगस्त में टीम इंडिया का व्यस्त कार्यक्रम है। श्रीलंका और न्यूजीलैंड जैसी टीमों के खिलाफ घरेलू सीरीज के अलावा, खिलाड़ियों को घरेलू टूर्नामेंट में भी हिस्सा लेना है। साथ ही, सितंबर में एशिया कप का आयोजन भी प्रस्तावित है। ऐसे में बीसीसीआई हर सीरीज की प्लानिंग बहुत सोच-समझकर कर रही है ताकि खिलाड़ियों पर वर्कलोड का दबाव न पड़े।

राजनीतिक हालात भी एक कारण भारत-बांग्लादेश सीरीज के लिए भारतीय सरकार की मंजूरी इसलिए भी जरूरी है क्योंकि यह दौरा द्विपक्षीय संबंधों और दोनों देशों की सुरक्षा स्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारतीय टीम के बांग्लादेश दौरे पर सुरक्षा इंतजामों की समीक्षा जरूरी है। इसी वजह से BCCI ने अंतिम सहमति से पहले सरकार की अनुमति लेना जरूरी समझा है।

BCCI का बयान- सरकार की अनुमति के बाद ही निर्णय

बीसीसीआई सूत्रों का कहना है कि उन्हें सीरीज कराने में कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन विदेश मंत्रालय और गृह मंत्रालय से हरी झंडी मिलने के बाद ही अंतिम कार्यक्रम घोषित किया जाएगा।

संजू सैमसन को CSK में शामिल करने की तैयारी,ऋतुराज के बदले हो सकता है बड़ा ट्रेड

-राजस्थान को 2022 में फाइनल में पहुंचाया था

इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) की दुनिया में एक और बड़ा ट्रेड संभव नजर आ रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) संजू सैमसन को अपनी टीम में शामिल करना चाहती है। इसके लिए CSK राजस्थान रॉयल्स को अपने कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ के बदले ट्रेड ऑफर कर सकती है। अगर यह ट्रेड होता है, तो IPL की सबसे स्थिर टीम मानी जाने वाली CSK की कप्तानी और टीम कॉम्बिनेशन में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। IPL में खिलाड़ियों की ट्रेडिंग विंडो खुल चुकी है। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान और विकेटकीपर-बल्लेबाज संजू सैमसन को चेन्नई सुपर किंग्स (CSK) अपनी टीम में शामिल करना चाहती है। हालांकि अभी तक CSK की रॉयल्स मैनेजमेंट से कोई ऑफिशियल बातचीत नहीं हुई है। क्रिकबज से बात करते हुए CSK के एक सीनियर अधिकारी ने बताया, हम संजू को लेकर निश्चित रूप से सोच रहे हैं। वह एक इंडियन ओपनर हैं, विकेटकीपर भी हैं और अगर उपलब्ध हुए, तो हम जरूर उन्हें लाने पर विचार करेंगे। हालांकि अभी यह तय नहीं है कि उनके बदले किस खिलाड़ी को ट्रेड किया जाएगा। संजू सैमसन ने बतौर कप्तान 2022 में राजस्थान को 14 साल बाद IPL फाइनल में पहुंचाया था।

संजू के बदले ऋतुराज को छोड़ सकती है

CSK IPL 2025 में संजू सैमसन राजस्थान द्वारा 18 करोड़ में रिटेन किए गए पहले खिलाड़ी थे। वहीं, CSK के कप्तान ऋतुराज गायकवाड़ भी इतने ही रुपए पर रिटेन किए गए थे। ऐसे में दोनों के बीच ट्रेड की चर्चा उठना स्वाभाविक है। लेकिन कोच स्टीफन फ्लेमिंग पहले ही कह चुके हैं कि ऋतुराज को कप्तान लंबी योजना के तहत बनाया गया है।

राजस्थान पर एक नहीं, कई फ्रेंचाइजियों की नजर

राजस्थान रॉयल्स ने IPL 2025 के बाद हाल ही में लंदन में रिव्यू मीटिंग की थी, जिसमें कोच राहुल द्रविड़ भी मौजूद थे। मीटिंग में माना गया कि कई फ्रेंचाइजियों ने संजू समेत कई खिलाड़ियों के लिए

रुचि दिखाई है। RR के पास संजू के अलावा ध्रुव जुरेल जैसा एक और विकेटकीपर-बल्लेबाज है, जो टीम के लिए वैल्यूएबल एसेट बनकर उभरे हैं।

संजू 2021 से RR के कप्तान

संजू सैमसन 2013 से राजस्थान रॉयल्स सेटअप का हिस्सा बने और 2021 में उन्हें टीम का कप्तान बनाया गया। केरल के इस बल्लेबाज ने IPL में 4000 से अधिक रन बनाए हैं और उनके नाम तीन शतक हैं। 2021 में रॉयल्स के कप्तान के रूप में उनके पहले सीजन में उन्होंने 484 रन बनाए, जिसमें कप्तान के रूप में अपने पहले IPL मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ 63 गेंदों में 119 रनों की शानदार पारी शामिल है।

IPL में ट्रेडिंग के तरीके, 3 पॉइंट्स

1. ट्रेडिंग विंडो 2 बार खुलती है

IPL 2025 खत्म होने के 7 दिन बाद से लेकर IPL 2026 की नीलामी के 7 दिन तक।

IPL 2026 नीलामी के अगले दिन से लेकर IPL 2026 शुरू होने के 30 दिन पहले तक।

2. ट्रेड के नियम क्या हैं?

विदेशी खिलाड़ी के लिए NOC जरूरी होता है।

नीलामी में खरीदे गए खिलाड़ी उसी साल ट्रेड नहीं हो सकते।

एक खिलाड़ी एक सीजन में सिर्फ एक बार ट्रेड हो सकता है।

ट्रेड की रकम फ्रेंचाइजी के सैलरी कैप में शामिल नहीं होगी, लेकिन खिलाड़ी की सैलरी होगी। खिलाड़ी की फिटनेस की जिम्मेदारी खरीदने वाली फ्रेंचाइजी की होगी।

3. ट्रेड के तरीके

सीधी ट्रेड- बिना किसी अतिरिक्त रकम के खिलाड़ी की अदला-बदली। नेगोशिएटेड इन्क्रीज- अगर खिलाड़ी की सैलरी बढ़ाई जाती है, तो उसका हिस्सा खिलाड़ी और बेचने वाली टीम में बंटता है। इसके बाद खिलाड़ी नया कॉन्ट्रैक्ट साइन करेगा। नेगोशिएटेड डिक्रीज- अगर खरीदने वाली टीम खिलाड़ी को कम फीस में लेती है, तो अंतर की राशि उसे बेचने वाली टीम देगी। लेकिन खिलाड़ी की सैलरी नहीं घटेगी। स्वेच्छा से सैलरी में कटौती- अगर खिलाड़ी खुद कम फीस लेने को तैयार हो, तो यह ट्रेड संभव है, बशर्ते BCCI को लिखित सहमति मिले। BCCI को इसमें अगर कोई गड़बड़ी लगती है तो वह ट्रेड रद्द कर सकता है।

मनोज बडाले लेंगे अंतिम फैसला

राजस्थान रॉयल्स के मालिक मनो बडाले ट्रेडिंग पर अंतिम फैसला लेंगे। अभी तक उनके और टीम अधिकारियों के मोबाइल पर भेजे गए मैसेज का कोई जवाब नहीं आया है। संभावना है कि संजू सैमसन की ट्रेडिंग अगर हुई भी, तो वह तभी संभव होगी जब राजस्थान को उनके बदले कोई समान मूल्य का खिलाड़ी मिले। ऐसे में CSK को बड़ा ऑफर तैयार करना पड़ सकता है।

कोलकाता हाईकोर्ट का बड़ा फैसला,शमी देंगे पत्नी-बेटी को हर महीने ₹4 लाख

-पिछले 7 साल का बकाया भी चुकाना होगा

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को लेकर कोलकाता हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि शमी अपनी अलग रह रही पत्नी हसीन जहां और बेटी को हर महीने ₹4 लाख गुजारा भत्ता देंगे। यह फैसला सिर्फ वर्तमान से ही लागू नहीं होगा, बल्कि यह पिछले सात साल से लागू माना जाएगा, यानी इस अवधि का पूरा बकाया भी शमी को देना होगा। इस फैसले से ना सिर्फ हसीन जहां को राहत मिली है बल्कि यह मामला फिर से चर्चा में आ गया है, क्योंकि साल 2018 से यह कानूनी लड़ाई जारी थी। मोहम्मद शमी को कोलकाता हाई कोर्ट ने तलाक में अपनी पत्नी से अलग रहे हसीन जहां और बेटी आयरा को हर महीने 4 लाख रुपये देने का आदेश दिया है। मोहम्मद शमी को ये रुपये महीने के मेंटीनेंस के लिए देने होंगे। शमी के इस केस की सुनवाई 21 अप्रैल, 2025 को हुई थी, जिस पर 1 जुलाई, 2025 को फैसला आया। आदेश के मुताबिक हसीन जहां को 1.50 लाख रुपये और बेटी आयरा को 2.50 लाख रुपये प्रतिमाह मिलेंगे। यह राशि पिछले सात साल से लागू होगी। वहीं, निचली अदालत को छह महीने में मामले का निपटारा करने का निर्देश दिया गया है।

क्या है मामला?

कोलकत्ता हाईकोर्ट ने निचली अदालत को भी अगले छह महीने के अंदर इस केस को डिस्पोजल करने का आदेश दिया है। मोहम्मद शमी और हसीन जहां का निकाह 7 अप्रैल, 2014 में हुआ था। शादी के करीब एक साल बाद 17 जुलाई, 2015 को दोनों के एक बेटी ने जन्म लिया, जिसका नाम इन्होंने आयरा रखा। शमी को बेटी आयरा के होने के बाद पता चला कि हसीन जहां पहले से शादी-शुदा थी और उसके पहली शादी से दो बच्चे भी थे। मोहम्मद शमी की पत्नी ने क्रिकेटर और उनके परिवार पर हिंसा करने का आरोप लगाया। इसके बाद 2018 से ही इस मामले में सुनवाई चल रही है। इस पर फैसला पहले ही आ चुका है। लेकिन शमी की पत्नी को मिलने वाली राशी कम दिख रही थी, इसलिए उन्होंने कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था।

केस की पृष्ठभूमि

मार्च 2018 में हसीन जहां ने शमी पर घरेलू हिंसा, मारपीट, धोखाधड़ी और विवाहेतर संबंधों के गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद दोनों अलग हो गए और हसीन जहां ने गुजारा भत्ते के लिए कोर्ट में अर्जी दी थी। शुरुआत में लोअर कोर्ट ने शमी को ₹80,000 प्रति माह देने का आदेश दिया था, लेकिन हसीन जहां ने इस फैसले को चुनौती देते हुए ₹10 लाख प्रति माह की मांग रखी थी।

हसीन जहां की प्रतिक्रिया

फैसले के बाद हसीन जहां ने कहा कि "मैं अदालत के फैसले का स्वागत करती हूं। मैं अपने और अपनी बेटी के अधिकारों के लिए लड़ती रहूंगी। अदालत ने जो फैसला दिया है, उससे मेरे जीवन में कुछ स्थिरता आएगी।"

हसीन जहां का कहना है कि उन्होंने अपनी बेटी की पढ़ाई और परवरिश के लिए यह लड़ाई लड़ी थी और वह बेटी की अच्छी परवरिश करना चाहती हैं।

शमी की ओर से प्रतिक्रिया

मोहम्मद शमी या उनके वकीलों की ओर से अभी तक इस फैसले पर सार्वजनिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। हालांकि संभावना है कि शमी इस आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दे सकते हैं।

नेशनल हेराल्ड केस में ईडी का दावा, सोनिया-राहुल गांधी 2000 करोड़ की प्रॉपर्टी हड़पना चाहते थे

-90 करोड़ के कर्ज के बदले हथियाने की साजिश

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड मनी लॉन्ड्रिंग केस में प्रवर्तन निदेशालय (ED) ने बुधवार को दिल्ली की अदालत में बड़ा दावा किया। ईडी ने कहा कि कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) की करीब 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति को महज 90 करोड़ रुपए के कर्ज के बदले हड़पने की कोशिश की।

ईडी बोली: कोई समझदार आदमी 2000 करोड़ की संपत्ति 90 करोड़ में क्यों बेचेगा?

ईडी के वकील एडिशनल सॉलिसिटर जनरल वी. राजू ने कोर्ट में कहा कि AJL घाटे में थी, लेकिन उसके पास 2000 करोड़ रुपए की संपत्ति मौजूद थी। इसके बावजूद AJL ने ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी (AICC) से 90 करोड़ रुपए का कर्ज लिया। जब कर्ज चुकाने की बारी आई, तो AJL ने कहा कि वह चुकाने में असमर्थ है।

एएसजी ने सवाल उठाया कि, "कोई भी समझदार व्यक्ति 90 करोड़ के कर्ज के बदले 2000 करोड़ की संपत्ति क्यों बेचेगा? यहां पूरी कंपनी को हथियाने की साजिश रची गई।"

यंग इंडियन कंपनी बनाकर साजिश का आरोप

ईडी ने कहा कि सोनिया गांधी और राहुल गांधी ने AJL को हड़पने के लिए यंग इंडियन कंपनी बनाई। इस कंपनी में सोनिया और राहुल गांधी की 76% हिस्सेदारी है। इसके माध्यम से AJL का अधिग्रहण किया गया, जबकि असल में कोई लेन-देन नहीं किया गया।

दिखावटी फंडिंग, असल में पैसा नहीं गया: ईडी

ईडी के अनुसार, यह एक दिखावटी फंडिंग थी, असल में AJL से कोई वित्तीय लेन-देन नहीं हुआ। कंपनी ने कांग्रेस से 90 करोड़ का कर्ज लिया था, फिर भुगतान में असमर्थता जताई और यंग इंडियन ने कंपनी अपने कब्जे में ले ली। इस प्रकार AJL की करोड़ों की संपत्ति को हथियाने की योजना बनाई गई।

सोनिया-राहुल को 142 करोड़ का फायदा हुआ: ईडी का दावा

पिछली सुनवाई में ईडी ने अदालत में कहा था कि इस मनी लॉन्ड्रिंग केस में सोनिया गांधी और राहुल गांधी को नवंबर 2023 तक 142 करोड़ रुपए का लाभ मिला। ईडी का कहना है कि यंग इंडियन के जरिए AJL को हथियाने की यह साजिश राजनीतिक और आर्थिक रूप से गंभीर मामला है।

क्या है नेशनल हेराल्ड केस?

नेशनल हेराल्ड अखबार की स्थापना 1938 में जवाहरलाल नेहरू ने की थी।

इसे एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (AJL) प्रकाशित करती थी।

अखबार बंद होने के बाद भी AJL के पास दिल्ली, मुंबई और अन्य शहरों में करोड़ों की संपत्तियां बची थीं।

कांग्रेस ने AJL को 90 करोड़ रुपए का कर्ज दिया था।

यंग इंडियन नाम की कंपनी ने AJL का अधिग्रहण कर लिया, जिसके बाद संपत्तियों पर कब्जे को लेकर यह विवाद और मामला ईडी की जांच में आया।

अगली सुनवाई में क्या होगा?

ईडी ने अदालत से सोनिया गांधी, राहुल गांधी और अन्य आरोपियों को तलब कर इस मामले की आगे जांच करने की अनुमति मांगी है। अदालत ने इस मामले पर सुनवाई की अगली तारीख तय कर दी है, जिसमें ईडी अपने साक्ष्य पेश करेगी।

इंदौर कारोबारी राजा हत्याकांड में नया मोड़,सोनम के पास मिले दो मंगलसूत्र

-भाई बोला- दूसरा कहां से आया, हो सकता प्रेमी से शादी की हो

इंदौर। इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड में नया मोड़ आ गया है। राजा के भाई विपिन रघुवंशी ने दावा किया है कि मेघालय पुलिस को सोनम के पास से दो मंगलसूत्र मिले हैं। इनमें से एक मंगलसूत्र वह है, जो राजा की शादी में सोनम को दिया गया था, लेकिन दूसरा मंगलसूत्र कहां से आया, इसका कोई पता नहीं है।

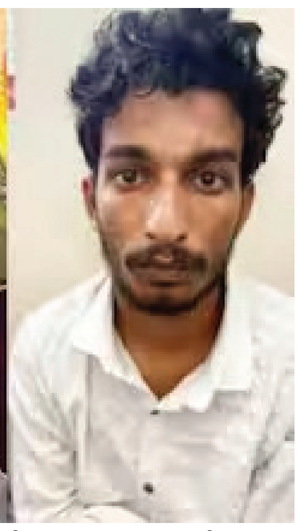

प्रेमी से शादी की संभावना जताई

विपिन ने कहा,

"हो सकता है राजा की मौत के बाद जब सोनम इंदौर में रुकी थी, तब उसने और राज कुशवाह ने शादी कर ली हो और ये दूसरा मंगलसूत्र उसी का हो।"

कब और कहां हुई थी शादी, कैसे हुआ मर्डर

11 मई को इंदौर में राजा और सोनम की शादी हुई थी।

21 मई को हनीमून के लिए असम होते हुए मेघालय पहुंचे थे।

23 मई को सोहरा के नोंगरियाट गांव से दोनों लापता हुए।

2 जून को राजा का शव वेइसाडोंग फॉल्स के पास घाटी में मिला।

9 जून को सोनम यूपी के गाजीपुर में मिली थी।

सोनम के पास मिले बिछुड़ी-पायजेब, पुलिस को गहनों के फोटो दिए

विपिन ने बताया कि पुलिस को सोनम के पास से पांच जोड़ी बिछुड़ी और पायजेब भी मिली हैं। ये गहने उनके परिवार ने सोनम को नहीं दिए थे। इसलिए सवाल है कि ये गहने सोनम के पास कहां से आए।

उन्होंने कहा कि इन चीजों की जांच से केस में कई नई बातें सामने आ सकती हैं। विपिन ने सोनम को शादी में दिए गए गहनों की फोटो भी पुलिस को दे दी हैं। इनमें रानी हार, छोटा हार, अंगूठी, टीका, चूड़ियां और चेन शामिल हैं।

सोनम के भाई पर गंभीर आरोप

विपिन ने सोनम के भाई गोविंद पर आरोप लगाया है कि वह सोनम को बचाने की कोशिश कर रहा है। विपिन ने कहा,

"शुरुआत में गोविंद कहता था कि वह राजा को न्याय दिलाएगा और सोनम को फांसी तक पहुंचाएगा। वह राजा के अंतिम कार्यक्रम में भी बिना बुलाए आया था। लेकिन अब वह सोनम के लिए वकील करने की तैयारी में है। हमें लगता है कि गोविंद ने हमारे साथ धोखा किया और भावनाओं से खेला।"

सृष्टि रघुवंशी पर केस, माफी भी मांगी

इस बीच, असम पुलिस ने राजा की मौसेरी बहन सृष्टि रघुवंशी पर केस दर्ज किया है। सृष्टि ने एक वीडियो में कहा था कि राजा की हत्या नरबलि के लिए की गई है। पुलिस का कहना है कि इस तरह की टिप्पणी धार्मिक भावनाएं भड़काने वाली और क्षेत्रीय तनाव बढ़ाने वाली है।

मामला बढ़ने पर सृष्टि ने सोशल मीडिया पर माफी मांगते हुए कहा कि उसने यह बयान भावुक होकर दिया था और उसका उद्देश्य किसी धर्म या समुदाय की भावना को आहत करना नहीं था।

विपिन ने कहा, "अगर जरूरत पड़ी, तो हम असम जाकर भी माफी मांगेंगे, क्योंकि हमारा मकसद सिर्फ राजा को न्याय दिलाना है।"

PM मोदी को घाना में 21 तोपों की सलामी

-नेहरू-नरसिम्हा राव के बाद 30 साल में घाना जाने वाले तीसरे भारतीय प्रधानमंत्री

एक्रा/नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बुधवार को अफ्रीकी देश घाना पहुंचे, जहां उनका भव्य स्वागत किया गया। घाना के राष्ट्रपति जॉन महामा ने राजधानी एक्रा में एयरपोर्ट पर खुद प्रधानमंत्री मोदी का स्वागत किया। मोदी को 21 तोपों की सलामी के साथ गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया।

भारतीय समुदाय ने किया स्वागत, बच्चों ने सुनाया संस्कृत श्लोक

एयरपोर्ट से होटल पहुंचने पर भारतीय समुदाय के लोगों ने मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। इस दौरान PM मोदी ने एक छोटे बच्चे को गोद में उठाकर प्यार किया। होटल के बाहर भारतीय पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचे स्कूली बच्चों ने प्रधानमंत्री मोदी को संस्कृत में श्लोक सुनाए, जिस पर PM मोदी ने मुस्कुराते हुए उनका उत्साह बढ़ाया।

30 साल में पहली बार कोई भारतीय प्रधानमंत्री घाना पहुंचे

प्रधानमंत्री मोदी 2 जुलाई से 8 दिनों के लिए 5 देशों की यात्रा पर हैं। इस यात्रा की शुरुआत उन्होंने घाना से की है। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री की 30 सालों में पहली घाना यात्रा है। उनसे पहले 1957 में पंडित जवाहरलाल नेहरू और 1995 में नरसिम्हा राव बतौर प्रधानमंत्री घाना पहुंचे थे।

घाना के बाद कहां जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी?

PM मोदी घाना के बाद त्रिनिदाद एंड टोबैगो, अर्जेंटीना, ब्राजील और नामीबिया जाएंगे। 2014 से अब तक अपने तीन कार्यकाल में मोदी की त्रिनिदाद एंड टोबैगो और नामीबिया में यह पहली यात्रा होगी।

ब्राजील में प्रधानमंत्री मोदी BRICS समिट में हिस्सा लेंगे, जहां ब्राजील, रूस, भारत, चीन और साउथ अफ्रीका के नेताओं के साथ अहम वैश्विक मुद्दों पर चर्चा होगी।

घाना दौरे का महत्व

भारत और घाना के बीच ऐतिहासिक रिश्ते रहे हैं। घाना, भारत के लिए अफ्रीका में एक अहम साझेदार है। मोदी के इस दौरे का उद्देश्य व्यापार, शिक्षा, स्वास्थ्य, टेक्नोलॉजी और सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करना है। इसके साथ ही अफ्रीकी देशों में भारत की भागीदारी बढ़ाने और वैश्विक दक्षिण के साथ जुड़ाव मजबूत करने की दिशा में यह यात्रा महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग ने बोर्डों के पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन समानता तथा अध्ययन के परिणामों में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया

दिल्ली। शिक्षा मंत्रालय के स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (डीओएसईएंडएल) ने बुधवार को सुषमा स्वराज भवन, नई दिल्ली में बोर्डों के पाठ्यक्रम एवं मूल्यांकन समानता तथा अध्यएयन के परिणामों में सुधार पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया।

इस उच्च स्तरीय सम्मेलन में शिक्षा मंत्रालय, राज्य शिक्षा विभागों, राज्य शिक्षा बोर्डों, एससीईआरटी तथा सीबीएसई, केवीएस और एनवीएस सहित स्वायत्त निकायों के 250 से अधिक वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

सम्मेलन की शुरुआत शिक्षा और साक्षरता विभाग के अतिरिक्त सचिव आनंदराव वी. पाटिल के संबोधन से हुई, जिन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत किया और राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 की दो मुख्य प्राथमिकताओं पर जोर दिया; योग्यता आधारित शिक्षा की तरफ परिवर्तन और स्कूल बोर्डों में तुलना।

शिक्षा और साक्षरता विभाग के सचिव संजय कुमार ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की और स्थानीय आवश्यकताओं के लिए लचीलेपन को बनाए रखते हुए विविध शिक्षा प्रणालियों में मूल्यांकन और शैक्षणिक परिणामों में स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए तंत्र बनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने स्कूल-स्तरीय मूल्यांकन कार्य प्रणालियों में समानता और विश्वसनीयता को संस्थागत बनाने के लिए एक सहयोगी दृष्टिकोण का आह्वान किया, खासकर जब भारत राष्ट्रीय शिक्षा नीति (एनईपी) 2020 के लक्ष्यों को आगे बढ़ा रहा है।

एनसीईआरटी के निदेशक प्रो. दिनेश प्रसाद सकलानी ने सूचित शैक्षिक सुधारों को सक्षम करने में परख की आधारभूत भूमिका के बारे में बताया।

उन्होंने मूल्यांकन विधियों को पाठ्यक्रम के उद्देश्यों के साथ जोड़ने और यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला कि बड़े पैमाने पर मूल्यांकन से प्राप्त डेटा नीति और शिक्षण पद्धति में सहयोग करता है।

सम्मेलन का एक प्रमुख आकर्षण परख राष्ट्रीय सर्वेक्षण प्रसार पोर्टल का औपचारिक शुभारंभ था, जो छात्रों के प्रदर्शन पर राष्ट्रीय और राज्य-स्तरीय डेटा तक खुली पहुँच प्रदान करता है। इस उपकरण के राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के लिए अध्ययन के परिणामों को बढ़ाने और कौशल अंतराल को पाटने के लिए लक्षित सुधार योजनाएँ तैयार करने के लिए एक प्रमुख संसाधन के रूप में काम करने की उम्मीद है।

परख की प्रमुख और सीईओ प्रो. इंद्राणी भादुड़ी ने 2024 के राष्ट्रीय सर्वेक्षण निष्कर्षों का अवलोकन प्रस्तुत किया। जानकारी ने छात्रों के अध्ययन में राज्यवार और जिलावार भिन्नताओं को उजागर किया, जिसमें मूलभूत साक्षरता और संख्यात्मकता के स्तर, विषय-विशिष्ट उपलब्धियों और उन क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया जहां हस्तक्षेपों ने मापनीय लाभ उत्पन्न किए हैं।

उनकी प्रस्तुति ने डेटा-संचालित आत्म-प्रतिबिंब और सफल रणनीतियों के स्थानीय अनुकूलन को प्रोत्साहित किया। इसके बाद राज्य/संघ राज्य क्षेत्रवार रणनीतियों और सीखने के परिणामों में सुधार पर चर्चा हुई।

बड़े पैमाने पर किए गए आकलन के निष्कर्षों को जमीनी स्तर की जानकारी के साथ पूरक बनाने के लिए, सम्मेलन में छह राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों के शिक्षा विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के बारे में प्रस्तुतियां दी गईं, जिनमें पंजाब की उच्च शिक्षा और स्कूल शिक्षा विभाग की सचिव सुश्री अनिंदिता मित्रा, हिमाचल प्रदेश के एसपीडी (समग्र शिक्षा) राजेश शर्मा, केरल की एसपीडी (समग्र शिक्षा) डॉ. सुप्रिया ए.आर., उत्तर प्रदेश की एसपीडी (समग्र शिक्षा) श्रीमती कंचन वर्मा, दादरा और नगर हवेली के एसपीडी (समग्र शिक्षा) जतिन गोयल और महाराष्ट्र के निदेशक (एससीईआरटी) राहुल रेखावर शामिल थे, जिन्होंने अध्ययन के परिणामों को बढ़ाने के लिए अभिनव, उच्च प्रभाव वाले हस्तक्षेपों पर प्रकाश डाला।

सम्मेलन में पाठ्यक्रम और मूल्यांकन में बोर्डों की समतुल्यता के विषय पर भी गहराई से चर्चा की गई, जिसमें मजबूत राज्य-स्तरीय ढांचे और मान्यता प्रक्रियाओं को विकसित करने पर ध्यान केन्द्रि त किया गया। सात राज्य शिक्षा बोर्डों के वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रस्तुतियां दीं, जिनमें आंध्र प्रदेश के स्कूल शिक्षा निदेशक डॉ. विजय राम राजू वी., नरनारायण नाथ, सचिव, असम राज्य स्कूल शिक्षा बोर्ड, श्रीमती प्रीति शुक्ला, उप सचिव, छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल, श्रीमती मेघना शेतगांवकर, निदेशक, एससीईआरटी, गोवा, प्रो. (डॉ.) सुधीर सिंह, निदेशक अकादमिक, जम्मू और कश्मीर बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, जयंत कुमार मिश्रा, सचिव, झारखंड अकादमिक परिषद और लालरिनमाविया राल्ते, परीक्षा नियंत्रक, मिजोरम बोर्ड ऑफ स्कूल एजुकेशन, मिजोरम शामिल थे।

इन्होंमने समानता के लिए अपने राज्य-स्तरीय ढांचे को साझा किया, मजबूत नीतियों, प्रक्रियाओं और संस्थागत तंत्रों को रेखांकित किया।

केन्द्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) के अध्यक्ष राहुल सिंह ने स्कूलों में गुणवत्ता मानकों को सुनिश्चित करने के लिए सीबीएसई के दृष्टिकोण को साझा किया, विशेष रूप से स्कूल मानक प्राधिकरण के रूप में इसकी क्षमता में। निरंतर स्कूल सुधार का समर्थन करने के लिए संस्थागत स्व-मूल्यांकन, शिक्षक क्षमता विकास और डेटा पारदर्शिता पर जोर दिया गया। वेंकटरमन हेगड़े, डीडीजी (सांख्यिकी), डीओएसईएल ने विभिन्न स्कूल बोर्डों में माध्यमिक और उच्चतर माध्यमिक परीक्षा परिणामों 2024 के विश्लेषण पर एक व्यावहारिक और डेटा-संचालित प्रस्तुति दी, जिसमें छात्रों के शैक्षणिक प्रदर्शन का व्यापक अवलोकन प्रस्तुत किया गया।

प्रो. इंद्राणी भादुड़ी ने स्कूल बोर्डों में पाठ्यक्रम और मूल्यांकन समानता प्राप्त करने के लिए एक रणनीतिक रोडमैप की रूपरेखा प्रस्तुत की, जिसमें छात्र मूल्यांकन में निष्पक्षता, गतिशीलता और स्थिरता सुनिश्चित करने में इसके महत्व पर जोर दिया गया। उन्होंने प्रस्तावित कार्यान्वयन ढांचे और व्यापक स्कूली शिक्षा परिदृश्य पर बोर्ड समतुल्यता के प्रत्याशित प्रभाव के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने सभी राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों में राज्य स्कूल मानक प्राधिकरण (एसएसएसए) की स्थापना पर भी जोर दिया, जो यह सुनिश्चित करेगा कि सभी स्कूल पारदर्शी विनियमन और स्कूल गुणवत्ता मूल्यांकन और आश्वासन ढांचे (एसक्यूशएएफ) के कार्यान्वयन के माध्यम से न्यूनतम गुणवत्ता बेंचमार्क को पूरा करें।

सम्मेलन में राज्यों/केन्द्र शासित प्रदेशों द्वारा समग्र प्रगति कार्ड (एचपीसी) के कार्यान्वयन पर भी प्रकाश डाला गया। स्कूलों और शिक्षकों को बाल-केंद्रित, सतत मूल्यांकन दृष्टिकोण अपनाने में सहायता करने के लिए रेडी रेकनर वीडियो विकसित किए गए, ताकि इन प्रथाओं को मुख्यधारा में लाने में सहायता मिल सके। इन उपकरणों का उद्देश्य योग्यता-आधारित शिक्षा को सुदृढ़ करना और छात्रों के लिए नियमित, सार्थक प्रतिक्रिया की संस्कृति का निर्माण करना है।

व्यावसायिक पाठ्यक्रमों के लिए पुरस्कार देने वाली संस्थाओं के रूप में स्कूल बोर्डों की मान्यता के लिए एक महत्वपूर्ण सत्र समर्पित किया गया। इस चर्चा का नेतृत्व करते हुए, शिक्षा मंत्रालय में एसई एंड एल की संयुक्त सचिव सुश्री प्राची पांडे ने सामान्य और व्यावसायिक शिक्षा के बीच निर्बाध मार्ग बनाने के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि व्यावसायिक प्रमाण-पत्र प्रदान करने के लिए स्कूल बोर्डों को सशक्त बनाने से कौशल-आधारित शिक्षा तक पहुँच में सुधार होगा और रोजगार और आजीवन सीखने पर राष्ट्रीय उद्देश्यों के साथ तालमेल बिठाने में मदद मिलेगी।

पंजाब में AAP सरकार का 3 साल में 7वां कैबिनेट विस्तार

-संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाए जाने की तैयारी, पुराने मंत्रियों के विभाग भी बदलेंगे

चंडीगढ़। पंजाब में आम आदमी पार्टी (AAP) सरकार आज गुरुवार को अपने कार्यकाल के 3 साल में सातवीं बार कैबिनेट में फेरबदल करने जा रही है। इस दौरान लुधियाना वेस्ट से नवनिर्वाचित विधायक संजीव अरोड़ा को मंत्री बनाए जाने की तैयारी पूरी हो चुकी है। साथ ही कुछ पुराने मंत्रियों के विभागों में भी बदलाव होने की संभावना है।

1 बजे शपथ ग्रहण, गवर्नर ने दी मंजूरी

गुरुवार दोपहर 1 बजे राजभवन में शपथ ग्रहण समारोह आयोजित होगा। शपथ समारोह की अनुमति राजभवन से मिल चुकी है।

पहले यह समारोह 1 जुलाई को प्रस्तावित था, लेकिन गवर्नर गुलाब चंद कटारिया के उदयपुर दौरे पर होने की वजह से इसे टालना पड़ा। अब गवर्नर के चंडीगढ़ लौट आने के बाद शपथ समारोह तय किया गया है।

संजीव अरोड़ा को मिल सकता है हाउसिंग या इंडस्ट्री मंत्रालय

लुधियाना पश्चिम से हाल ही में हुए उपचुनाव में जीत दर्ज करने वाले संजीव अरोड़ा को हाउसिंग डिपार्टमेंट या इंडस्ट्री मंत्रालय की जिम्मेदारी दी जा सकती है। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि सरकार अन्य नए चेहरों को मंत्रिमंडल में शामिल करेगी या नहीं। पंजाब में मुख्यमंत्री समेत 18 मंत्रियों तक की कैबिनेट हो सकती है।

केजरीवाल ने प्रचार में किया था मंत्री बनाने का वादा

संजीव अरोड़ा पहले राज्यसभा सांसद थे। 1 जुलाई को उन्होंने राज्यसभा से इस्तीफा दिया था। लुधियाना वेस्ट उपचुनाव में प्रचार के दौरान AAP संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने लोगों से वादा किया था कि अगर अरोड़ा को विधायक बनाया गया तो उन्हें मंत्री बनाया जाएगा। इसी वादे के तहत अब उन्हें मंत्रिमंडल मं शामिल किया जा रहा है।

लुधियाना वेस्ट में कैसे खाली हुई सीट?

2022 में लुधियाना वेस्ट से AAP के गुरप्रीत सिंह गोगी विधायक बने थे। जनवरी 2025 में उनकी घर पर ही गोली लगने से मौत हो गई थी। इसके बाद यह सीट खाली हो गई थी।

जून में उपचुनाव हुआ, जिसमें संजीव अरोड़ा ने 10,637 वोटों के अंतर से जीत दर्ज की। उन्हें कांग्रेस उम्मीदवार भारत भूषण आशु से 43.34% ज्यादा वोट मिले थे।

तीन साल में 7 बार कैबिनेट में बदलाव क्यों?

AAP सरकार ने 2022 में सत्ता में आने के बाद कई बार कैबिनेट में फेरबदल किया।

नए चेहरों को मौका देने, प्रदर्शन के आधार पर विभाग बदलने और राजनीतिक संतुलन बनाने के लिए बदलाव किए गए।

यह 7वां कैबिनेट विस्तार पार्टी के चुनावी वादे को पूरा करने और संगठनात्मक मजबूती के लिए किया जा रहा है।

क्या बदलाव होंगे मंत्रियों के विभागों में?

सूत्रों के मुताबिक, कैबिनेट विस्तार के साथ कुछ पुराने मंत्रियों के विभागों में फेरबदल किया जाएगा। हालांकि, इस पर अंतिम मुहर शपथ समारोह के बाद लगाई जाएगी। पार्टी के भीतर लगातार मांग उठ रही थी कि प्रदर्शन के आधार पर मंत्रियों के विभाग बदले जाएं ताकि सरकारी योजनाओं को और तेजी से लागू किया जा सके।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,